नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

रांची स्थित डोरंडा कॉलेज के दिवाकर आनंद को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा एनएसएस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

• बोकारो, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 141 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

बिहार में चुनावी समर का महाआगाज

दो चरणों में होंगे चुनाव | 6 एवं 11 नवंबर को होगा मतदान | मतगणना 14 नवंबर को | 7.43 करोड़ मतदाता करेंगे मतदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। बिहार की 243 सीटों के लिए चुनावी समर का महाआगाज हो गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को नामांकन, वोटिंग और रिजल्ट की तारीखों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव दो फ़ेज में संपन्न होंगे। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही बिहार में आचार संहिता लागू हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि बिहार विधानसभा का चुनाव को लेकर मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा। रिजल्ट 14 नवम्बर को आएगा। पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों के लिए गजट अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, जांच 18 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तय की गई है। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर 2025 को होगा। दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों के लिए गजट अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर, जांच 21 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर निर्धारित की गई है। दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। दोनों चरणों की मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। पूरा चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर 2025 तक संपन्न हो जाएगी। श्री कुमार ने बताया कि निर्वाचन आयोग के 30 सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इस मतदाता सूची में 3.92 करोड़ पुरुष और 3.50 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। 1725 ट्रांसजेंडर भी मतदान कर सकेंगे। बिहार में 20-29 वर्ष के 1.63 करोड़ युवा मतदाता हैं। इनमें से 14.01 लाख नागरिक ऐसे हैं जो पहली बार वोट देंगे। लोकतंत्र में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता और 4.04 लाख वरिष्ठ नागरिक भी सूची में शामिल हैं। इनके लिए वोटिंग सेंटर पर सुविधा दी जाएगी।

1350 मॉडल वोटिंग सेंटर बनाये जायेंगे

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि बिहार में कुल 90712 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। हर केंद्र पर औसतन 818 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 76801 केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में और 13911 केंद्र शहरी इलाकों में है। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि मतदान प्रक्रिया पर पूरी निगरानी रखी जा सके। इसके अलावा, मतदाताओं को बेहतर अनुभव देने के लिए 1350 मॉडल मतदान केंद्र भी बनाए जायेंगे।

निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी

चुनाव आयोग ने बिहार में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए तैयारी की है। मतदाताओं की सुविधा के लिए एक केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर 1200 कर दी गई है। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी कर मतदाता सूची को सटीक बनाया गया है। पारदर्शिता और निगरानी बढ़ाने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

14 लाख नये वोटर्स करेंगे वोट

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में 14 लाख नये वोटर्स वोट डालेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में टोटल 7.43 करोड़ वोटर्स वोट डालेंगे। इनमें 3.92 करोड़ पुरुष वोटर और 3.50 करोड़ महिला वोटर्स होंगे। इसके साथ ही 4.04 लाख ऐसे वोटर होंगे जो 85 वर्ष से ऊपर के हैं। ट्रांसजेंडर वोटर 1725, दिव्यांग वोटर 7.2 लाख और फर्स्ट टाइम वोटर 14.1 लाख हैं।

सिर्फ 15 दिन में मिलेंगे नये वोटर कार्ड

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यह भी कहा कि जिन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में नए जुड़े हैं, उन्हें नए वोटर कार्ड मिलेंगे। दरअसल, पहले वोटर कार्ड मिलने में महीनों लग जाते थे। लेकिन अब सिर्फ 14 दिन के अंदर ही मिलेगा। इसके साथ ही पोलिंग बूथों पर भी खास व्यवस्थाएं वोटर्स के लिए होंगी।

मोबाइल फोन ले जाने की होगी अनुमति

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुताबिक चुनाव के दौरान हिंसा पर जीरो टॉलरेंस की नीति चुनाव आयोग अपनायेगा। किसी भी तरह की अफवाह पर तुरंत एक्शन लिया जायेगा। इसके साथ ही पोलिंग बूथ पर मतदाताओं को मोबाइल फोन ले जाने की इजाजत होगी लेकिन मतदान के दौरान वोटर्स को मोबाइल जमा करना पड़ेगा। दरअसल, मतदान कक्ष में जाने से पहले मोबाइल बाहर रखना होगा और वोट देने के बाद वे अपना फोन ले सकेंगे। किसी भी पोलिंग बूथ पर नहीं होंगे 1200 से अधिक वोटर चुनाव आयोग ने भीड़भाड़ वाले मतदान केंद्रों पर लगाम लगाने के लिए अहम कदम उठाया है। अब किसी भी पोलिंग बूथ पर 1200 से अधिक वोटर नहीं होंगे। साथ ही सभी बूथों पर 100% वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जा रही है ताकि मतदान प्रक्रिया पर लगातार नज़र रखी जा सके।

इवीएम पर अब उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें

पिछले चुनावों में ईवीएम पर ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों को लेकर शिकायतें आई थीं। कई मतदाताओं को उम्मीदवारों की पहचान करने में कठिनाई होती थी। इस बार निर्वाचन आयोग ने यह कमी दूर करते हुए ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें लगाने का निर्णय लिया है। साथ ही क्रम संख्या का फॉन्ट भी बड़ा किया जाएगा ताकि पहचान में कोई भ्रम न हो। यह कदम मतदान की पारदर्शिता और मतदाताओं के अनुभव–दोनों को बेहतर बनाएगा।

डाक मतपत्रों की गिनती पहले

राजनीतिक दलों की मांग को ध्यान में रखते हुए आयोग ने यह भी तय किया है कि मतगणना में ईवीएम के अंतिम दो दौर से पहले डाक मतपत्रों (पोस्टल बैलट) की गिनती की जाएगी। अब तक इस प्रक्रिया को अंत में रखा जाता था, जिससे कभी-कभी विवाद की स्थिति बनती थी। इस बदलाव से नतीजों की विश्वसनीयता और पारदर्शिता में बड़ा सुधार होगा।

वोटर्स की सुविधा का रखा जा रहा ख्याल

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां औसतन प्रति केंद्र 818 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 76,801 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं, जबकि 13,911 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था (100%) की गई है। साथ ही, 1,350 मॉडल मतदान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

सात राज्यों में विस सीटों पर होगा उप चुनाव

चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप चुनाव का ऐलान भी किया। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नागरोटा, राजस्थान में अंता, झारखंड में घाटसिला (एसटी), तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाडा विधानसभा सीट शामिल है। यहां 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे।

6 नवंबर : प्रथम चरण

आलमनगर, बिहारीगंज, सिंघेश्वर (एससी), मधेपुरा, सोनबरसा (एससी), सहरसा, सिमरी बख्तियारपुर, महिषी, कुशेश्वर स्थान (एससी), गौरा बौरम, बेनीपुर, अलिनगर, दरभंगा ग्रामीण, दरभंगा, हायाघाट, बहादुरपुर, केवटी, जाले, गायघाट, औराई, मीनापुर, बोचहां (एससी), सकरा (एससी), कुढ़नी, मुजफ्फरपुर, कांटी, बरूराज, पारू, साहेबगंज, बैकुंठपुर, बरौली, गोपालगंज, कुचायकोट, भोर (एससी), हथुआ, सीवान, जीरादेई, दरौली (एससी), रघुनाथपुर, दरौंदा, बड़हरिया, गोरियाकोठी, महाराजगंज, एकमा, मांझी, बनियापुर, तरैया, मढ़ौरा, छपरा, गरखा (एससी), अमनौर, परसा, सोनपुर, हाजीपुर, लालगंज, वैशाली, महुआ, राजा पाकर (एससी), राघोपुर, महनार, पातेपुर (एससी), कल्याणपुर (एससी), वारिसनगर, समस्तीपुर, उजियारपुर, मोरवा, सरायरंजन, मोहिउद्दीननगर, बिभूतिपुर, रोसड़ा (एससी), हसनपुर, चेरिया-बरियारपुर, बछवाड़ा, तेघरा, मटिहानी, साहेबपुर कमाल, बेगूसराय, बखरी (एससी) अलाउली (एससी), खगड़िया, बेलदौर, परबत्ता, तारापुर, मुंगेर, जमालपुर, सूर्यगढ़ा, लखीसराय, शेखपुरा, बरबीघा, अस्थावां, बिहारशरीफ, राजगीर (एससी), इस्लामपुर, हिलसा, नालंदा, हरनौत, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, दीघा, बांकीपुर, कुम्हरार, पटना साहिब, फतुहा, दानापुर, मनेर, फुलवारी (एससी), मसौढी (एससी), पालीगंज, बिक्रम, सन्देश, बरहरा, आरा, अगिआंव (एससी), तरारी, जगदीशपुर, शाहपुर, ब्रह्मपुर, बक्सर, डुमरांव, एवं राजपुर (एससी)

11 नवंबर : दूसरा चरण

वाल्मीकि नगर, रामनगर (एससी), नरकटियागंज, बगहा, लौरिया, नौतन, चनपटिया, बेतिया, सिकटा, रक्सौल, सुगौली, नरकटिया, हरसिद्धि (एससी), गोविंदगंज, केसरिया, कल्याणपुर, पिपरा, मधुबन, मोतिहारी, चिरइया, ढाका, शिवहर, रीगा, बथनाहा (एससी), परिहार, सुरसंड, बाजपट्टी, सीतामढ़ी, रून्नीसैदपुर, बेलसंड, हरलाखी, बेनीपट्टी, खजौली, बाबूबरही, बिस्फी, मधुबनी, राजनगर (एससी), झंझारपुर, फुलपरास, लौकहा, निर्मली, पिपरा, सुपौल, त्रिवेणीगंज (एससी), छातापुर, नरपतगंज, रानीगंज (एससी), फारबिसगंज, अररिया, जोकीहाट, सिकटी, बहादुरगंज, ठाकुरगंज, किशनगंज, कोचाधामन, अमौर बौंसी, कसबा, बनमनखी (एससी), रुपौली, धमदाहा, पूर्णिया, कटिहार, कदवा, बलरामपुर, प्राणपुर, मनिहारी (एससी), बरारी, कोढ़ा (एससी), बिहपुर, गोपालपुर, पीरपैंती (एससी), कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, नाथनगर, अमरपुर, धोरैया (एससी), बांका, कटोरिया (एससी), बेलहर, रामगढ़, मोहनिया (एससी), भभुआ, चैनपुर, चेनारी (एससी), सासाराम, करगहर, दिनारा, नोखा, डेहरी, काराकाट, अरवल, कुर्था, जहानाबाद, घोसी, मखदुमपुर (एससी), गोह, ओबरा, नबीनगर, कुटुम्बा (एससी), औरंगाबाद, रफीगंज, गुरुआ, शेरघाटी, इमामगंज (एससी), बाराचट्टी (एससी), बोधगया (एससी), गया टाउन, टिकारी, बेलागंज, अतरी, वजीरगंज, रजौली (एससी), हिसुआ, नवादा, गोबिंदपुर, वारसलीगंज, सिकंदरा (एससी), जमुई, झाझा एवं चकाई

घाटशिला में उपचुनाव 11 नवंबर को

बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ झारखंड में एक सीट पर होने वाले उपचुनाव की भी घोषणा हो गयी है। चुनाव आयोग ने कोल्हान के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। यह चुनाव 11 नवंबर को होगा। रिजल्ट 14 नवंबर को जारी होगा। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी। घाटशिला (एसटी) विधानसभा सीट पर उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 है। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर 2025 को होगी। 22 अक्टूबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकेंगे। 11 नवंबर को सभी उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। 14 नवंबर को मतगणना होगी और उसी दिन तय हो जायेगा कि घाटशिला का नया विधायक कौन बनेगा। यहां कुल 2,55,823 मतदाता हैं। इसमें पुरूष मतदाता 1,24,899 और महिला मतदाताओं की संख्या 1,30,921 है जबकि थर्ड जेंडर वोटर तीन है।

संक्षिप्त समाचार

बेटे की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पांकी थाना अंतर्गत रतनपुर गांव में रविवार को सूरज कुमार की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया था।

सड़क हादसे में युवक की मौत

चाईबासा (नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराइकेला बाजार में बीती रात एक सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में झारखंड नायक नामक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने आज रांची-चाईबासा मेन रोड को कराइकेला थाना के पास जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिवार के लिए मुआवजे और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

झारखंड के छात्रों को समय पर मिलेगी डिग्री : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं कि छात्रों को उनकी डिग्रियां समय पर मिलें। राज्यपाल संतोष गंगवार ने नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को नियमित कक्षाओं और डिग्रियां प्रदान करने के संबंध में निर्देश जारी किए जा रहे हैं। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थापना को 16 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह केवल तीन बार ही आयोजित किए गए हैं। इससे पता चलता है कि छात्रों को समय पर डिग्रियां नहीं मिली हैं। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को समय पर डिग्रियां प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य में गोल्ड मेडल विजेताओं में सबसे अधिक संख्या लड़कियों की है, जो एक विकसित भारत का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर चलना भी है। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का एक समृद्ध

इतिहास है और आज के युवाओं को इससे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री राधाकृष्णन ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि सच्ची शिक्षा का मूल भाव सम्मान है। सभी छात्रों को बधाई। सभी को समाज और पलामू क्षेत्र का नाम रोशन करें। समाज में नफरत और वैमनस्य की भावना को खत्म करने में शिक्षा अहम भूमिका निभाती है। सभी समान हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद लोग कहते हैं कि वे उच्च पदस्थ अधिकारी बनना चाहते हैं, लेकिन कोई यह नहीं कहता कि वे विधायक या सांसद बनना चाहते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि राजनीति में भी भाग लें। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विधानसभा और संसद में आएं। जानकारी और ज्ञान बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि 18 वर्षों में केवल 157 लोगों ने पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है, जो दुखद है। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे पूछा कि पलामू में जल संचयन के लिए विश्वविद्यालय के भूतत्व विभाग ने क्या सोचा है? पलामू का इलाका सूखाग्रस्त है। यूनिवर्सिटी कुछ अलग और हट कर काम करे। पलामू क्षेत्र में केवल 16 प्रतिशत छात्र ही इंटरमीडिएट पास करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। झारखंड में एक यूनिवर्सिटी कमीशन का गठन किया जाएगा जो शिक्षकों की नियुक्ति करेगा। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 77 छात्रों को मेडल प्रदान किए गए, इनमें से 41 छात्राएं और 31 छात्र थे। वहीं पांच पीएचडी छात्र हैं। 72 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थापना 2009 में हुई थी। दीक्षांत समारोह इससे पहले दो बार आयोजित किया जा चुका है। बता दें कि झारखंड के पहले विधानसभा स्पीकर इंदर सिंह नामधारी भी मंच के नीचे वीआईपी दीर्घा में बैठे थे। इसके बाद राज्यपाल की अनुमति से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इंदर सिंह नामधारी को मंच पर आमंत्रित किया। इस दौरान पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम, चतरा के सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन और जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह सहित कई अधिकारी दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहे।

खासमहल जमीन घोटाले में विजय प्रताप सिंह गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के चर्चित खासमहल जमीन घोटाले में भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए विजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। यह इस मामले में अब तक की तीसरी गिरफ्तारी है। एसीबी की टीम ने सोमवार को उन्हें पूछताछ के बाद हिरासत में लिया। सूत्रों के अनुसार, विजय प्रताप सिंह पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए खासमहल की कीमती जमीनों की बंदोबस्ती और ट्रांसफर में भारी अनियमितताएं कीं। जांच में यह भी सामने आया है कि दस्तावेजों में हेरफ़ेर कर सरकारी जमीन को निजी व्यक्तियों के नाम पर ट्रांसफर कराया गया, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही अन्य संलिप्त अधिकारियों और बिचौलियों पर भी शिकंजा कसने की संभावना है। गौरतलब है कि खासमहल जमीन घोटाले की जांच पिछले कई महीनों से जारी है। इस दौरान एसीबी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं और राजस्व विभाग सहित कई सरकारी अधिकारियों से पूछताछ भी की गई है।

पुलिस जवान की आत्महत्या मामले में चार पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। पुलिस जवान मंसूर आलम की आत्महत्या के मामले में चार पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज किया गया है। इनमें जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव, जयनगर थाना में पदस्थापित एएसआई अरविंद हांसदा और सपही पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी शामिल हैं। मृतक की पत्नी साहिना बीबी की शिकायत पर चंदवारा थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है। मंसूर आलम ने 1 सितंबर को पुलिस लाइन में सल्फास खाकर आत्महत्या की थी। आत्महत्या से पहले मंसूर आलम ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने इन चारों पुलिस अधिकारियों पर गलत आरोपों के तहत उन्हें निलंबित करवाने का आरोप लगाया था। इस घटना के बाद पुलिस मेंस एसोसिएशन ने एसपी अनुदीप सिंह से मिलकर मामले की गहन जांच की मांग की थी। मृतक की पत्नी ने भी चंदवारा थाने में आवेदन देकर इन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी के आवेदन पर चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज कर लिया गया है। इधर, पुलिस द्वारा इस कार्रवाई पर पुलिस मेन्स एसोसिएशन ने नाराजगी जताते हुए इसे पुलिस द्वारा खानापूर्ति बताया है। प्रदेश उपाध्यक्ष रहमान खान ने कहा कि जिस वक्त दिवंगत मंसूर आलम को पुलिस लाइन चंदवारा में एसपी अनुदीप सिंह व जिले के अन्य पदाधिकारियों सहित अन्य पुलिस के जवानों द्वारा श्रद्धांजलि दी जा रही थी।

बीएसएफ के 347 नवआरक्षकों ने ली देश सेवा की शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र की वजह से हजारीबाग की देशभर में अलग पहचान है। यहां विदेशों से भी आकर सुरक्षाकर्मी प्रशिक्षण लेते हैं। इसी कड़ी में 347 नवआरक्षक अपना प्रशिक्षण पूरा कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए। ये जवान देश सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हजारीबाग के बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र एवं स्कूल के रानी लक्ष्मीबाई परेड ग्राउंड में सोमवार को दीक्षांत परेड समारोह संपन्न हुआ। समारोह में कुल 347 नवआरक्षकों ने देश सेवा की शपथ ली। भव्य पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बीएसएफ के बैंड की धुन ने देशभक्ति का माहौल कर दिया। भारत माता की जयकारे के साथ नवआरक्षकों ने देश की अखंडता, एकता के लिए तिरंगे झंडे के नीचे शपथ ली। देश हमें सब कुछ देता

है। हम भी तो कुछ देना सीखें, कुछ इसी भाव के साथ 44 सप्ताह की कठिन परिश्रम, लगन, साधना के साथ बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर जवान दीक्षांत परेड में शामिल हुए। कदम से कदम ताल मिलाकर परेड में हिस्सा लिये जवानों सभी के दिलों को जीत लिया। दीक्षांत समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएफ मेरु कैंप के महानिरीक्षक धीरेंद्र संभाजी कुटे ने सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जवानों के माता-पिता समेत हजारीबाग के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे और सभी ने परेड का लुत्फ उठाया। इस मौके पर महानिरीक्षक ने नवआरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत परेड के बाद औपचारिक तौर पर सीमा सुरक्षा बल, जो भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति है उसके सदस्य बन गए हैं। इन्होंने सभी को कठोर प्रशिक्षण के लिए शुभकामना दी। 44 सप्ताह के प्रशिक्षण में देश के कोने कोने से जवान पहुंचे थे।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

हजारीबाग पुलिस की बड़ी सफलता : कुख्यात अपराधी दानिश इकबाल गिरफ्तार, कई अपराधों का खुलासा

एसपी अंजनी अंजन ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस को रविवार की देर रात बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नगवा हवाई अड्डा के पास छापामारी कर कुख्यात अपराधकर्मी मो० दानिश इकबाल (उम्र 23 वर्ष, ग्राम रमना मोहल्ला, थाना शेरघाटी, जिला गया बिहार) को गिरफ्तार किया है। दानिश इकबाल हत्या, लूट, रंगदारी, फिरौती, अपहरण एवं गोलीबारी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहा है और कई राज्यों की पुलिस को उसकी तलाश थी।

गिरफ्तारी की कार्रवाई

दिनांक 05/06-10-2025 की रात्रि को गुप्त सूचना मिली कि दानिश इकबाल अपने साथियों के साथ नगवा टोल प्लाजा के आसपास आने वाला है। थाना प्रभारी लोहसिंघना के नेतृत्व में सशस्त्र बल ने घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम दानिश इकबाल बताया। तलाशी में उसके पास से कई मोबाइल, 11 सिम कार्ड, फर्जी आधार-पैन कार्ड, नोटबुक, राउटर एवं अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुए।

अपराधी का स्वीकारोक्ति बयान

पुलिस पूछताछ में दानिश ने बताया कि वह उत्तम यादव, शक्ति गिरी उर्फ साईको टाइगर, फोटो खान सहित अन्य 15-20 युवकों के साथ मिलकर संगठित अपराध करता है। इनका मुख्य काम कारोबारियों और कंपनियों से रंगदारी वसूली करना है।

दिसंबर 2024 में हजारीबाग के उदय साव हत्या कांड में इसकी संलिप्तता है। गया जिले के आमस में अनवर अली हत्या कांड में भी इसकी भूमिका रही। गुरुआ थाना क्षेत्र में भारत माला प्रोजेक्ट कैंप में मजदूरों पर हमला एवं गोलीबारी की घटना भी इसके गिरोह द्वारा की गई।

04 जनवरी 2025 को डॉ. तपेश्वर प्रसाद के क्लिनिक पर बम फेंककर हमला किया गया था।

बरामद सामान

फर्जी आधार कार्ड- 01
फर्जी पैन कार्ड-01
मोबाइल फोन- 04
सिम कार्ड- 11
राउटर-01
नोटबुक- 01
दानिश इकबाल के नाम से आधार, पैन एवं ड्राइविंग लाइसेंस-03

अपराधिक इतिहास

दानिश इकबाल पर गया, शेरघाटी, आमस, गुरुआ और हजारीबाग थानों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, विस्फोटक अधिनियम एवं हथियार अधिनियम से जुड़े केस शामिल हैं।

छापामारी दल

थाना प्रभारी लोहसिंघना
सशस्त्र बल।

चौपारण वन विभाग की बड़ी कार्रवाई अवैध आरा मशीन और लकड़ी जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण। प्रादेशिक वन विभाग ने हजारीधमना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध आरा मशीन सेट सहित भारी मात्रा में लकड़ी और चिरान पटरा जब्त किया। यह कार्रवाई वनपाल पंकज कुमार के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार, विभाग को सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध तरीके से जंगलों की कटाई कर लकड़ी और चिरान पटरा का कारोबार कर रहे हैं।

मौके पर पहुंची टीम ने जांच के दौरान आरा मशीन सेट और लकड़ी के कई स्टैक बरामद किए। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जंगलों की सुरक्षा और अवैध कटाई पर रोक लगाने के लिए की गई है। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी ऐसे अवैध कार्यों पर न केवल कड़ी कार्रवाई की जाएगी बल्कि जुमार्ने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी होगी। पंकज कुमार ने कहा कि वन विभाग लगातार जंगलों की निगरानी कर रहा है और अवैध कटाई करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोग भी वन विभाग की तत्परता और सतर्कता की सराहना कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जंगलों की सुरक्षा केवल विभाग का कर्तव्य नहीं है, बल्कि समाज और स्थानीय लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे इस दिशा में सहयोग करें।

गुड़ियों में मारपीट के आरोपी संजय रविदास भेजे गये जेल

बरही/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुड़ियों में संजय रविदास और उमेश रविदास के बीच हुई मारपीट के मामले में बरही पुलिस ने संजय रविदास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मारपीट में उमेश रविदास घायल हुए थे और उन्होंने संजय पर तलवार से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया था।

इधर, संजय रविदास की पत्नी दयामती देवी ने भी बरही थाना में आवेदन देकर उमेश रविदास और उनके परिवार पर मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

फाइनल क्रिकेट मैच में झींगीबराई ने डपोक को हराकर जीता खिताब

विधायक ने विजेता उप विजेता टीम को किया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। बरही प्रखंड के ग्राम डपोक स्थित पद्मानंद मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच में विधायक मनोज कुमार यादव, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, पूर्व जिप प्रतिनिधि मो क्यूम, जिला उपाध्यक्ष भाजपा रमेश ठाकुर एवं जे एल के एम नेता कृष्ण यादव जी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

फाइनल मैच शिव शक्ति क्लब डपोक और झींगीबराय के बीच खेला गया। टॉस जीतकर डपोक की टीम ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। झींगीबराय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में 5 विकेट पर 91 रन बनाई । जवाब में डपोक की टीम ने 92 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दमदार खेल दिखाया, लेकिन निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 85 रन ही बना सकी। इस तरह झींगीबरायी की टीम विजेता बनी। विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य अतिथियों ने विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, युवा समाजसेवी मुन्ना यादव सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

बरही पुलिस ने चोरी की महिंद्रा थार गाड़ी दो घंटे में बरामद की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही सामंतों पेट्रोल पंप के पास घर के बाहर खड़ी एक महिंद्रा थार गाड़ी संख्या जेएच 02 बीआर /4734 को अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली थी। लेकिन बरही पुलिस की मुस्तैदी के कारण महिंद्रा थार गाड़ी मात्र दो घंटे के अंदर बरामद कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक सामंतों पेट्रोल पंप के पास यशपाल यादव पिता प्रभु यादव के द्वारा सोमवार अहले सुबह लगभग 3 बजे घर के पास खड़ी महिंद्रा थार गाड़ी चोरी कर ली गई। इसकी तत्काल सूचना यशपाल के द्वारा बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार को मिली।

इंस्पेक्टर बिनोद कुमार बिना देर किए चारों मार्गों में पुलिस गस्ती तेज कर दी। साथ ही खुद के नेतृत्व में अपने तेज तर्रार दो एसआई नरेंद्र पांडेय एवं कपूल दीपक नाग को इस महिंद्रा थार गाड़ी रिकवरी मिशन में लगा दिया। सभी पेट्रोलिंग गाड़ी को खोजबीन में लगा दिया। पुलिस की दबिश देख अपराधियों ने जियाडा प्रक्षेत्र में थार गाड़ी को छोड़कर भाग गया। इस संबंध में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही तुरंत एक्शन में आए और चारों ओर नाकेबंदी लगा दिया। वाहन जांच शुरू की। जिसके कारण उसे गाड़ी लेकर भागने का मौका नहीं मिला और वह जियाडा बाईपास में महिंद्रा थार गाड़ी छोड़कर भाग गया। पुलिस उसे बरामद कर थाना ले आई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मिली सफलता की चर्चा बरही में जोरो पर है।

विष्णुगढ़ से हरिहरधाम तक सड़क में गड्ढों की भरमार, लगातार हो रही है दुर्घटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़-बानादाग मुख्य पथ और हरिहरधाम जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 522 इन दिनों लोगों की परेशानी का सबब बनी हुई है। विष्णुगढ़ से सालगांवा होते हुए हरिहरधाम तक सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन में भारी दिक्कतें आ रही हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण के बाद से ही रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। बरसात में इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ता है। आए दिन वाहन दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं, परंतु प्रशासन और संबंधित विभाग मौन हैं। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार सड़क मरम्मत की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया। लोगों का कहना है कि सरकार जब तक गंभीरता नहीं दिखाएगी, तब तक हादसे होते रहेंगे। विष्णुगढ़ के स्थानीय पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि आवागमन सुचारु हो सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ओकनी मोहल्ले में सनसनी : 6 दिन से लापता युवक का मिला शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के ओकनी मोहल्ले में उस समय सनसनी फैल गई जब तकरीबन छह दिनों से लापता युवक का शव एक पुराने अर्ध-निर्मित मकान से बरामद किया गया।

मृतक की पहचान ओकनी निवासी रोहित के रूप में हुई है, जो पेशे से टोटो चालक था। जानकारी के अनुसार, वह अष्टमी के दिन से लापता था। परिजनों और मोहल्लेवालों ने लगातार थाने से गुहार लगाई थी और स्वयं भी खोजबीन में जुटे थे।

शव मिलने के समय स्थिति काफी बिगड़ चुकी थी और शव से तेज दुर्गंध फैल रही थी। बताया जा रहा है कि मृतक मानसिक रूप से परेशान रहता था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल है।

विष्णुगढ़ के इस्लामपुर टोला में बिजली की रौशनी लौटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ हजारीबाग। बराय पंचायत के इस्लामपुर टोला में लंबे समय से अंधेरे से जूझ रहे ग्रामीणों को बुधवार को राहत मिली। 200 केवीए क्षमता वाले नए विद्युत ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन कर वहां बिजली सप्लाई शुरू की गई।

इस अवसर पर जिला परिषद के पूर्व सदस्य शेख तैयब ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना उनका प्रमुख कर्तव्य है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि विकास कार्य सेवा भावना के साथ ईमानदारी से किए जाएंगे, और विष्णुगढ़ प्रखंड के हर पंचायत में इसी तरह के सुधार लाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने नई बिजली व्यवस्था के चालू होने पर खुशी जाहिर की और जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया।

लड़कियों की तस्करी समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय : आशुतोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में कक्षा 10 से 12 की छात्राओं के बीच मानव तस्करी के प्रति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार मैढ ने की। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में पुलिस और सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से दर्जनों नाबालिक लड़कियों को तस्करी के चंगुल से मुक्त कराया गया है।

प्राचार्य ने बताया कि तस्कर गरीब परिवारों को रोजगार, शिक्षा या विवाह के झूठे वादों में फंसाकर लड़कियों को अमानवीय परिस्थितियों में ले जाते हैं। उन्होंने छात्राओं से सतर्क रहने और दूसरों को सुरक्षित रखने की अपील की। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल उजाला अभियान के माध्यम से पीड़ितों का पुनर्वास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में शिक्षिका ममता सिंह, कुमारी पूनम ज्योति, नेहा कुमारी सहित अन्य शिक्षकों और समाजसेवियों की उपस्थिति रही।

संगठन को पंचायत और बूथ स्तर तक सशक्त बनाना ही मेरी प्राथमिकता है : अध्यक्ष विमला कुमारी

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी में आज ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला, जब नवनियुक्त जिला अध्यक्षा श्रीमती बिमला कुमारी ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं,पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकताओं ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए नए नेतृत्व का स्वागत किया। पूर्व जिला अध्यक्ष श्री जैश रंजन पाठक ने उन्हें पदभार सौंपते हुए कहा कि कांग्रेस सदैव संगठनात्मक परंपराओं और सामूहिक नेतृत्व की मिसाल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिमला कुमारी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

शहीद बीएसएफ जवान अमित सिंह का पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। झापा पंचायत के कोल्हुआ गांव में शहीद बीएसएफ जवान अमित सिंह का पार्थिव शरीर सोमवार को पैतृक गांव लाया गया। 30 वर्षीय जवान का दिल्ली में डेंगू के इलाज के दौरान निधन हो गया था। शहीद की मृत्यु की खबर से पूरे गांव और जिले में शोक की लहर दौड़ गई।

जवान के पार्थिव शरीर का चतरा मोड़ पर जिला पुलिस के डीएसपी अजीत कुमार विमल और चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने सलामी और श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी सड़कों पर उतर कर अंतिम विदाई में शामिल होकर जवान को सम्मानित किया। पूर्व विधायक आवास के समीप जिला परिषद सदस्य रवि शंकर अकेला और चौपारण के विधायक मनोज कुमार यादव ने शहीद को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक ने कहा कि अमित सिंह का बलिदान अमूल्य है और उनके परिवार के साथ पूरा क्षेत्र खड़ा है। शहीद अमित सिंह की वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके बलिदान ने गांव और जिले के लोगों को एकजुट किया और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया।

पेसरा में विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा प्रभाग की बैठक, गौ रक्षण एवं संवर्धन पर जोर

भारतीय गोमाता को रक्षण- संवर्द्धन करे समाज : इन्द्रदेव गुप्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा। भारतीय गोवंश के रक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर विश्व हिन्दू परिषद की गोरक्षा प्रभाग की एक बैठक प्रखंड के पेसरा में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता हजारीबाग जिला गोरक्षा प्रमुख इन्द्रदेव गुप्ता एवं संचालन मीडिया प्रभारी मिथलेश कुमार ने किया ।

इस बैठक को संबोधित करते हुए जिला गोरक्षा प्रमुख इंद्रदेव गुप्ता ने कहा कि भारतीय गाय हमारी धार्मिक आस्था और संस्कृति के केन्द्र बिन्दु होने के साथ साथ चलता फिरता औषधालय है, जो मानव जीवन को समस्त ब्याधियों से मुक्त कर इसे संरक्षित और संवर्धित करता है।उन्होंने कहा कि गोमूत्र किडनी, लिवर, सुगर, एलर्जी, चर्मरोग के साथ कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को दूर करने की क्षमता रखता है। गाय का गोबर सभी प्रकार के रेडिएशन रोधक होने के साथ साथ भारतीय संस्कृति में पूजनीय है। इसका दूध मानव जीवन के लिए वरदान है । इससे बनने वाली दही और माठा मानव जीवन के लिए अमृत है जो असाध्य बीमारी को भी साध्य बना देता है । गाय के दूध से बना घी भारतीय सनातन परंपरा का वाहक होने के साथ साथ नजला,जुकाम व खांसी का नाशक है।इसका प्रयोग नाभि में करने से कई प्रकार की आंतरिक बीमारी को भी दमन करता है।इसलिए मानव समाज गोवंश के रक्षण व संवर्द्धन का कार्य करे और कसाई के हाथों में जाने से बचाये। इस बैठक में जिला सह गोरक्षा प्रमुख महेंद्र प्रसाद, सोशल मीडिया प्रमुख मिथिलेश कुमार के अलावा कई ग्रामीण उपस्थित थे।

एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र में नवआरक्षकों की भव्य पासिंग आउट परेड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल के सहायक प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग में 06 अक्टूबर 2025 को 345 नवआरक्षकों (बैच 07 और 08) की दीक्षांत परेड का आयोजन हुआ। 44 सप्ताह की कड़ी मेहनत के बाद नवआरक्षकों ने बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर राष्ट्रीय ध्वज के सामने संविधान की शपथ ली और राष्ट्र की एकता, अखंडता व संप्रभुता के लिए समर्पण का प्रण लिया।

मुख्य अतिथि श्री धीरेन्द्र एस कुटे, भा.पु.से., महानिरीक्षक ने नवआरक्षकों को बधाई दी और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर मनोबल बढ़ाया। दीक्षांत परेड में शानदार मार्च पास्ट, ड्रिल और बीएसएफ बैण्ड की धुन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके साथ ही छात्रों और जवानों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे लोगों ने सराहा। पास आउट नवआरक्षक जल्द ही सीमाओं की सुरक्षा और विभिन्न वाहिनियों की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार होंगे।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शिक्षा में पारदर्शिता व नवाचार पर कुलपति ने रखा विशेष फोकस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर–पीतांबर विश्वविद्यालय में तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार को अत्यंत गरिमामय माहौल में किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश सिंह ने मंच से कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार का भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कुलाधिपति के आगमन से न केवल विश्वविद्यालय परिवार, बल्कि पूरा पलामू प्रमंडल गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नवाचार के क्षेत्र में निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि वह आधार है जिस पर समाज की नींव टिकी होती है। विश्वविद्यालय ज्ञान के मंदिर के रूप में जीवन को आकार देने और भावी पीढ़ियों को उज्जवल भविष्य की दिशा में अग्रसर करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की ज्ञान और सेवा की यात्रा में एक गौरवशाली मील का पत्थर है। यह अवसर न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों और संस्थागत विकास को दर्शाता है, बल्कि संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और हितधारकों की सामूहिक दूरदर्शिता, दृढ़ता और समर्पण का भी प्रमाण है। पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, बुनियादी ढांचे, अनुसंधान और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बदलते समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने थिएटर में सर्टिफिकेट कोर्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा शारीरिक शिक्षा में स्नातक जैसे नए कोर्स शुरू किए हैं। अब विश्वविद्यालय में 42 स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ-साथ डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहे हैं। इस वर्ष लगभग 1,500 नए विद्यार्थियों के दाखिले के साथ कुल छात्र संख्या 7,800 तक पहुंच गई है। सभी दाखिले चांसलर पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया में किए गए हैं। शिक्षण और परीक्षाओं में नियमितता सुनिश्चित करने के लिए कॉलेजों को कक्षा समय-सारिणी का पालन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की निगरानी समिति नियमित निरीक्षण करती है। परीक्षा कार्यक्रम प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में घोषित कर वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है। पिछले वर्ष 55 परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। शैक्षणिक सत्रों में देरी की समस्या के समाधान के लिए 2025-2029 सत्रों हेतु निश्चित परीक्षा कैलेंडर लागू किया गया है, जिससे सभी शैक्षणिक गतिविधियां समय पर संपन्न होंगी। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के 60 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों के पास पीएचडी की उपाधि है। संकाय सदस्यों ने पिछले वर्ष 210 शोधपत्र प्रकाशित किए, 95 शोध प्रस्तुतियां दी और 12 वित्तपोषित परियोजनाएं पूरी कीं। साथ ही उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों के साथ पांच एमओयू पर हस्ताक्षर कर सहयोगात्मक शिक्षण, अनुसंधान और इंटर्नशिप को भी प्रोत्साहित किया गया है। समारोह में स्नातक छात्रों को उपाधियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में कुलाधिपति, कुलपति, प्रो. मंडल, संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएं व अतिथिगण उपस्थित रहे। समारोह विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और नवाचार की दिशा में एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ।

पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने किया मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातु (रामगढ़)। पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की ओर से आज मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। इस यूनिट का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. सेहगल द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा चिकित्सा दल के सदस्य उपस्थित थे। जानकारी के अनुसार तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रारंभ की गई यह मोबाइल हेल्थ क्लिनिक परियोजना, पीवीयूएनएल की सामुदायिक विकास गतिविधियों के अंतर्गत संचालित होगी। यह यूनिट परियोजना के आसपास स्थित 13 गांवों में नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी। इस सेवा के अंतर्गत प्रत्येक माह 24 दिनों तक गांव-गांव जाकर मुफ्त चिकित्सा

परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच, मुफ्त दवा वितरण तथा किट द्वारा बेसिक पैथोलॉजिकल टेस्ट की सुविधा दी जाएगी। इस मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, प्रशिक्षित नर्स, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर स्वास्थ्य सेवा देने हेतु उपस्थित रहेंगे। इस पहल से लगभग 13 गांवों के करीब 1,20,000 ग्रामीणों लाभान्वित होंगे। यह कदम क्षेत्र के ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उनके द्वार तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

एक नजर

एमपी विश्वविद्यालय के कुलपति बेहद सक्रिय : इंदर सिंह नामधारी

पलामू। झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि पलामू प्रमंडल में शिक्षा का वातावरण तेजी से बेहतर हो रहा है। नीलांबर–पीतांबर विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है, जिसमें कुलपति डॉ. दिनेश सिंह की सक्रिय भूमिका अहम है। उन्होंने बताया कि गढ़वा नामधारी कॉलेज के एक सेवानिवृत्त कर्मी की पेंशन चार वर्षों से रुकी हुई थी। इस समस्या की जानकारी जैसे ही कुलपति को दी गई, उन्होंने स्वयं संबंधित व्यक्ति के घर जाकर पूरा मामला समझा और त्वरित कार्रवाई कर पेंशन निर्गत करवाई। नामधारी ने कहा कि कुलपति की सक्रियता के कारण शिक्षा कर्मियों को वर्षों से लंबित एरियर का भुगतान हुआ, जिससे कई परिवारों को राहत मिली है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने भूखे मरने की स्थिति में पहुंचे कर्मचारियों को 10-10 लाख रुपये तक का एरियर भुगतान किया है। इंदर सिंह नामधारी ने आगे कहा कि सतबरवा में एक डिग्री कॉलेज की शुरुआत उनके परिवार ने की थी, जिसके लिए नामधारी परिवार ने 40 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण कराया था। वर्तमान में उस कॉलेज की स्थिति दयनीय हो गई है। उन्होंने कॉलेज को राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत किए जाने की मांग राज्यपाल से की है, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने नीलांबर–पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता और संवेदनशील दृष्टिकोण ने शिक्षा व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों में अग्रसर हो रहा है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं को भी प्राथमिकता दे रहा है।

असफलता से कभी हतोत्साहित न हों : बीडी राम ने विद्यार्थियों को दी प्रेरणा

पलामू। पूर्व सांसद बीडी राम ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जीवन कभी भी सीधी राह पर नहीं चलता और सफलता की कोई निश्चित मंजिल नहीं होती। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत अनुभवों का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने जीवन में कई ऐसी असफलताओं का सामना किया, जिनकी उन्हें उम्मीद नहीं थी। इसके बावजूद सफलता भी उन्हें मिली, जिसकी उन्होंने कभी कामना नहीं की थी। बीडी राम ने कहा कि इसलिए असफलता से कभी कुंठित होने की आवश्यकता नहीं है। असफलता जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक होती है और यह हमें आगे बढ़ने और बेहतर करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना और सीखते रहना ही असली सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर उन्होंने कुलपति से भी अनुरोध किया कि शिक्षा सत्र का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए और परीक्षाएं समय पर आयोजित हों, ताकि छात्रों का शैक्षणिक विकास बाधित न हो। बीडी राम ने यह भी कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनका संदेश विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक रहा, जिसमें उन्होंने संघर्ष और धैर्य के महत्व पर जोर दिया और उन्हें आशा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखने में शिक्षक और विद्यार्थियों की भूमिका अहम : सांसद कालीचरण सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पलामू। चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की सफलता का आधार उसके शोधार्थी और छात्र होते हैं। विश्वविद्यालय की सार्थकता तभी सुनिश्चित होती है जब समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले छात्र-छात्राएं भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर सकें। सांसद ने पलामू के छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र शिक्षा के लिहाज से अत्यंत उर्वर (फर्टाइल) है। यहां के छात्र जहां भी जाते हैं, उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी उत्कृष्टता और गरिमा को बनाए रखने में शिक्षक और विद्यार्थी दोनों की जिम्मेदारी अहम है। कालीचरण सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा भी देते हैं। वहीं, विद्यार्थी अपने अनुशासन, लगन और मेहनत के जरिए विश्वविद्यालय के मान और प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं। उन्होंने छात्रों को आगे बढ़ने, मेहनत करने और सामाजिक उत्थान में योगदान देने की प्रेरणा भी दी। सांसद का यह संदेश विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ, जिसमें शिक्षा, अनुशासन और प्रतिष्ठा के महत्व को प्रमुखता दी गई।

करंट लगने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मखदुमपुर (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में प्रशिद प्रसाद का 22 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार खेत में पशु के लिए चारा काटने गया था। इसी बीच अचानक बिजली के करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मखदुमपुर थाने की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा ने बताया कि फतेहपुर गांव से सूचना मिली थी कि एक युवक का बिजली के करंट लगने से उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि युवक खेत में चारा काटने गया था इसी बीच बिजली के तार के संपर्क में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई।

चुनाव से पूर्व गोह पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गोह पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। इसका उद्देश्य चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना है। इस दौरान पुलिस के जवानों ने गोह बाजार सहित विभिन्न जगहों पर पैदल मार्च किया। मतदाताओं से अपील की गई कि क्षेत्र में मतदान को लेकर किसी प्रकार की बहस न करें। वहीं, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि चुनावी माहौल को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की जा रही है। इसी के मद्देनजर आगामी चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखाने के लिए थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर मार्च निकला गया और शांति का संदेश दिया गया। वहीं मतदाताओं को सुरक्षा का अहसास करवाया गया।

40 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां पुलिस ने आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 40 लाख रुपए मूल्य के ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह जिले में ब्राउन शुगर के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों तस्करों को पकड़ा और न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इनके पास से 207.91 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान शाहबाज खान, मोहम्मद समौर उर्फ मोहम्मद आमान और रफीकुल इस्लाम के रूप में हुई है। इनके पास से मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगी है, बल्कि लोगों में कानून के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना भी बढ़ी है।

लिव-इन में रह रहे युवक ने की आत्महत्या

जमशेदपुर/नबिटा संवाददाता। मानगो स्थित टीचर्स कॉलोनी में रविवार को 26 वर्षीय अभिषेक कुमार शर्मा ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मानगो थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। मानगो थाना के एएसआई ने बताया कि अभिषेक पिछले कुछ महीनों से एक विवाहित महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। महिला शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे भी हैं। अभिषेक अपने परिवार से अलग होकर टीचर्स कॉलोनी में महिला के साथ किराए के मकान में रह रहा था। मृतक के परिजन आत्महत्या के पीछे महिला द्वारा प्रताड़ित करना कारण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला लगातार अभिषेक पर मानसिक दबाव बना रही थी जिससे तंग आकर उसने यह कदम उठाया। परिजन ने पुलिस से महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अभिषेक पिछले एक साल से महिला के साथ लिव-इन में था। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने कमरे से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं ताकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो पाएगी। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

एक शिक्षित राजनेता ही समाज व देश का कर सकता है बेहतर विकास : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शिक्षा सिर्फ सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यावहारिक होनी चाहिए। शिक्षा ऐसी ग्रहण करनी चाहिए जिससे कि विद्वेष की भावना को खत्म कर दूसरे के सुख-दुख के भागी बन सकें। ऐसा अपने मन में स्थापित करेंगे तो एकता की भावना खंडित नहीं होगी। उक्त बातें सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण कर राजनीति का रास्ता चुने। क्योंकि राजनीति में भी उच्च शिक्षा का होना बेहद ही जरूरी है। शिक्षित व्यक्ति ही राजनीति के माध्यम से समाज राज्य व देश को आगे ले जा सकता है। मंत्री किशोर ने सवाल उठाया कि आखिर विश्वविद्यालय किस तरह की शिक्षा दे रही है उसका लाभ पलामू प्रमंडल वीडियो को मिल रहा है अथवा नहीं। विद्युत विभाग की पढ़ाई हो रही अथवा नहीं कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई बंद है, आखिर क्यों। उन्होंने इंदर सिंह नामधारी के सतबरवा स्थित कॉलेज को मान्यता प्रदान करने को ले उठाए गए सवाल पर कुलाधिपति से आदेश लेकर नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ दिनेश सिंह को निर्देशित कर घोषणा करा दी कि इस सतबरवा कॉलेज को 15 नवंबर तक मान्यता दे दी जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत में मंच के नीचे वीआईपी गैलरी में बैठे झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी पर राधा कृष्ण किशोर की नजर पड़ी तो उन्होंने राज्यपाल को इसकी जानकारी दी। राज्यपाल ने मंत्री किशोर से कहा कि नामधारी जी को ससम्मान मंच पर बुलाकर बैठाया जाए।

बिहार विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा के साथ राजनीतिक कार्यकर्ता हुए सक्रिय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के चुनाव तिथियां के घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी रूप से लागू हो गई है। चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद जिले में जहानाबाद, घोसी और मखदुमपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव द्वितीय चरण में निर्धारित किया गया है। इसके लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है, तथा नाम वापसी की अंतिम तारीख 23 अक्टूबर निश्चित है। चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदान तिथियों के अनुसार जहानाबाद जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र में दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। वहीं 14 नवंबर को मतगणना की तिथि निर्धारित की गई है। चुनाव आयोग के अनुसार चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी की जानी है। चुनाव की तिथियों की घोषणा के बाद से राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ गई है। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थकों के साथ पार्टी के अधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं के पास अपना दावा प्रस्तुत कर रहे हैं। हालांकि अभी तक किसी भी बड़े राजनीतिक दल की ओर से प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में अभी तक सभी संभावित प्रत्याशियों के मार्ग चुनाव के लिए खुले हुए हैं। अगर संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की बात करें तो जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में 158716 पुरुष एवं 141856 महिला सहित कुल 300575 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। घोसी विधानसभा क्षेत्र में 258378 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तथा मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है वहां पर 246702 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिले में कुल 13 थर्ड जेंडर के मतदाता बताए जाते हैं। वहीं जिले का मतदाता सूची का लिंगानुपात औसतन 888 बताया गया है। पिछले दो चुनाव की बात की जाए तो वर्ष 2020 के विधानसभा निर्वाचन में सबसे अधिक 57.15% मतदान घोसी विधानसभा क्षेत्र में हुआ था, वहीं सबसे कम 52.98% मतदान जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में हुआ था। वर्ष 2024 के लोकसभा निर्वाचन में तीनों विधानसभा क्षेत्र को मिलाकर 56.03% मतदान दर्ज किया गया था।

आर्य समाज ने परिवारों को फिर से जोड़ने के लिए हर घर यज्ञ अभियान शुरू किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हाल के वर्षों में न्यायपालिका और सामाजिक संस्थाएं बार-बार इस बात पर चिंता जता चुकी हैं कि भारत में पारंपरिक संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन ने बुजुर्गों की देखभाल को एक बड़ी सामाजिक चुनौती बना दिया है। कई बुज़ुर्ग, खासकर विधवा महिलाएं, अपने जीवन का अंतिम चरण अकेलेपन, भावनात्मक उपेक्षा और आर्थिक असुरक्षा के साथ बिताने को मजबूर हैं। आर्य समाज ने परिवारों को फिर से जोड़ने के लिए कई नए प्रयास शुरू किए हैं, जिनमें हर घर यज्ञ अभियान एक उल्लेखनीय पहल है। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संवाद, सहानुभूति और साझा ज़िम्मेदारी को फिर से जीवित

करने की एक कोशिश है। अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के अध्यक्ष एस के आर्य ने कहा कि इस अभियान के तहत आर्य समाज कार्यकर्ता घर-घर जाकर यज्ञ करवा रहे हैं, जिससे एक आध्यात्मिक वातावरण बनता है और परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर संवाद करते हैं। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास सामंजस्य और आत्मीयता का वह माहौल तैयार करते हैं जिसकी आज बहुत ज़रूरत है। रिश्ते बचाइए जैसे अभियानों के जरिए आर्य समाज नुक्कड़ नाटक, विद्यालयी नाट्य क्लबऔर चर्चा मंचों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। यह सिर्फ आदर्शवादी बात नहीं है- यह जमीनी सच्चाई है कि जब परिवार एकजुट होते हैं, तो समाज स्थिर होता है। संगठन की अन्य पहलकदमियों में विवाद समाधान कार्यशालाएं, महिला सशक्तिकरण समूहऔर युवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ परिवारों को जोड़ना नहीं, बल्कि हर सदस्य को अपनी भूमिका समझाना और उसमें सक्रिय बनाना है।

1 लाख 43 हजार महिलाओं को 143 करोड़ की राशि का अन्तरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर कमलों द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना अंतर्गत 21 लाख महिला लाभुकों को रुपये 10,000/- प्रति लाभुक की दर से 2100 करोड़ की राशि का अन्तरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समाहरणालय स्थित ग्राम प्लेक्स सभागार भवन, जहानाबाद में आयोजित किया गया। इस योजना के तहत राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को रोजगार शुरु करने के लिये आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर रोजगार की तरफ उन्मुख करना है। राज्य सरकार की अभूतपूर्व पहल से हर समुदाय तथा हर वर्ग के परिवारों की महिलायें इस योजना का लाभ ले सकती हैं। अपनी पसंद का रोजगार शुरु करने के लिये प्रारंभिक राशि रुपये 10 हजार दी जा रही है। बाद में आकलन कर रूपये दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता का प्रावधान है।अपनी पसंद के रोजगार हेतु प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। लाभुकों को राज्य में सफ़लता पूर्वक कार्यरत 11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1 करोड़ 40 लाख से अधिक जीविका दीदियों की संगठनात्मक व्यवस्था का सहयोग मिलेगा। इस योजना के तहत समूह से वंचित परिवारों को स्वयं सहायता समूह में जोड़ने का कार्य भी साथ में किया जा रहा है। योजना का लक्ष्य महिलाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता पर केन्द्रित इस योजना के माध्यम से राज्य एवं देश के आर्थिक विकास को बल मिलेगा। जहानाबाद जिला अन्तर्गत अभी तक कुल 1 लाख 43 हजार से अधिक परिवारों को प्रति लाभुक 10,000/- रुपए की दर से 143 करोड़ रुपए राशि का अंतरण किया गया। अगली कड़ी में शेष परिवारों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी अलंकृता पांडे के द्वारा योजना से लाभान्वित सभी महिलाओ को बधाई दी गई है तथा स्वालंबन एवं आर्थिक विकास के राह पर उन्मुख होने की दिशा में बढ़ते रहने का आह्वान किया गया है। इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, डॉ प्रीति एवं जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण समेत एक सौ से अधिक जीविका दीदियाँ उपस्थित थे। जिला मुख्यालय समेत सभी 7 प्रखंड मुख्यालयों, 19 संकुल संघों तथा 960 से अधिक ग्राम संगठनों में इस कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण किया गया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एसजीडब्ल्यू.272-252-टी-62, दिनांक 03.10.2025, मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजना/मुख्यालय, पूर्व रेलवे, तीसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समतुल्य प्रकृति के कार्य का समुचित अनुभव तथा संतोषजनक न्यूनतम पात्रता के मानदंड रखने वाले अनुभवी एवं स्थापित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** डेपुटी सीएसटीई/डब्ल्यू/हावड़ा एवं डेपुटी सीएसटीई/डब्ल्यू/III/सियालदह के अधिकार क्षेत्र के अधीन परियोजना पर्यवेक्षण सेवाओं (पीएसएस) की नियुक्ति। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,90,35,981.76; **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** रु. 3,45,200; **कार्य पूरा करने की अवधि:** 24 (चौबीस) महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** निविदा खुलने की तारीख से 120 दिन। **निविदा दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम (बंद होने की) तारीख एवं समय:** 05.11.2025 को 15.00 बजे तक। **खुलने की तारीख एवं समय:** 05.11.2025 को 15.30 बजे। **वेबसाइट का पता, निविदा दस्तावेज उपलब्ध होने का समय तथा तारीख:** भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 03.10.2025 से। **वेबसाइट जहां निविदा बोली जमा की जा सकती है:** 1. बोलियां सिर्फ ऑनलाइन जमा की जानी चाहिए। 2. ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए निविदादाताओं को भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) साइट यानी **www.ireps.gov.in** पर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। आवश्यक परिवर्तन, संशोधनी/संयोजनी, आवश्यकता पड़ने पर, सिर्फ इस वेबसाइट पर जारी की जाएगी। 3. बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। 4. इस निविदा के लिए मैनुअल बोली/प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। 5. रेलवे बोर्ड पत्रांक 2017/ट्रांस/01/पॉलिसी/पीटी-एस दिनांक 28.03.2018 के अनुसार कार्य अनुबंध (रु. 50.00 करोड़ अथवा अधिक) के लिए इलेक्ट्रॉनिक रिवर्स ऑक्शन (ई-आरए) लागू है।

(CON-44/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना जरूरी : बाबूलाल मरांडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। स्वदेशी अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए बीजेपी ने वृहत कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विधानसभा स्तर पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी अभियान के तहत, प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य घर-घर स्वदेशी के संदेश के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है और जब हर घर स्वदेशी बनेगा, तभी विकसित भारत का सपना पूरा होगा। कार्यशाला में पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प शपथ के जरिए लिया है। कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व सीएम चंपाई सोरेन और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता उपस्थित रहे।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना जरूरी: बाबूलाल मरांडी

राज्य स्तरीय कार्यशाला के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष सह बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, जिसे पूरा करने के लिए स्वदेशी अपनाना आवश्यक है। स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प पूरा होगा। कई क्षेत्रों में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा है लेकिन अभी भी हम बहुत सारी चीजों के लिए दूसरे देश पर आश्रित हैं, यदि अपने घरेलू सामान को खरीदें और उनका उपयोग करें तो यह देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

हर विधानसभा में जागरूकता फैलाएगी बीजेपी

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि ऐसा नहीं है कि पहली बार इसकी शुरुआत हुई है बल्कि आजादी से पहले भी स्वदेशी पर जोर देने के लिए कई कार्यक्रम किए जाते रहे हैं। एक समय था जब स्वदेशी वस्तुओं के कारण भारत को सोने की चिड़ियां कहा जाता था और हमारी घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत थी लेकिन बाद के सालों में धीरे धीरे, दूसरे देशों के सामानों पर आत्मनिर्भरता बढ़ती चली गई। इस अभियान के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी कार्यकर्ता और नेता स्वदेशी को लेकर जागरूकता फैलाने का काम करेंगे।

झारखंड पात्रता परीक्षा के लिए एप्लीकेशन डेट एक्सटेंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। झारखंड एलिजिबिलिटी टेस्ट (जेपीएससी जेइटी 2025) के लिए अब तक किसी कारणवश आवेदन न कर पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से जेपीएससी जेईटी एग्जाम के लिए आवेदन की लास्ट डेट को 30 अक्टूबर तक एक्सटेंड कर दिया गया है। ऐसे में अभ्यर्थी अब तय तिथियों के अंतर्गत ऑफिशियल वेबसाइट jpsc.gov.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। आवेदन पत्र भरने के बाद अभ्यर्थी एप्लीकेशन फीस 31 अक्टूबर तक जमा कर पाएंगे। अगर किसी भी अभ्यर्थी से फॉर्म भरने में गलती हो जाती है तो वे 1 नवंबर से लेकर 3 नवंबर सायं 5 बजे तक उसमें संशोधन कर सकेंगे।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 06-10-2025 21:47 Page 1

समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिया समावेशी शिक्षा पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने शिक्षा विभाग अंतर्गत सभी एजेंडा की बिंदुवार समीक्षा करते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं समावेशिता पर बल दिया। इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, समावेशी एवं परिणामोन्मुख बनाने पर बल दिया। उन्होंने शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा प्राप्त राशि के पारदर्शी एवं यथोचित उपयोग, विद्यालयों में सुव्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, पुस्तकालय, तथा शैक्षणिक वातावरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

आगे उपायुक्त ने सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करें तथा शैक्षणिक गतिविधियों एवं संसाधनों की स्थिति की समीक्षा कर, आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई हेतु जिला मुख्यालय को सूचित करें। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार व जिला प्रशासन द्वारा उचित प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समावेशी वातावरण मिल सकें। बैठक में समग्र शिक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, ई- विद्यावाहिनी में शिक्षकों की उपस्थिति, पोशाक, छात्रवृति, पोषण वाटिका, विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण, विद्यालय में खाद्यान्न की प्रत्येक माह की ससमय उपलब्धता, पोषण वाटिका (किचन गार्डेन) की स्थापना, विद्यालयों में कार्यरत रसोईया समेत जिला स्तर पर शिक्षा विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निर्देशित किया गया कि जिले में बच्चों की शिक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक मिड डे मील देने को प्राथमिकता बताते हुए इस पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पूर्व की बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार की ओर से विद्यालय स्तर पर चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ छात्र-छात्राओं को मिले। इसके लिए शिक्षा विभाग के सभी कर्मी सजगता के साथ काम करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त ने पोशाक एवं छात्रवृति योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित करते हुए कहा कि पोशाक एवं छात्रवृति योजना से छात्रों को ससमय लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति के बारे जानकारी लिया। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति के साथ-साथ शिक्षकों की उपस्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जरूरत है। उन्होंने सभी प्रखंडों में ई-विद्या वाहिनी से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की बात कही। उपायुक्त ने एमआईसी कोऑर्डिनेटर को सभी तरह का डाटा शत प्रतिशत सही प्रविष्टि करने का निर्देश दिया। वहीं कार्य में तेजी लाते हुए सुधारात्मक प्रगति का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बच्चों का नामांकन, उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने संबंधित जानकारी लेते हुए सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालयों का निरंतर भ्रमण कर विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति शौचालय एवं पेयजल समेत विभिन्न बिंदुओं का जायजा लेते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें।

जहरीला बिस्कुट खाने से एक बच्चे की मौत, दो गंभीर

तीनों एक ही परिवार के थे बच्चे, इलाके में फैली सनसनी

पुलिस कर रही मामले की छानबीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर थाना क्षेत्र के बल्लीपुर पंचायत के नौआ पोखर गांव में सोमवार को एक दर्दनाक घटना घटित हुई, जहाँ एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की हालत जहरीला बिस्किट खाने से बिगड़ गई। इनमें से एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

परिजनों के अनुसार, तीनों बच्चे घर के पास खेल रहे थे, तभी खेत में नीचे गिरा बिस्किट उठाकर खा लिया। बिस्किट खाने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। बच्चों को तुरंत स्थानीय निजी डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चों की स्थिति अभी भी नाजुक बताई जा रही है।

इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है घटना की सूचना ग्रामीणों ने तुरंत शिवाजीनगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुँचा और जांच शुरू कर दी। इस बीच, आक्रोशित ग्रामीणों ने दो व्यक्तियों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है

लंपी वायरस से पशुपालकों में हाहाकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। प्रखंड में लंपी वायरस ने हाहाकार मचा रखा है। इस घातक बीमारी ने सैकड़ों मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया है, जिसमें कई की मौत हो चुकी है और कई गंभीर रूप से बीमार हैं। यह स्थिति उन पशुपालक परिवारों के लिए भारी संकट बनकर सामने आई है, जिनकी आजीविका पूरी तरह मवेशियों पर निर्भर है। ग्रामीणों में आक्रोश है कि इतने गंभीर हालात के बावजूद स्थानीय पशुपालन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पशुपालन विभाग सिर्फ कागजों पर टीकाकरण दिखा रहा है, जबकि वास्तव में एक भी पंचायत में टीकाकरण नहीं हुआ। मवेशियों की लगातार हो रही मौतों ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय अधिकारी इस संकट के प्रति पूरी तरह उदासीन हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) लोकेंद्र यादव ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पंचायतवार टीकाकरण की सूची मांगी थी, लेकिन भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी अब तक सूची उपलब्ध नहीं करा पाए।

बीडीओ ने इसे गड़बड़ी का संकेत बताते हुए कहा कि समय सीमा बीतने के बाद भी सूची न देना गंभीर लापरवाही को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि इस मामले की पूरी जानकारी जिला पदाधिकारी को भेजी जाएगी, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन ने जल्द ही कठोर कदम नहीं उठाए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। मवेशियों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा, जिससे पशुपालकों की आजीविका खतरे में पड़ गई है।ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल टीकाकरण और इलाज की व्यवस्था की जाए, ताकि इस संकट से निजात मिल सके।

तीन दिवसीय समावेशी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित ब्लॉक रिसोर्स सेंटर शिवाजीनगर में तीन दिवसीय गैर आवासीय समावेशी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामजन्म सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर बीईओ श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि समावेशी शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है, जिसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग के बच्चे को समान अवसर प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को उसकी शारीरिक, मानसिक या सामाजिक स्थिति के कारण शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण में सीखी गई बातों को अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करें ताकि विशेष जरूरत वाले

बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ा जा सके।प्रशिक्षण में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के 40 शिक्षकों ने भाग लिया।

इन शिक्षकों को समावेशी शिक्षा से संबंधित नीति, दृष्टिकोण, व्यवहारिक क्रियान्वयन एवं शैक्षणिक संसाधनों के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को समावेशी नोडल शिक्षक के रूप में तैयार किया जा रहा है, ताकि वे अपने-अपने विद्यालयों में दिव्यांग और विशेष जरूरत वाले बच्चों को सहयोग एवं मार्गदर्शन दे सकें ।मौके पर प्रशिक्षक महेंद्र कुमार मौर्य, अमित रौशन, पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह, दिनेश प्रसाद सिंह, गणेश यादव, मृत्युंजय कुमार सिंह, राजकुमार मुखिया लेखपाल दिनेश कुमार ठाकुर, डाटा एंट्री ऑपरेटर अभिषेक कुमार झा, उपस्थित थे।

जीतन राम मांझी को अभी भी 15 सीटों की उम्मीद

पार्टी वेट एण्ड वाच की स्थिति में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई मगर लड़ने वाले उम्मीदवार अब भी नेपथ्य में हैं। सीटों को लेकर भी दोनों गठबंधनों का चेहरा स्पष्ट नहीं हो सका है। जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) अब भी एनडीए में कम से कम 15 सीटें पाने की आस लगाए हुए हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, अधिकतम दो दिनों में इस रहस्य से पर्दा उठ जाएगा। फिलहाल पार्टी नेतृत्व ने संभावित उम्मीदवारों को वेट एंड वाच मोड में रहने को कहा है। दो दिनों के बाद पार्टी के नेता-कार्यकर्ता चुनावी मैदान में अपनी ताकत दिखाएंगे।

दरअसल, इस विधानसभा चुनाव में मांझी का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य अपनी पार्टी हम को राज्यस्तरीय दल का दर्जा दिलाना है। इसके लिए कम से कम सात-आठ विधायक चाहिए। अभी हम को एनडीए में अधिकतम आठ से दस सीटें मिलने की उम्मीद दिख रही है।

ऐसे में मांझी पूरा दबाव बना रहे कि उन्हें कम से कम इतनी संख्या और क्वालिटी वाली सीटें मिली ताकि कम से कम उनके सात से आठ विधायक जीत सके। इससे उनकी पार्टी को स्थायी चुनाव चिह्न समेत कई तरह की सहूलियतें मिलेंगी। राज्यस्तरीय दल न होने के कारण ही अभी हाल में निर्वाचन आयोग की बैठक में भी हम को न्योता नहीं मिला था।

केंद्रीय मंत्री एवं हम के संस्थापक जीतन राम मांझी ने चुनाव तिथि की घोषणा के साथ ही एक्स पर पोस्ट कर एनडीए की एकजुटता का संदेश दिया। मांझी ने लिखा- एनडीए संग

हम तैयार हैं। इसमें उन्होंने हम के अलावा एनडीए के चारों प्रमुख दलों के नेताओं नरेन्द्र मोदी, नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाहा और चिराग पासवान को भी टैग किया है।

वहीं, हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने विधानसभा चुनाव की घोषणा पर कहा कि एनडीए पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस बार बिहार की जनता एनडीए को 200 से अधिक सीटों पर जीत दिलाएगी। जनता इस बार भी विकास की राजनीति को चुनेगी, जंगलराज वालों को एक बार फिर सबक सिखाएगी।

जिले के 20.80 लाख मतदाता 6 नवम्बर को चुनेंगे अपना विधायक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भारत निर्वाचन आयोग ने भोजपुर जिले के सभी सातों विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में मतदान कराने का आदेश जारी किया है। जिले में अब 10 अक्टूबर शुक्रवार से अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा 17 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 18 अक्टूबर तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर रखी गई है। इसके बाद मतदान की तिथि छह नवंबर और मतगणना 14 नवंबर को निर्धारित की गई है।भोजपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 20,86,025 है। जिसमें से 11,09,088 पुरुष मतदाता, 976908 महिला मतदाता और थर्ड जेंडर के 29 मतदाता शामिल हैं। इसके साथ जिले में सेवा मतदाताओं की संख्या 17,292 और 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 10,888 है। सोमवार की शाम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम तनय सुल्तानिया ने जिले में प्रथम चरण के दौरान होने वाले मतदान कार्यक्रम के साथ-साथ मतदाताओं के संबंध में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूरी जानकारी दी। इस

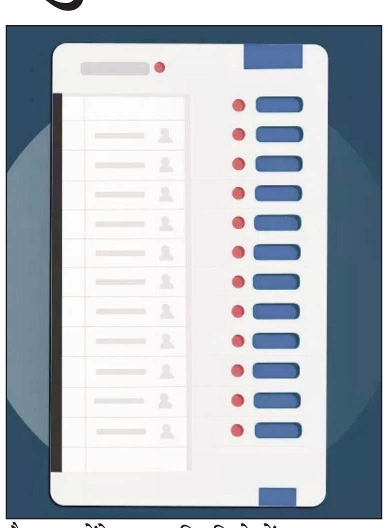

दौरान उन्होंने बताया कि जिले में कुल 2551 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूरे जिले को 277 सेक्टर में बांटते हुए एसएसटी की 28, एफएसटी की 23 समेत सैकडों मजिस्ट्रेट को तैनात किया गया है।चुनाव की घोषणा होने के साथ आदर्श आचार संहिता लागू होने की जानकारी देते हुए डीएम ने सरकारी स्थान पर लगे पोस्टर बैनर को 24 घंटे में, पब्लिक स्थान पर लगे बैनर पोस्टर को 48 घंटे में तथा निजी स्थान पर लगे बैनर पोस्टर को 72 घंटे के अंदर हटाने की चेतावनी दी गई। ऐसा नहीं करने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में अर्ध सैनिक बल और सुरक्षा बलों को तैनात किया जाएगा। इस बार के चुनाव में सभी मतदान केन्द्रों से सीधे लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था किए जाने की उन्होंने जानकारी दी। मौके पर बोलते हुए एसपी राज ने बताया कि जिले में अब तक 14 कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बल की आ चुकी है, और भी कंपनी जल्द ही आने वाली है। सभी को सुरक्षित और चिह्नित स्थानों पर ठहराने के साथ रोजाना फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया गया है। आचार संहिता लगते ही जिले की सभी सीमाओं को सील करने के साथ गंगा और सोन नदी में नाव से भी पेट्रोलिंग कराई जाएगी। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी दिवाकर दास, डीआरडीए के डायरेक्टर सुनील कुमार पांडेय, प्रभारी जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक गौतम समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मेट्रो सुविधा उपलब्ध होने से लोगों में हर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटनावासियों के लिए आज बड़ा दिन है। कई साल का इंतजार खत्म हो गया रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ कर दिया। पाटलिपुत्र बस टर्मिनल डिपो के पास बने मेट्रो स्टेशन से वह भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ किया। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरुनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध

पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग पहले ही प्रायरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशनों पर मेट्रो के परिचालन को हरी झंडी दे चुके थे

पटना मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त ने सिग्नलिंग सिस्टम, पटरियों की मजबूती, ट्रेन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की है। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद मेट्रो को परिचालन के लिए मंजूरी दी गई। शुरूआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये होगा। वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपये निर्धारित किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये होगा। पहले चरण में आइएसबीटी मेट्रो स्टेशन से भूतनाथ रोड तक मेट्रो चलेगी। फिलहाल इसका परिचालन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी।

मेट्रो कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा भी होगी। प्रत्येक कोच में सभी दरवाजों के पास एक लाल रंग का पैनिक बटन दिया गया है। कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड पर अगले स्टेशन की जानकारी और घोषणाएं लगातार चलती रहेंगी। वहीं यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मेट्रो कोच में 360-डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आपात स्थिति के लिए दो इमरजेंसी बटन और माइक्रोफोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आपात स्थिति में बटन दबाने पर यात्री सीधे मेट्रो रेल के ड्राइवर से बात कर सकेंगे और सीसीटीवी फुटेज भी कंट्रोल रूम में भेजी जाएगी। प्रत्येक कोच में कुल 138 सीटें हैं और उसमें 945 यात्री खड़े होकर यात्रा कर सकते है। पटना मेट्रो की सुरक्षा बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) के जवान संभालेंगे। बीएसएपी के जवान मेट्रो पर चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। प्रवेश द्वार से लेकर प्लेटफार्म तक इनकी तैनाती होगी।

चुनाव का ऐलान होते ही आचार संहिता लागू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों का एलान कर दिया है। 6 और 11 नवंबर को मतदान और 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। जब से बिहार में एसआईआर का एलान हुआ था, उसके बाद से ही चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर था। 30 सितंबर 2025 को आयोग के द्वारा एसआईआर की अंतिम सूची जारी की। इसमें बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत हैं। अब जब बिहार में चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है तो इसी के साथ वहां आचार सहिंता भी लागू हो गई है। आदर्श आचार संहिता राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों के मार्गदर्शन के लिए निर्धारित किए गए मानकों का एक ऐसा समूह है जिसे राजनैतिक दलों की सहमति से तैयार किया गया है। आदर्श आचार संहिता में चुनाव आयोग की भूमिका अहम होती है। संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन संसद और राज्य विधानमंडलों के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों का आयोजन चुनाव आयोग का सांविधिक कर्तव्य है।आयोग द्वारा चुनाव तारीखों की घोषणा की तारीख से इसे लागू किया जाता है और यह चुनाव प्रक्रिया के पूर्ण होने तक लागू रहती है। चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता पूरे देश में जबकि विधानसभा चुनावों के दौरान पूरे राज्य में लागू होती है। इसकी मुख्य विशेषताएं निर्धारित करती हैं कि राजनीतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और सत्ताधारी दलों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान कैसा व्यवहार करना चाहिए। चुनाव प्रक्रिया, बैठकें आयोजित करने, शोभा यात्राओं, मतदान दिन की गतिविधियों और सत्ताधारी दल के कामकाज भी संहिता से निर्धारित होते हैं। मंत्री अपने दौरे को चुनाव प्रचार संबंधी कार्यों के साथ नहीं मिलाएंगे और न ही चुनाव प्रचार संबंधी कार्यों के दौरान सरकारी तंत्र या कार्मिकों का प्रयोग करेंगे।

आम आदमी पार्टी ने जारी की सूची

पटना। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 11 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने किशनगंज विधानसभा क्षेत्र से अशरफ आलम को अपना उम्मीदवार बनाया है। सूची में बेगूसराय से डॉ. मीरा सिंह, कुशेश्वर (दरभंगा) से योगी चौपाल, तरैया (सारण) से अमित कुमार सिंह और कस्बा (पूर्णिया) से भानु भारतीय के नाम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बेनीपट्टी (मधुबनी) से शुभदा यादव, फुलवारी (पटना) से अरुण कुमार रजक और बांकीपुर (पटना) से डॉ. पंकज कुमार को टिकट दिया गया है। परिहार (सीतामढ़ी) से अखिलेश नारायण ठाकुर, गोविंदगंज (मोतिहारी) से अशोक कुमार सिंह और बक्सर से पूर्व कैप्टन धर्मराज सिंह भी इस सूची में शामिल हैं। यह सूची पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राष्ट्रीय संयोजक के कार्यालयों द्वारा जारी की गई है।

कांग्रेस ने की 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान की औपचारिक शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की औपचारिक शुरूआत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, झारखंड के सह प्रभारी बेला प्रसाद और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर की उपस्थिति में की गई। सर्वप्रथम स्थानीय परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी प्रखंड अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की एक बैठक हुई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष और सह प्रभारी ने संगठन सृजन की अद्यतन जानकारी ली और अधूरे कार्यों के लिए समय सीमा तय की गई तत्पश्चात हस्ताक्षर अभियान के लिए एक लक्ष्य सभी पंचायत अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष को दिया गया। इसके साथ-साथ सभी मोर्चा संगठन को भी हस्ताक्षर अभियान जोर-जोर से

चलाने का निर्देश दिया गया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सह प्रभारी बेला प्रसाद ने कहा कि जिस तरह हमारे नेता राहुल गांधी ने तमाम तथ्यों और सबूत के साथ वोट चोरी उजागर की है अब जरूरत है की इन तथ्यों को हम जन-जन तक पहुंचाएं ताकि लोकतंत्र की रक्षा की जा सके। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा की लगातार इस सरकार द्वारा लोकतंत्र की हत्या विभिन्न माध्यमों से करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें चुनाव आयोग भी सरकार की कठपुतली बन गयी है और लगातार अनैतिक तरीकों से वोट चोरी की जा रही है इसे रोकना और देश बचाना जरूरी है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने कहा कि आज कांग्रेस कार्यकताओं पर बड़ी जिम्मेवारी है कि हम वोट चोरी को रोक इस देश की जनता को जागरूक करें ताकि उनकी वोटो की चोरी रोकी जा सके। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा कि आज जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाने का काम और संस्थाओं को अपनी उंगली पर नचाने का काम भाजपा सरकार कर रही है यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत ही खतरनाक है। उन्होंने कहा कि आज हमारे नेता सवाल चुनाव आयोग से करते हैं, जवाब भारतीय जनता पार्टी के लोग देने लगते हैं। इससे साफ पता चलता है की दाल में कुछ काला है। हमारा कहना है कि यहां तो पूरी दाल ही काली है।

परिसदन में बैठक करने के बाद बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी की उपस्थिति में जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक विश्वकर्मा नरेश वर्मा, यश सिन्हा, नदीम अख्तर, ऋषिकेश मिश्रा, निजाम अंसारी, मनोज राय, बिमल सिंह, गौतम सिंह, मोहम्मद निजाम, अहमद राजा नूरी, जुनेद आलम, मोहम्मद सद्दाम, निरंजन तिवारी, मोहम्मद निजाम अंसारी, धनंजय गोस्वामी, नागेश्वर मंडल, अशोक निराला, अभिनंदन सिंह, बिलाल अहमद हुसैनी, सुजीत मंडल, विनीत भास्कर, इम्तियाज अंसारी, रणधीर चौधरी, साबिर खान, लड्डू खान, समीर चौधरी , सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष धनंजय सिंह ने की।

चुनाव आयोग की बिहार विधानसभा चुनाव की घोषित तिथियों का भाजपा ने किया स्वागत

एनडीए गठबंधन चुनाव के लिए पूरी तरह एकजुट : डॉ. दिलीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। चुनाव आयोग ने आज बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए तिथियों की घोषणा कर दी। इस घोषणा को लेकर बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ चुनाव आयोग द्वारा घोषित तिथियों का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि बिहार की जागरूक जनता हमेशा लोकतंत्र के इस महापर्व में पूरे उत्साह के साथ भाग लेती रही है। चुनाव आयोग ने दो चरणों में चुनाव कराने का निर्णय लिया है। पहला चरण 6 नवम्बर को और दूसरा चरण 11 नवम्बर को होगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 14 नवम्बर को फिर से बिहार की जनता एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने का निर्णय देगी। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने विश्वास जताते हुए कहा इस बार भी जनता लोकतंत्र को मजबूत करने और एनडीए के विकास की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए भारी संख्या में मतदान करेगी। एनडीए गठबंधन इस चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार और एकजुट है। उन्होंने कहा कि जनता ने बार-बार एनडीए पर विश्वास जताया है और इस बार यह विश्वास और भी प्रचंड रूप से सामने आने वाला है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने बिहार को जंगलराज के अंधकार से निकालकर विकास की नई रोशनी में लाया है। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग सहित हर क्षेत्र में हमने नए मानक स्थापित किए हैं। भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन प्रचंड बहुमत से 14 नवम्बर को यह चुनाव जीतने जा रही है। बिहार के युवा, महिलाएं, किसान, गरीब, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़े और अति पिछड़े - सभी वर्ग इस बार एनडीए के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। एनडीए की जीत को लेकर विश्वास जताते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस बार की जीत केवल जीत नहीं, बल्कि अब तक की सबसे ऐतिहासिक जीत होगी, जो आने वाले वर्षों में बिहार के स्वर्णिम भविष्य की गारंटी बनेगी। 14 नवम्बर को सिर्फ परिणाम घोषित नहीं होंगे, बल्कि बिहार की जनता फिर से एनडीए की सरकार बनाने का ऐतिहासिक निर्णय देने जा रही है। उन्होंने कहा बिहार की जनता का फैसला विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर बिहार की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

होल्डिंग टैक्स में वृद्धि के प्रोत्साहन हेतु वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने बताया कि बिहार सरकार, नगर विकास एवं आवास विभाग का अधिसूचना ज्ञापांक 3056 04.10.25 के आलोक में बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा 127(12), धारा 419 की उप धारा (1) एवं बिहार नगरपालिका संपति कर (निर्धारण, संग्रहण और वसूली) नियमावली, 2013 में निहित प्रावधान के आलोक में होल्डिंग टैक्स में वृद्धि के प्रोत्साहन हेतु वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू किया गया है। यह सुविधा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध होगी। यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। इस योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति एक मुश्त में अपने बकाए होल्डिंग की राशि को जमा करना चाहता है तो उन्हें इंटरेस्ट एवं पेनल्टी से छूट मिलेगी। यह योजना 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। उपरोक्त योजना का लाभ लोगों तक पहुंच सके, इसलिए प्रत्येक वार्डो में स्पेशल टीम में माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार कैंप भी लगाया जाएगा। बताया गया कि यह योजना लोगों के लिए लाभकारी होगी क्योंकि ओटीएस ऑप्ट करने से आपको हर तरह की पेनल्टी से माफी मिल जाएगी।

भाजपा-जदयू राज के अंत की शुरूआत : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आज जैसे ही चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा की, वैसे ही यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा-जेडीयू के कुशासन का अंत शुरू हो चुका है।

पिछले 20 वर्षों से बिहार ने जिस अंधकार, भय और भ्रष्टाचार का बोझ झेला – अब उसके खिलाफ जनता की मुहर लगने वाली है। अब शुरूआत होगी जवाबदेही की, और अंत होगा भ्रष्टाचार और घोटालों का जिसने बिहार की रीढ़ तोड़ दी। कैग रिपोर्ट 2024 ने उजागर किया कि 70,877 करोड़ की राशि का कोई हिसाब नहीं –49,649 योजनाएं बिना उपयोग प्रमाणपत्र के पड़ी रहीं। पिछले पांच वर्षों में भाजपा-जेडीयू सरकार ने 3.59 लाख करोड़ बजट खर्च ही नहीं किया। बच्चों की शिक्षा, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण, कृषि, शहरी विकास – सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े। बिहार को लूट का एटीएम बना दिया गया जहां गरीबों के हक का पैसा अफसरों और माफि याओं के खातों में गया।

सामाजिक न्याय की लड़ाई कांग्रेस लड़ेगी

कांग्रेस ने 2011 में जातिगत जनगणना कराई, लेकिन मोदी सरकार ने उसकी रिपोर्ट दबाई। बिहार की जातिगत सर्वे रिपोर्ट ने बताया –अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों की आर्थिक स्थिति बदतर है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का संकल्प है –'गिनती भी होगी, गिनती में हिस्सेदारी भी होगी।'

सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और शिक्षा-स्वास्थ्य पर अधिकार कांग्रेस सुनिश्चित करेगी।

आज चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही बिहार में जवाबदेही की सुबह शुरू हो गई है। 20 वर्षों से भाजपा-जेडीयू ने बिहार की जनता को अपराध, गरीबी और पलायन का दंश दिया।

जो गठबंधन कुर्मी समाज को चुनाव लड़ाएगी पटेल परिवार उसका समर्थन करेगा : अरुण कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कुर्मी विकास परिषद, बिहार एवं पटेल परिवार द्वारा कंकरबाग स्थित वेल फूड रेस्टोरेंट में 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर एक प्रेस वार्ता की गई। प्रेस वार्ता को छत्रपति शिवाजी फाउंडेशन, बिहार के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा, अखिल भारतीय धानुक महासंघ, बिहार के अध्यक्ष शंकर प्रसाद, अखिल भारतीय कुर्मी महासभा, बिहार के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद सिंह, कुर्मी विकास परिषद्, बिहार के महासचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, कुर्मी फाउंडेशन, बिहार के महासचिव राजीव पटेल, पटेल सेवा संघ, बिहार के पूर्व महासचिव ई. सुनील कुमार सिन्हा एवं सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र पटेल ने संबोधित किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए छत्रपति शिवाजी फाउंडेशन, बिहार के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारी आबादी भारत के कुल आबादी का 24 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद कुर्मी समाज राजनितिक उपेक्षा का शिकार है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की जाति आधारित जनगणना के अनुसार कुर्मी समाज की आबादी 40 लाख से अधिक है फिर भी हमें हमारा राजनितिक हक नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 विधानसभा चुनाव में जो भी गठबंधन कुर्मी समाज को चुनाव लड़ाएगी पटेल परिवार एवं उसके अंतर्गत जितने भी कुर्मी संघ है सभी उसका समर्थन करेगा। वहीं अपने संबोधन में अखिल भारतीय धानुक महासंघ, बिहार के अध्यक्ष शंकर प्रसाद ने कहा कि पटेल परिवार का पटना जिला में 8-10 लाख आबादी होने के बावजूद भी कोई भी गठबंधन एक भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ाता है। पटना जिला में कुल 14 विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें 8 विधानसभा क्षेत्र में कुर्मी समाज के निर्णायक वोटर हैं। इसीलिए राजनितिक दलों से हमारी मांग है कि इन आठ विधानसभा और खासकर कुम्हरार विधानसभा में कुर्मी समाज के प्रत्याशी को टिकट देने का काम करे। कुर्मी विकास परिषद्, बिहार के महासचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि अगर राजनीतिक दलों ने कुर्मी समाज के लोगों को इस विधानसभा चुनाव में पटना जिला से प्रत्याशी नहीं बनाया तो हमलोग एकजुट होकर आगे की रणनीति तैयार करेंगे। कुर्मी फाउंडेशन, बिहार के महासचिव राजीव पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. लोहिया कहा करते थे कि भारत में कुर्मी समाज जिस दिन एकजुट हो जाएगा और अपनी ताकत पहचान जाएगा तो सदियों तक भारत की सत्ता कुर्मियों - पटेलों के पास ही रहेगी। पटेल सेवा संघ, बिहार के पूर्व महासचिव ई. सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि कुछ समय पहले बिहार में पटेल पटेल से 38 - 40 विधायक हुआ करते थे जो कालांतर में मात्र 8 विधायक पर ही पूरा समाज सिमट गया है। सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र पटेल ने सभी कुर्मी समाज से एकजुट होकर अपनी शक्ति प्रदर्शन करने का आवाहन किया।

रेलवे आपदा प्रतिक्रिया और 'गोल्डन आवर' तत्परता को सशक्त करने हेतु समझौता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। नई दिल्ली स्थित रेल भवन के रेलवे बोर्ड के पंचवटी कॉन्फ्रेंस कक्ष में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आरपीएफ की ओर से बी. वी. राव, महानिरीक्षक (प्रशिक्षण); एनडीआरएफ की ओर से नरेंद्र सिंह बुंदेला, महानिरीक्षक तथा आइआरआइडीएम की ओर से निदेशक श्री श्रीनिवास द्वारा किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक) आर. राजगोपाल, महानिदेशक (मानव संसाधन) अरुणा नायर, महानिदेशक पीयूष आनंद, महानिदेशक सोनाली मिश्रा और एनडीआरएफ यू आरपीएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह साझेदारी रेलवे दुर्घटनाओं के दौरान एकीकृत राहत अभियानों और क्षमता निर्माण के लिए स्पष्ट संस्थागत ढांचा स्थापित करती है जिसमें 'गोल्डन आवर' यानी दुर्घटना के बाद का महत्वपूर्ण पहला घंटा जब जीवन बचाने के अवसर सर्वाधिक होते हैं पर विशेष बल दिया गया है। आरपीएफ की महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने कहा कि सभी हितधारकों के बीच प्रभावी सहयोग और समन्वय आवश्यक है तथा इस संदर्भ में मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार की जानी चाहिए। अपने संबोधन में रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक) आर. राजगोपाल ने कहा कि मानवजनित आपदाओं के साथ-साथ चक्रवात, भारी वर्षा और हीटवेव जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जेआर आरपीएफ अकादमी और आइआरआइडीएम की क्षमता निर्माण से जुड़ी पहलों की सराहना की, विशेषकर 'गोल्डन आवर' पर केंद्रित बचाव व राहत कार्यों के लिए। एनडीआरएफ के महानिदेशक पीयूष आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा प्रबंधन में शामिल सभी एजेंसियों को एक टीम के रूप में कार्य करना चाहिए। रेलवे की अन्य एजेंसियों को भी क्षमता निर्माण के प्रयासों में शामिल किया जाना चाहिए।

दो चरण में चुनाव कराने का आयोग का निर्णय स्वागतयोग्य : मंगल पाण्डेय

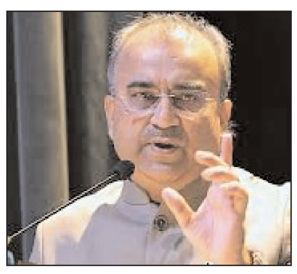

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने चुनाव आयोग द्वारा दो चरणों में बिहार विधान सभा चुनाव कराने के निर्णय का स्वागत किया है। श्री पाण्डेय ने कहा है कि यह सुशासन और कानून के राज वाला बिहार है। इसलिए चुनाव आयोग ने दो चरणों में मतदान कराने का निर्णय लिया है। चुनाव आयोग के इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि यह 2005 के पहले वाला नहीं बल्कि बदला हुआ बिहार है।

कौमुदी महोत्सव में नीतू नवगीत ने की अपील- जरूर करें मतदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कौमुदी महोत्सव में बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और पटना जिला मतदाता जागरूकता अभियान की ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने मतदाताओं से मतदान प्रक्रिया में जरूर से जरूर भाग लेने की अपील करते हुए अनेक लोकगीत प्रस्तुत किये। मतदाता जागरूकता अभियान के गीत, मिली जुली करा मतदनवां हो रामा वोटवा के दिनवा, करे मतदान चला बूढ़ा जवान भटके न नजरिया जैसे गीतों के माध्यम से उन्होंने श्रोताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान कर-के लोकतंत्र को सफल बनाएं । उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदान से ही है। सजग मतदाता राष्ट्र और प्रदेश का भाग्य विधाता होता है। कार्यक्रम में उन्होंने कई पारंपरिक लोकगीत भी गए जिनमें पटना से बैदा बुलायी द, नजरा गाईनीं गुइयां प्रमुख रहा। लीजेंडरी लोक गायिका शारदा सिन्हा को स्वरांजलि देते हुए नीतू नवगीत ने कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया, पग पग लिए जाऊं तोहरी बलाइयां गीत गाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजेश केसरी ने मतदाता जागरूकता गीत के समय नीतू नवगीत के साथ संगत किया। संजय मिश्रा कैशियो पर, अभिषेक कुमार पैड पर और अमरनाथ जी ने ढोलक पर संगत किए ।

सोनालीका ने कुल 20,786 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ देश भर के किसानों का एक बार फिर त्योहारों में उत्साह बढ़ाया है और कंपनी ने सितंबर 2025 में 20,786 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। यह उल्लेखनीय प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग और सोनालीका की प्रतिबद्धता से प्रेरित है जो भारतीय किसानों के लिए उत्पादकता बढ़ाने हेतु अनुकूलित ट्रैक्टर निर्माण करता है। त्योहारों की शुरूआत के साथ सोनालीका ने अगस्त 2025 से ही अपने सबसे बड़े वार्षिक ऑफर 'हैवी ड्यूटी धमाका' पेश कर दिया है जिससे किसानों को सर्वोत्तम तकनीक और उत्तम मूल्य पर ट्रैक्टर उपलब्ध कराने में मदद मिली है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में ट्रैक्टरों पर जीएसटी में 12 प्रतिशत से कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया है जिसने किसानों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है और देशभर में हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों को और भी किफायती और सुलभ बनाया है। दुनिया के नंबर 1 एकीकृत ट्रैक्टर प्लांट द्वारा समर्थित, सोनालीका पूरे देश में बेहतर गुणवत्ता वाले ट्रैक्टरों और समय पर डिलीवरी की गारंटी देता है। अपने खास बाजार दृष्टिकोण और मजबूत ट्रैक्टर श्रृंखला द्वारा किसानों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सोनालीका पूरे देश में विकास, समृद्धि और त्योहारी खुशियों को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

एसीटीआरईसी, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल ने किया बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर के लिए भूमि पूजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने अपनी सीएसआर पहल के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) के साथ मिलकर नवी मुंबई में एक ऐतिहासिक जी+11 मंजिला कैंसर हॉस्पिटल प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें एक मल्टीस्पेशियलिटी ब्लॉक और 60 बिस्तरों वाला बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) सेंटर बनाया जाएगा जो देश का सबसे बड़ा और दक्षिण एशिया के सबसे बड़े सेंटर में से एक होगा। यह हॉस्पिटल हर साल लगभग 1.3 लाख ओपीडी मरीजों को सेवा देगा और एक वर्ष में 600 से अधिक जीवनरक्षक बोन मैरो ट्रांसप्लांट सर्जरी करने की क्षमता रखेगा। लगभग 2.4 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में बनने वाला यह प्रोजेक्ट करीब 380 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा और इसके जुलाई 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो द्वारा ईपीसी मोड में किया जाएगा। देश में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने अपनी सीएसआर पहल के तहत, जिसे एनएसई फाउंडेशन के माध्यम से लागू किया जाएगा। नवी मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर के साथ साझेदारी की है। एसीटीआरईसी की स्थापना टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) द्वारा की गई है जो भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अंतर्गत एक स्वायत्त अनुदान-सहायता प्राप्त संस्था है। इस साझेदारी के तहत नवी मुंबई स्थित एसीटीआरईसी कैंपस में जी+11 मंजिला मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल ब्लॉक और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर बनाया जाएगा। यह भवन पूरे एसीटीआरईसी कैंपस के लिए एक आउट-पेशेंट डिपार्टमेंट यूनिट के रूप में भी काम करेगा जहां एनएसई ब्लॉक के अलावा कैंसर उपचार के लिए 3 और इमारतों के निर्माण की योजना है। इस सुविधा के लिए भूमि पूजन समारोह रविवार को एनएसई और टीएमसी के गणमान्य व्यक्तियों और हितधारकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

वर्किंग कमेटी की मीटिंग आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। इस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन हाजीपुर जोन का वर्किंग कमेटी की मीटिंग 7 अक्टूबर यानी मंगलवार को प्रातः 10:00 बजे से रेलवे सामुदायिक भवन, पानी टंकी के पास खरखुरा कॉलोनी में होने जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्रा जी गया आ रहे हैं। इस मीटिंग में हाजीपुर जोन के पांचो डिविजन से प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस मीटिंग की आयोजन की सारी जिम्मेदारियां इस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन गया शाखा को दी गई है जिसकी तैयारी के लिए मिथिलेश कुमार केंद्रीय कोषाध्यक्ष के नेतृत्व में गया शाखा के सभी कामरेड लगे हुए हैं। उक्त जानकारी उत्तम कुमार मीडिया प्रभारी, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा गया ने दी।

श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम के भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम के द्वारा एकादशी द्वादशी को देवी स्थान मंदिर जहाजी कोठी के समीप कदमकुआं में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 1500 से 2000 लोगों ने श्याम बाबा का प्रसाद पूड़ी, कचौड़ी, सब्जी, रायता, बुंदिया ग्रहण किए। एम पी जैन ने बताया कि इस भंडारे में आनंद डालमिया, संजय भालोठिया, मुकेश हिस्सरिया, जितेंद्र कुमार जीतू, राजेन्द्र मित्तल, संजय टेकरीवाल, सुनील कनोडिया, गोपी तुलस्यान, पवन शर्मा, अनुज गुप्ता, मोनू, विनोद थिरानी, सज्जन चौधरी, विनय बजाज, शुभम सर्राफ, गोपी मित्तल, अजय शर्मा, सतीश खेमानी, केशव अग्रवाल, रिशव अग्रवाल, राजेश बजाज, सुभाष अग्रवाल सहित श्री श्याम मंडल, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, श्री खाटू श्याम सेना, एकादशी निशान पूजन समिति के सभी सदस्यों की भागीदारी रही।

मखाना महोत्सव-2025 का समापन

कृषकों की भागीदारी, शोध, नवाचार और संस्कृति का अनुपम संगम रहा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्यान निदेशालय, कृषि विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय मखाना महोत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन के अवसर पर प्रधान कृषि सचिव पंकज कुमार ने बताया कि मखाना महोत्सव-2025 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति से मखाना उत्सव केवल एक उत्सव ही नही, बल्कि बिहारवासियों को मखाना बोर्ड एवं मखाना के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस को तोहफा देकर मखाना उत्पादन और निर्यात हेतु समग्र विकास के साथ वैश्विक स्तर पर स्थापित करने, किसानों की समृद्धि, युवाओं को रोजगार एवं प्रदेश के विकास के लिए एक सुअवसर प्रदान किये हैं। उन्होंने कहा कि मखाना उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों - किसान, शोधकर्ता, उद्यमी, नीति-निमार्ता, निर्यातक और आमजन ने हजारो की संख्या में भाग लेकर मखाना महोत्सव को एक स्मरणीय और सफल उत्सव बना दिया। यह ओयाजन अपने उद्देश्य - 'गुणवत्तापूर्ण वैश्विक स्तर का मखाना' को अपने मूल रूप देने में सफल रहा और साबित कर दिया कि बिहार न केवल मखाना का मूल घर है, बल्कि वैश्विक मखाना क्रांति को राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय मानचित्र पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित हुआ। मुझे अपार खुशी है कि बड़ी संख्या में दर्शकों ने महोत्सव का आनन्द लिया। आयोजन स्थल पर लगे स्टॉलों पर मखाना से बने विविध उत्पादों जैसे स्वाद में स्नैक्स, मिठाईयां, पाउडर आदि पैकेज्ड सामग्रियों की प्रदर्शनी एवं बिक्री हुये। इस आयोजन में लगभग 25 लाख रुपए का मखाना एवं मखाना आधारित उत्पादों की खरीदारी आगंतुकों ने की। साथ ही मखाना से बने व्यंजनों का स्वाद भी पटनावासियों ने काफी पसन्द किया। लगभग 50 हजार लोगों ने दो दिवसीय मखाना महोत्सव का लुत्फ उठाया।

वोटिंग बूथ की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, बूथ नहीं तो वोट नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड के परसावां पंचायत अंतर्गत रूपसपुर (सत्यवाहिनी) वार्ड संख्या 5 में वोटिंग बूथ नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए गांव में बूथ बहाली की मांग की। ग्रामीण शालिग्राम यादव, भूषण यादव, अवधेश यादव, धर्मेंद्र कुमार (वार्ड सदस्य), बिनोद कुमार यादवेंदु, वीरेंद्र यादव, रीता देवी, पिंकी कुमारी, रंजू कुमारी, विजय यादव (पूर्व वार्ड सदस्य) सहित अन्य लोगों ने बताया कि गांव में लगभग 150 घर और 600 से अधिक मतदाता हैं। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव यहीं के सामुदायिक भवन में होते आए हैं, परंतु अब उसी भवन को जर्जर बताकर बूथ को दो किलोमीटर दूर जगदीशपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिला पार्षद शरीफा कुमारी के सौजन्य से सामुदायिक भवन की मरम्मत हो चुकी है, फिर भी बूथ अन्य गांव में रखा गया है जहां विवाद की संभावना रहती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि बूथ रूपसपुर (सत्यवाहिनी) में नहीं बनाया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में वोट बहिष्कार किया जाएगा। वहीं इस संबंध में जब बीडीओ बिपुल भारद्वाज से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक है, अब बूथ का बदलाव संभव नहीं है।

संपादकीय

ब्रिक्स की बैठक

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को ब्रिक्स कभी पसंद नहीं आया। वह इस मंच को अमेरिकी प्रभुत्व के लिए चुनौती की तरह देखते हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का मिलना अमेरिका को जाहिर तौर पर रास नहीं आएगा, लेकिन ट्रंप की मौजूदा नीतियों और संरक्षणवाद को देखते हुए जरूरी है कि भारत विकल्पों की तलाश तेज करे।ब्राजील , रूस , चीन , दक्षिण अफ्रीका और दूसरे सदस्य देशों की मेजबानी भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने की। उन्होंने अमेरिका का नाम नहीं लिया, लेकिन टैरिफ और संरक्षणवाद के रूप में उन्होंने मौजूदा वैश्विक व्यापार के सामने खड़ी जिन चुनौतियों का नाम लिया, वे सीधे तौर पर वॉशिंगटन से जुड़ती हैं। उन्होंने ब्रिक्स देशों से वैश्विक व्यापार प्रणाली की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करने का आह्वान किया।इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता ब्राजील के पास है और अगले साल भारत को मिलनी है। ये दोनों ही देश अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ का सामना कर रहे हैं। ब्राजील में ट्रंप वहां के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को सजा दिए जाने से नाराज हैं, तो भारत से उनके खफा होने की वजह रूसी तेल की खरीद है। वैसे यह संयोग नहीं कि ट्रंप की नीतियों ने अनुचित ढंग से ब्रिक्स के सदस्यों पर सबसे ज्यादा असर डाला है।ग्लोबल जीडीपी में ब्रिक्स की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है, दुनिया की आधी आबादी इन देशों में रहती है और ग्रोथ के मामले में इसने जी7 को पीछे छोड़ दिया है। ये आंकड़े ट्रंप की चिंता बढ़ाते हैं। उन्हें यह भी फिक्र है कि ब्रिक्स के सदस्य देश जिस तरह एक-दूसरे के साथ व्यापार में अपनी मुद्रा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे डॉलर का दबदबा खत्म हो सकता है। हालांकि भारत का स्पष्ट कहना है कि यह मंच पश्चिम के विरोध का नहीं है और डॉलर की वैकल्पिक मुद्रा लाने की भी कोई योजना नहीं है।फिर भी इस बैठक की जरूरत थी, क्योंकि अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील की बात अब भी रूसी तेल पर अटकी हुई है। जो गतिरोध पहले थे - यानी रूस से तेल खरीद, व्यापार में असंतुलन वे अभी भी बने हुए हैं। ऊपर से नए वीजा नियमों की वजह से भी भारतीय प्रफेशनल्स को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में यह ठीक है कि अमेरिका के साथ बातचीत के जरिये मसलों को हल करने की कोशिश की जाए, लेकिन साथ में दूसरे मंचों का भी इस्तेमाल कर नए रास्ते खोले जाएं।

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

(कमलेश पांडे)

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है।

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं।

निःसन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है।

दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में भारत के हित को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत मल्टी-अलाइनमेंट को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे।

लिहाजा, मेक इन इंडिया और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है।

सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत

आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है।

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है।

चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है।

वाकई वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत चातुर्य काल का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।

कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए।

यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुनः चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

उधर, सम्भावित रूस, भारत, चीन गठजोड़ को कमजोर करने के लिहाज से तीसरे प्रमुख देश चीन के खिलाफ भी कभी ताइवान को भड़काया जाता है तो कभी तिब्बत के मसले की हवा दी जाती है। कभी चीन के शिनजियांग प्रान्त के मुस्लिम उत्पीड़न को उभारने की कोशिश की जाती है।

तंदुरुस्ती बनाए रखने के लिए इन 10 बुरी आदतों पर विजय पाना बहुत जरूरी है

(वैद्य प्रदीप चौधरी)

आज देश विजयदशमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है,छोटे-बड़े सहारों में रावण के पुतले जलाए जा रहे हैं। रावण दहन सिर्फ़ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक गहरा रूपक है। यह रूपक है उन बुराइयों के दहन का, जो समाज में व्याप्त थीं और आज भी हैं।

लेकिन ज़रा ठहरकर सोचिए, समाज की बुराइयों से भी पहले हमारे अपने शरीर के भीतर बसी बुराइयाँ हमें कितनी गहराई से खा रही हैं। हमारा शरीर ही एक अयोध्या है, जिसमें स्वास्थ्य रूपी सीता माता का वास है।

जब हम आदतों और आचरण से शरीर के नियमों के विरुद्ध जाते हैं, तो मानो हमारे भीतर का रावण उस सीता का हरण कर लेता है। और तब हमें भी अपने भीतर एक प्रभु राम की सेना जगानी होती है, जो शरीर के भीतर बढ़ते रावण का नाश कर सके। आयुर्वेद यही शिक्षा देता है।

रोग बाहर और भीतर दोनों से आते हैं पर अधिकतर वे हमारे भीतर ही जन्म लेते हैं।

गलत आहार, गलत विचार, गलत व्यवहार और इन्द्रियों पर असंयम यही असली कारण हैं। आयुर्वेद इसे प्रज्ञापराध कहता है, यानी बुद्धि होते हुए भी हम गलत काम करें। रावण के दस सिर उन दस आदतों का प्रतीक हैं, जिन पर विजय पाना ही तंदुरुस्ती का पहला मंत्र है।

1. क्रोध (कुपित मन) - आयुर्वेद के अनुसार क्रोध पित्त को भड़काता है। परिणामस्वरूप सिरदर्द, अम्लपित्त, हृदय रोग और नींद की कमी होती है।

उपाय- शीतल आहार (धनिया, आंवला, दूध), प्राणायाम और ध्यान।

2. अहंकार (अतिमानिता) - यह विवेक को ढक देता है। अहंकार के कारण व्यक्ति जीवनशैली और आहार-विहार में संतुलन खो देता है।

उपाय- मिताहार और मितभाषण, आत्मचिंतन और सत्संग।

3. भोग की अति - अति भोजन और जंक फूड अग्नि को मंद कर देता है। यही मोटापा, डायबिटीज और अपच की जड़ है।

उपाय- समय पर भोजन, रात्रि भोजन हल्का, और ऋतुचर्या का पालन।

4. नशा (मद्य, तंबाकू, व्यसन) - आयुर्वेद कहता है कि यह ओज का नाश करता है। ओज ही प्रतिरक्षा शक्ति है।

उपाय- धूम्रपान, शराब और अन्य व्यसन का त्याग; व्यसन मुक्ति के लिए पंचकर्म और ध्यान।

5. अनिद्रा (रात्रि जागरण) - यह वर्जनीय आचरण है। नींद की कमी वात दोष को बढ़ाती है और स्मरण शक्ति को नष्ट करती है।

उपाय- रात को समय पर सोना, दिन में अत्यधिक झपकी न लेना, बेडरूम में मोबाइल-स्क्रीन से दूरी।

6. लालच (अतिलोलुपता) - लालच के कारण व्यक्ति आहार और भोग दोनों में संयम खो देता है। अग्नि मंद होकर पाचन विकार और अम्लपित्त पैदा करती है।

उपाय- मिताहार और उपवास का पालन।

7. ईर्ष्या (मनोविकार) - ईर्ष्या और द्वेष मन को जलाते हैं, पित्त और रजस् को बढ़ाते हैं, और हृदय रोग को जन्म देते हैं।

उपाय- कृतज्ञता और ध्यान की साधना, साथ ही हृदय को शीतल करने वाले आहार।

8. निष्क्रियता (आलस्य) - व्यायाम की कमी से कफ और मेद बढ़ता है, जिससे मधुमेह और मोटापा फैलता है।

उपाय- व्यायामार्हत्वं स्वास्थ्यं - प्रत्येक दिन चलना, योगासन और श्रम करना।

9. झूठ और बहाना (प्रज्ञापराध) - विवेक होते हुए भी जो गलत करे वही सबसे बड़ा रोगकारण है।

उपाय- आत्मस्वीकृति, अपने दोष को पहचानना और जीवनचर्या सुधारना।

10. असंयम (इन्द्रिय-विकार) - यही रावण की सबसे बड़ी कमजोरी थी। इन्द्रियों पर असंयम वात, पित्त, कफ सभी को विकृत कर देता है।

तीज-त्योहार से अधिक महत्वपूर्ण है- नशे के दैत्य को समाप्त करना

(डॉ. सुधा कुमारी)

कई लोग यह प्रश्न पूछते हैं कि भारत के युवाओं को मादक द्रव्य के नशे की लत क्यों है? पर सच्चाई ये है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित व्यवसाय के रूप में नशे की अमर बेल फलफूल रही है और सभी युवाओं को तो नहीं, पर बहुत से युवाओं और बुजुर्गों को भी है नशे की लत। कहते हैं कि सबसे अच्छा व्यसन (लत) तो विद्या और ईश्वर भक्ति का ही होता है-

'विद्याभ्यासं व्यसनं ह्यथवा हरिपाद सेवा व्यसनं।'

वैसे देखा जाय तो व्यसन (लत) मादक द्रव्य के अलावा धन-दौलत और प्यार का भी होता है पर मादक द्रव्य जैसे- शराब, तंबाकू, ड्रग्स का नशा शरीर के अति संवेदनशील अंगों को बीमार और बेकार कर व्यक्ति को मृत्यु के मुख में धकेल सकता है और गर्भस्थ शिशु का तो सर्वनाश कर देता है। नशा शौक के कारण हो, 'शॉक' के कारण हो या कुसंगति के कारण हो, इसके चक्कर में अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं। नशेबाज का घरेलू और वैवाहिक जीवन- दोनों नष्ट होते हैं, झगड़े-क्लेश से या नशे का शिकार होकर अनैतिक आचरण के कारण। इस बात पर सभी सहमत हैं कि नशे को शत्रु समझकर उसका प्रतिकार करना चाहिए। नशे की लत खोखला कर रही है समाज को। इस विषय की गंभीरता को लेकर अपने यहां 'उड़ता पंजाब' फिल्म भी बनाई गई। पर कुछ लोगों की ये सुधारवादी सोच भी नशे की लत या नशे की बीमारी को समाप्त नहीं कर पा रही।

हमारे देश में नशे की लत के कई गंभीर कारण हैं।

पहला कारण है- पौराणिक कथाओं में देवलोक (स्वर्ग) में अप्सरा और मदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था। समुद्र-मंथन की कथा में वारुणी (मदिरा) उत्त्पन्न होने पर दानवों को सौंप दिया गया था जो असभ्य और बर्बर समझे जाते थे। फिर देवलोक में यह कहाँ से आ गया, यह कहीं स्पष्ट नहीं। कारण जो भी हो, पर धरती पर मदिरा को उच्च कोटि की विलासिता का स्थान प्राप्त हो चुका है। मदिरापान न करनेवालों को गंवार, मध्यमवर्गीय (मिड्ल क्लास), डरपोक और आर्थिक रूप से लाचार समझा जाता है। शाक्त और शैव भक्ति समुदाय में भांग, धतूरा, अफीम, गांजा, मांस और नदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था है। देशी बादशाहों के यहाँ चांदी की चिलम या हुक्का, मय (शराब), मयखाना और साकी सामान्य शब्द थे। गांव में किसी का विरोध करना हो तो सबसे पहले उसके साथ 'हुक्का-पानी' बंद किया जाता था। इससे स्पष्ट है कि मादक द्रव्य का नशा पौराणिक और ऐतिहासिक रूप से काफी सीमा तक भारतीय संस्कृति में समा गया है जिसे हर समुदाय का समर्थन मिला।

दूसरा कारण है- यूरोप की ठंडी और समशीतोष्ण जलवायु में अंगूर जैसे मीठे फल की अच्छी खेती होती है। इस अंगूर लता (ग्रेपवाइन) से रसीले फल, सूखे फल- किशमिश, मुनक्का के साथ-साथ मदिरा (वाइन) का व्यापक स्तर पर उत्पादन होता है। 'वाइन' बनाकर उसका नित्य सेवन और निर्यात भी किया जाता है। इसी प्रकार, ठंडे देशों में गेहूं, चावल, जौ, मक्का, राई जैसे अनाज की खेती होती है। इन अनाजों से भी मदिरा का व्यापक स्तर पर उत्पादन और निर्यात होता है। पाश्चात्य उच्च वर्ग के जैसा बनने या दिखने की चाह में देश में अधिकाँश समारोह और भोज में नशा किया जा रहा है। पर कहते हैं- 'नकल में भी अकल चाहिए'। पाश्चात्य सभ्यता की नकल के चक्कर में पड़कर भारत की गर्म जलवायु के अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं। दुःख की बात ये है कि ऐसे लोग पाश्चात्य

सभ्यता की सफाई, देशभक्ति, समय की पाबंदी, शिष्ट व्यवहार आदि की नकल नहीं करते।

तीसरा कारण है- व्यवसायी वर्ग को मादक द्रव्य के व्यवसाय से आर्थिक लाभ की आशा अधिक होती है और लोगों के स्वास्थ्य की चिंता कम। और उन्हें उत्पादन की छूट देने से प्रशासन को राजस्व का लाभ मिलता है। जगह-जगह शराब की दुकानें खोलने की घटना सामने आ रही है। देश की गली-गली में तंबाकू, गुटका, पान-मसाला की लड़ियाँ लटक रही हैं, रास्ते और बाग-बगीचे में इनके ठूंठ, बोतल, फटे टुकड़े फैले हुए हैं और हर बाजार में 'कैफे एंड बार', रेस्टोरेंट एंड बार', 'होटल एंड बार' कुकुरमुत्ते के झुण्ड की तरह उगते जा रहे हैं। ये सभी कानून की सीमा में रहते हुए आराम से चल रहे हैं।

चौथा कारण- बाहरी कुछ देशों से मादक द्रव्य चोरी-छिपे देश में लगातार आता रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया में म्यांमार, लाओस और थाईलैंड की सीमाओं से घिरा हुआ 'गोल्डन ट्रायंगल' नामक क्षेत्र 1950 के दशक से लेकर 21वीं सदी की शुरुआत तक दुनिया के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों में से एक रहा है। जब अफगानिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक बना तो म्यांमार दूसरे नम्बर पर आ गया और 2022 तक बना रहा। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के ड्रग्स एंड क्राइम रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में म्यांमार दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक देश बन गया। भारत के पड़ोसी देशों में नशीले द्रव्य के उत्पादन और निर्यात से एशिया के अधिकांश हिस्सों में विशेषकर भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के गंभीर परिणाम होंगे ही। अब तो इंग्लैंड से व्यापार समझौता होने पर अंग्रेजी शराब 'सस्ता, सुंदर और टिकाऊ' व्यसन बनने जा रही है। जब चारों ओर मादक द्रव्य के व्यापार का नारा गूंज रहा है, किसका साहस है- नशे को गलत कहने या बंद करवाने का? जब कभी तंबाकू की खेती बंद होती है तो रातोंरात पोस्टर फाड़कर रोता-कलपता हुआ किसान निकल आता है और हाथ जोड़कर करुण विनती करता है- 'अल्कोहल पियो, हमारा खून नहीं।' यह पता करना होगा कि नशे की खेती में लिप्त किसान का फेफड़ा और यकृत (लिवर) सही-सलामत है या नहीं।

देश में एक ओर नशा व्यापार के रूप में फल-फूल रहा है, नशे का दैत्य सर्वत्र अट्टहास करता फिर रहा है, दूसरी ओर जगह-जगह नशा-मुक्ति केंद्र भी खुल रहे हैं जो अच्छा-खासा शुल्क लेकर नशेबाज को रखते और अनुशासित करते हैं। भुक्त भोगियों के अनुसार, यह जीवन एक कैदी की तरह कठिन होता है। इसके लिए निजी संस्थान की जगह एनजीओ को आगे आना चाहिए जहां किसी का आर्थिक शोषण न हो और सकारात्मक जीवन जीना सिखाया जाय। पूरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशे की सुनहरी अमर बेल फल-फूल रही है। इस अमर बेल को काटने का कार्य समाज को स्वयं करना होगा। गुजरात इसका ज्वलंत उदाहरण है जो एक विकसित राज्य है और यहां मदिरा का सेवन और नशा लगभग पूरा बंद रहता है, जबकि दूसरे कई राज्य नशा करके भी गरीब, गंदे और अविकसित अवस्था में हैं। देश की व्यवस्था को नशे के विरुद्ध कानून बनाना होगा और समाज को व्यवस्था पर ऐसा कानून बनाने के लिए नैतिक दबाव बनाने के लिए आगे आना होगा।

आवश्यक है कि बचपन से ही बच्चों को घर में अनुशासित रखें, विद्यालय में, महाविद्यालय में और विश्वविद्यालय में हर तरह के मादक द्रव्य के सेवन के विरुद्ध जागरूक करें और दोषी पाए जाने पर दंडित करें। तभी लोगों में यह चेतना जाग्रत होगी कि नागरिकों की आयु और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सरकार नहीं, स्वयं व्यक्ति, परिवार और समाज उत्तरदायी है और तीज-त्योहार, मन्नत-जन्नत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है- नशे के दैत्य का समाप्त होना।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 06-10-2025 21:33 Page 1

जिले में गांधी आगमन शताब्दी समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने लंगटा बाबा समाधि स्थल में चादरपोशी की, बेसिक स्कूल खरगडीहा में महात्मा गांधी के प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी एक विचार हैं। गांधी के विचारों और संघर्षों ने भारत को आजाद करने में बड़ी भूमिका निभाई। वे सत्य और अहिंसा के जीवंत प्रतीक हैं।

उपायुक्त ने स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण किया। उन्होंने कहा स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन जरूरी गिरिडीह जिले में गांधी आगमन शताब्दी समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जमुआ प्रखंड अंतर्गत खरगडीहा में गांधी आगमन शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया।

उक्त समारोह में उपायुक्त ने सर्वप्रथम लंगटा बाबा समाधि स्थल में चादरपोशी की तथा बेसिक स्कूल खरगडीहा में महात्मा गांधी के प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी एक विचार है, गांधी जी के विचारों और संघर्षों ने भारत को आजाद करने में बड़ी भूमिका निभाई, वे सत्य और अहिंसा के जीवंत प्रतीक हैं। इसके पश्चात उपायुक्त, सम्मानित जनप्रतिनिधि और अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ समेत अन्य अतिथि जमुआ प्रखंड अंतर्गत खरगडीहा में गांधी पदयात्रा में शामिल हुए। इसके अलावा उपायुक्त ने स्वच्छता अभियान से लेकर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी समस्या प्रदूषण की है। जिस तरह से पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है, उससे कई तरह की बीमारियां लोगों को घेर रही हैं। स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है कि पर्यावरण साफ हो। पर्यावरण को साफ रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में हर साल पौधे लगाने चाहिएं। जीवन देने वाले पर्यावरण की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का पहला कर्तव्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन न केवल स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है, बल्कि यह युवा पीढ़ी के लिए एक अनंत प्रेरणा स्रोत भी है उपायुक्त वहीं आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन न केवल स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है, बल्कि यह युवा पीढ़ी के लिए एक अनंत प्रेरणा स्रोत भी है। आज के युवा, जो डिजिटल युग की चुनौतियों से जूझ रहे हैं, को इन मूल्यों को अपनाकर रचनात्मक कार्यों में जुटना चाहिए। स्वच्छता अभियान से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक, हर क्षेत्र में युवाओं की ऊर्जा ही परिवर्तन ला सकती है। उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं, जो हर भारतीय के भीतर आज भी जीवित हैं।

विक्षिप्त युवती के साथ दुष्कर्म

इशारे से की आरोपी की पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । बेंगाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक मानसिक रूप से कमजोर और बोलने में असमर्थ युवती के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है।परिजनों के अनुसार, रविवार की शाम करीब सात बजे युवती घर से बाहर निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी।

काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने बेंगाबाद थाना में सन्हा दर्ज कराया अगले दिन सोमवार की सुबह करीब छह बजे खोजबीन के क्रम में युवती को चुडू बाजार जंगल में अर्धनग्न अवस्था में पाया गया। उसके शरीर पर दांत काटने के कई निशान पाए गए।

परिजन जब उसे घर लाने लगे, तो रास्ते में एक व्यक्ति को देखकर पीड़िता ने इशारे से बताया कि उसी ने उसे मोटरसाइकिल से अगवा कर

जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद युवती वहीं बेहोश हो गई घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं इस मामले में बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि दुष्कर्म के मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने आवेदन दिया है ओर आवेदन के आधार पर आरोपी भुनेश्वर प्रसाद यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेंगाबाद थाना कांड संख्या 153 /2025 बीएनएस 140 (4), 64(2) (के) के तहत मामला दर्ज किया गया है।आरोपी से पूछताछ किया जा रहा है । वहीं इस मामले में कहा कि आरोपी का मेडिकल जांच साक्ष्य के दृष्टिकोण से किया जाएगा उसके बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

कुख्यात उत्तम यादव गिरोह का मुख्य गुर्गा गिरफ्तार

बिहार एवं झारखंड में मचा रखा था आतंक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग । लोहसिंघना थाना की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने झारखंड और बिहार के कई बडे. कांडों में फरार चल रहा उत्तम यादव गिरोह के दानिश इकबाल को दबोच लिया है।

बिहार के गया जी निवासी और झारखंड, बिहार समेत कई राज्यों में आतंक मचाने वाला शातिर अपराधी दानिश इकबाल पर हत्या, लूट, फिरौती और विस्फोटक से हमले जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने पांच अक्टूबर 2025 की रात कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि हजारीबाग, चतरा और औरंगाबाद में सक्रिय आपराधिक गिरोह का मुख्य सदस्य दानिश इकबाल लोहसिंघना थाना क्षेत्र में सक्रिय है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लोहसिंघना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सशस्त्र बल के साथ घेराबंदी अभियान चलाया। एसपी के प्रेस वार्ता में पूरे मामले की जानकारी दी।

रात करीब 2:00 बजे पुलिस ने हवाई अड्डा के पास संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया। वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया।

पकड़ने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। इसमें उसने अपना नाम दानिश इकबाल बताया। दानिश ने स्वीकार किया कि वह उदय साव की हत्या, अनवर अली कांड और भारत माला प्रोजेक्ट कैंप में मजदूरों पर हमला जैसी वारदातों में शामिल था।

उसने बताया कि उसका गिरोह झारखंड और बिहार में सक्रिय है और व्यवसायियों, कान्ट्रैक्टरों तथा आम लोगों से रंगदारी वसूलता है।

दानिश इकबाल गिरोह ने दिसंबर 2024 में हजारीबाग के उदय साव की गोली मारकर हत्या की थी। इससे पहले बिहार के गया जी जिले में अनवर अली हत्या कांड और गुरुहा थाना क्षेत्र में भारतमाला प्रोजेक्ट पर बमबारी व गोलीकांड में भी यह गिरोह शामिल रहा है।

इसके अलावा, 4 जनवरी 2025 को डॉ. तपेश्वर प्रसाद की हत्या के प्रयास में उनके क्लिनिक पर बम फेंकने की घटना में भी दानिश का हाथ होना सामने आया है। वह फर्जी दस्तावेज के सहारे बचता रहा।

पर्व त्योहार को ले कई ट्रेनों की सेवाएं बहाल

धनबाद। दुर्गोत्सव के बाद अब दिपावली और छठ को लेकर ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर इस बार 53 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। इनमें कुछ ट्रेनों की सेवा बहाल हो गई हैं। कुछ ट्रेनें इसी माह के अलग-अलग दिनों में चलेंगी।

विशेष रूप से छठ की भीड़ को लेकर दिल्ली, मुंबई, गुजरात, चंडीगढ़ समेत दक्षिण भारत से कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। केवल धनबाद से अलग-अलग शहरों के लिए 18 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी।

25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ छठ पर्व शुरू होगा। इस वजह से 22 अक्टूबर से ही बिहार जानेवाली ट्रेनों में लंबी वेटिंगलिस्ट है।

धनबाद से पटना जानेवाली गंगा-दोदर एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, राउरकेला-जयनगर, रांची-भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस, रांची-गोड्डा एक्सप्रेस, मौर्य एक्सप्रेस से लेकर सुबह चलने वाली धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस की सीटें भी 25 अक्टूबर तक फुल हैं।इन ट्रेनों के यात्रियों के लिए अब तत्काल ही एकमात्र विकल्प है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर शुरू

600 कैडेटों के दस्तावेजों का हुआ सत्यापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

झुमरीतिलैया । सैनिक स्कूल तिलैया के प्रांगण में राष्ट्रीय स्तरीय शिविर एक भारत श्रेष्ठ भारत का शुभारंभ किया गया।

बिहार व झारखंड निदेशालय के तत्वावधान में ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एस. गोपीकृष्णन के नेतृत्व व 45 झारखंड बटालियन एनसीसी कोडरमा के कमांडिंग अफसर विजय कुमार के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया जा रहा है।

शिविर के पहले दिन आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड राज्यों से आए करीब 600 एनसीसी कैडेटों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया।

सभी कैडेटों के ठहरने और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सैनिक स्कूल तिलैया परिसर में की गई है। इसमें 10 एसोसिएट एनसीसी आफिसर, चार गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर, जूनियर कमीशंड आफिसर और परमानेंट इंस्ट्रक्टर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

शिविर के मीडिया नोडल आफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने बताया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों से आए एनसीसी कैडेटों के बीच संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों का आदान-प्रदान कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सशक्त करना है। शिविर में कैडेटों को कई गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिनमें वेपन डिस्प्ले, स्पोर्ट्स कंपटीशन, नेशनल इंटीग्रेशन अवेयरनेस प्रोग्राम, रीजनल फेस्टिवल, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, क्विज, एक्सटेम्पोर, और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता प्रमुख हैं। शिविर को सफल बनाने में थर्ड आफिसर नवीन कुमार, अभिजीत आनंद, सूबेदार मेजर अरविंद कुमार, जेसीओ बलविंदर सिंह, सूबेदार चंद्रहास, सूबेदार रविंद्र हेंब्रम, सूबेदार चंपा मुरमुर, नायब सूबेदार घसीटाराम (सेना मेडल) तथा परमानेंट इंस्ट्रक्टर अजीत कुमार, विकास कुमार, रितेश कुमार, जगन तोपो, प्रधान सहायक राजेश कुमार और सहायक रणधीर कुमार, सिद्धार्थ कुमार, सोहित कुमार सिंह, राम उचित कुमार आदि लगे हुए हैं।

इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह द्वारा होटल गार्डन व्यू में जिला अध्यक्षा रश्मि गुप्ता के आधिकारिक दौरे के अवसर पर जनरल मीटिंग का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्षा हेमा दत्ता बहुत ही कर्मठ और उदार हैं।

इन्होंने बहुत ही अच्छे से जनरल मीटिंग कंडक्ट की। कार्यक्रम की शुरूआत इनर व्हील प्रार्थना एवं द्वीप प्रज्जवलित करके की गयी।क्लब सेक्रेटरी पायल वर्मा ने क्लब की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर क्लब बुलेटिन ध्वनि का विमोचन हुआ। हमारे क्लब का गौरव जिला अध्यक्षा रश्मि गुप्ता बिहार एवं झारखण्ड के 95 क्लबों की लीडर हैं। महिला सशक्तिकरण की एक और पहचान जिला अध्यक्षा रश्मि के आधिकारिक दौरे पर सभी सदस्या ने उनका बहुत ही विशेष तरीके से स्वागत किया। रश्मि जी के सम्मान में गत दो दिनों में हमने 8 परियोजनाएँ कार्यैवित की।

बिहार चुनाव में सीट बंटवारे को झामुमो की रणनीति अंतिम चरण में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपनी रणनीति को और मजबूत करते हुए महागठबंधन के तहत सीट बंटवारे पर निर्णायक बातचीत की तैयारी शुरू कर दी है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय और नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सात अक्टूबर को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक में हिस्सा लेंगे।

यह बैठक सीट बंटवारे और गठबंधन की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए अहम मानी जा रही है। झामुमो अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि गठबंधन की एकता को प्राथमिकता दें।

साथ ही बिहार में पार्टी का संगठनात्मक विस्तार भी सुनिश्चित किया जाए। झामुमो की रणनीति बिहार-झारखंड की सीमावर्ती सीटों पर केंद्रित है, जहां पार्टी का सामाजिक और राजनीतिक आधार मजबूत है।

पार्टी ने किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, बांका और जमुई जैसे जिलों की करीब 12 से 15 सीटों पर दावेदारी पेश करने की योजना बनाई है।

इन क्षेत्रों में आदिवासी और पिछड़े वर्ग की आबादी झामुमो का पारंपरिक वोट बैंक मानी जाती है। विनोद पांडेय ने कहा कि झामुमो का लक्ष्य महागठबंधन को मजबूत करना और बिहार में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति को और सशक्त करना है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी गठबंधन धर्म का पूरी तरह पालन करेगी और सहयोगी दलों राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ तालमेल बनाए रखेगी।

पटना में होने वाली बैठक में सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। झामुमो ने स्पष्ट किया है कि वह उन सीटों पर प्राथमिकता चाहता है, जहां उसका जनाधार मजबूत है। साथ ही, पार्टी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि गठबंधन की एकता पर कोई आंच न आए।

विनोद पांडेय ने कहा कि बिहार में भाजपा-जदयू गठजोड़ को हराने के लिए महागठबंधन की एकजुटता हमारा सबसे बड़ा हथियार है। इसके लिए झामुमो ने प्रत्याशी चयन में पारदर्शिता और स्थानीय नेताओं की राय को महत्व देने का फैसला किया है।

बिहार में झामुमो के साथ तालमेल का राजद पर नैतिक दबाव भी है, क्योंकि झारखंड में वह झामुमो के साथ गठबंधन में है। ऐसे में बिहार में सीटों के तालमेल को लेकर राजद के शीर्ष नेतृत्व पर बड़ा दारोमदार है। झामुमो की रणनीति न केवल बिहार में अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने की है, बल्कि गठबंधन की जीत को सुनिश्चित करने की भी है। इस बैठक के बाद महागठबंधन की रणनीति और सीटों का बंटवारा स्पष्ट होने की उम्मीद है।

रेस्टोरेंट और होटलों में छापेमारी से संचालकों में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। शहर में संचालित आधा दर्जन से अधिक होटलों, रेस्टोरेंट में खाद सुरक्षा के मद्देनजर छापेमारी अभियान चलाया गया। चूंकि अभी पूजा का माहौल है, इस वजह से जिला प्रशासन के आदेश पर खाद सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने सीएस डॉ. रामदेव पासवान के संग छापेमारी अभियान चलाया।

होटलों से पनीर,तला हुआ तेल का सैंपल उठाया गया। टीम का मानना है कि इन होटलों में खाद पदार्थ का सेवन करने वाले लोगो के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। टीम ने जेएनराय रोड स्थित मोती महल, कलिंगा इंटरनेशनल होटल,स्वाद रेस्टोरेंट को देखा।

मोतीमहल होटल में पाया गया कि वेज चापिंग बोर्ड में नॉन वेज रखा गया है जो गलत है। यहां से पनीर व तला हुआ तेल सैंपल उठाया गया है। कलिंग में कर्मी यूनिफार्म नहीं पहने हुए पाए गए। स्वाद रेस्टोरेंट से पनीर का सैंपल लिया गया।गोपालपुल के पास जद्दू मिठाई दुकान में लड्डू खराब पाया गया जिसे पुल के नीचे फेंक दिया गया। महाराजा मिष्ठान भंडार की व्यवस्था ठीक पाया गया। फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि जिन होटलों से सैंपल लिए गए है सभी को रांची भेज दिया गया।

रांची से रिपोर्ट आने के बाद देखा जाएगा। यदि खाने पीने वाले चीजों में गड़बड़ी पायी जाती तो उक्त होटल संचालक के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कोटपा एक्ट का अमल कराने को लेकर कई दुकानों में गुटखा सहित अन्य को लेकर छापेमारी की गई और आर्थिक दंड भी लगाए गए। जिला सदर अस्पताल के प्रांगण में स्थित दुकान, झरना कॉलोनी में छापेमारी की गई। कुल आठ लोगों से कोटपा के उल्लंघन में गुटखा रखने पर 1450 रुपया जुमार्ना लगाया गया। आगे से दुकान में बेचने की मनाही कह छोड़ दिया गया।

बस पलटी, 20 घायल

खरसावां। टाटा से खरसावां-कुचाई होते चक्रधरपुर जाने वाली आशीष बस खरसावां-कुचाई मार्ग पर अरुवां चौक के पास अनियंत्रित हो कर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी।

घटना गुरुवार की दोपहर करीब पौने तीन बजे की है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि अरुवां चौक के पास एक स्कूली बच्ची पगडंडी के रास्ते सीधे सड़क पर चढ़ गयी।

इस दौरान स्कूली बच्ची को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित हो कर सड़क किनारे पलट कर झाड़ियों के बीच फंस गयी। इस दुर्घटना में 20 यात्री घायल हो गये, जिसमें एक यात्री को गंभीर चोट लगी है।

दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल चक्रधरपुर के इटोर गांव की खुद कुमारी (31) को बेहतर इलाज के लिये रेफर किया गया। इसके पश्चात सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से कुचाई के सीएचसी व कल्याण अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार किया जा रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद कुचाई बीडीओ साधु चरण देवगम व थाना प्रभारी नरसिंह मुंडा अस्पताल पहुंच कर घायलों का हाल-चाल जाना।

शिक्षा, सामाजिक न्याय और सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर था महात्मा गांधी का विशेष जोर : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। महात्मा गांधी के गिरिडीह आगमन की 100वीं वर्षगांठ पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। इस ऐतिहासिक अवसर पर बड़े स्तर पर दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें जिले के अलावा पूरे देश से बड़ी संख्या में लोग हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत खरगडीहा में सुबह लंगेश्वरी बाबा की समाधि पर चादरपोशी और उसके बाद पदयात्रा से हुई, जिसमें गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ जमुआ के पूर्व विधायक झामुमो के वरिष्ठ नेता केदार हाजरा, झामुमो के जिलाध्यक्ष संजय सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ अनिमेश रंजन, एसडीपीओ खोरीमहुआ राजेंद्र प्रसाद, बीडीओ जमुआ अमलेश कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र आयुष चतुर्वेदी, प्रणव वर्मा , भाकपा माले के जिला सचिव अशोक पासवान, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, स्कूली छात्र-छात्राएं और आम नागरिक बड़ी संख्या

में उपस्थित रहे।

पदयात्रा खरगडीहा से शुरू होकर दूसरे दिन पचम्बा पहुंचेगी, जहाँ पचम्बा हाई स्कूल परिसर में एक भव्य जनसभा होगी। इसके बाद सभी लोग पचम्बा से चलेंगे और रास्ते में पड़ने वाली सभी महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण करते हुए नगर भवन पहुंचेगे।

पदयात्रा के दौरान गांधीजी के जीवन, उनके सिद्धांतों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गीतों, स्लोगन और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से याद किया जा रहा है। खरगडीहा गौशाला में आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी का शिक्षा, सामजिक न्याय और सत्ता के विकेंद्रीकरण पर विशेष जोर था। साथ ही गांधीजी ने ग्राम स्वराज की कल्पना भी की थी।

पूर्व विधायक केदार हाजरा ने कहा कि गांधी के विचार और उनके मूल्य आज के नौजवानों के लिए प्रेरणादायक हैं। उद्योगपति मोहन साव ने यहाँ गांधीजी की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। गौरतलब है कि 6 और 7 अक्टूबर 1925 को आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी गिरिडीह जिले के खरगडीहा और उसके बाद पचम्बा पहुंचे थे। इन दोनों स्थानों पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में जन-भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनसभाओं को संबोधित किया था इस दो दिवसीय पदयात्रा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरक भाषणों के माध्यम से गांधीजी के विचारों सत्य, अहिंसा और एकता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल इतिहास को जीवंत करने वाला है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के संयोजक कृष्णकान्त, सह संयोजक कृष्ण मुरारी शर्मा, राजेश सिन्हा , धरनीधर प्रसाद, सतीश कुंदन, उमेश तिवारी, प्रभाकर कुमार, रामजी यादव, शंकर पाण्डेय, रितेश सराक, आलोक रंजन, बैद्यनाथ, बैजनाथ प्रसाद बैजू, जयकुमार मिश्र, अरुण शर्मा, सैयद सबिह अशरफ, सोमनाथ , विलियम जैकब, नुरूल हौदा , राजेश यादव ,दिलीप मंडल, अगस्त कुमार क्रांति, राकेश कुमार रॉकी, सुन्दर राम, जुल्फिकार अली, चिन्ना खान, रंजीत राम, मुजाहिद अंसारी, सुरंजन सिंह, प्रफ्फूल सिंह, पवन सिंह, आशिष भदानी, सुधीर द्विवेदी, अनिल चौधरी, गौरीशंकर यादव, कासिम, कन्हैया सहित सैकड़ों लोग जुटे हुए हैं।

जपजीव सिंह सलूजा के मॉडर्न पेंटाथलॉन राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में चयन से हर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आधुनिक पेंटाथलॉन फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 2025 आधुनिक पेंटाथलॉन नेशनल चैंपियनशिप बाइयेथेल / ट्रिएथल प्रतिस्पर्धा जो मध्य प्रदेश के इंदौर में 5 से 7 अक्टूबर 2025 तक आयोजित हैं, में सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल के एकमात्र खिलाडी कक्षा सातवीं के जपजीव सिंह सलूजा का चयन हुआ। जो निर्धारित प्रतियोगिता में अपना प्रदर्शन दे रहे हैं। भारत के 22 विभिन्न राज्यों के से आए 400 से अधिक खिलाड़ियों ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया हैं। झारखंड के रांची और जमशेदपुर से भी अन्य खिलाडियों का चयन हुवा है। परंतु गिरिडीह क्षेत्र से जपजीव सिंह सलूजा एकमात्र ऐसे खिलाडी है जो जो इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बाइयेथेल के लिए भाग ले रहे हैं। बाइयेथेल की इस श्रेणी में तैराकी और रनिंग आते हैं जिसमे उन्होंने 100 मीटर तैराकी और 400 मीटर रनिंग प्रतियोगिता में भाग लिया है। इस अनोखी प्रतियोगिता में उनका चयन से संपूर्ण

विद्यालय परिवार उत्साहित हैं। विद्यालय के प्रबंध निर्देशक जोरावर सिंह सलूजा ने इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में उनके चयन के लिए शुभकामना व्यक्त किया है और उसके जीत की कामना की है। ओलिंपिक के महत्वपूर्ण खेलो में शुमार मॉडर्न पेंटाथलॉन एक ऐसा खेल है जो एथलीटों की बहुमुखी प्रतिभा और सहनशक्ति का परीक्षण का परीक्षण करती है। इसमे पाँच अलग-अलग स्पधाएं शामिल हैं। इन स्पर्धाओं में फेंसिंग, तैराकी, घुड़सवारी , और लेजर रनिंग-शूटिंग शामिल हैं, यह खेल 1912 से ओलंपिक का हिस्सा है और एथलीट के पूरे शारीरिक और मानसिक विकास को प्रदर्शित करता है।

जी का जंजाल बन रहा महंगा स्मार्टफोन

कंपनी और रिटेलर और फाइनेंसर हो रहे परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने हाल में अपना लेटेस्ट आईफोन लॉन्च किया। इसे खरीदने के लिए दिल्ली और मुंबई में ऐपल के स्टोर्स में भीड़ उमड़ पड़ी। असल में महंगा स्मार्टफोन खरीदना आजकल आसान हो गया है। ब्रांड और रिटेलर महंगे स्मार्टफोन को किस्तों पर बेच रहे हैं। वे ग्राहकों को फाइनेंस की सुविधा दे रहे हैं ताकि वे आसानी से फोन खरीद सकें। लेकिन इसके साथ ही स्मार्टफोन लोन डिफॉल्ट के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। इससे ब्रांड्स के साथ-साथ रिटेलर्स और फाइनेंसर्स की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि मोबाइल फोन फाइनेंस पर डिफॉल्ट की दर 2.7 प्रतिशत से 2.9 प्रतिशत के बीच पहुंच गई है जबकि आमतौर पर 2 प्रतिशत तक के रेट को ठीक माना जाता है। कुछ इलाकों में तो डिफॉल्ट की दर और भी ज्यादा है। फाइनेंस कंपनियां ऐसे रिटेलर्स की रेटिंग कम कर रही हैं और उनके ग्राहकों को लोन देने में भी सख्ती बरत रही हैं। अब वे केवल उन्हीं ग्राहकों को लोन दे रही हैं जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा है।

तीन में से एक स्मार्टफोन क्रेडिट पर

इस बीच कर्नाटक में एक नया नियम आया है। इसके तहत शाम 6 बजे के बाद वसूली एजेंट ग्राहकों से पैसे नहीं मांग सकते। इस नियम के बाद फाइनेंस कंपनियां और भी सख्त हो गई हैं। उन्होंने ऐसे पिन क्खुह कोड को ही ब्लॉक करना शुरू कर दिया है, जिन्हें ज्यादा जोखिम है। एक बड़े स्मार्टफोन ब्रांड के सेल्स एग्जीक्यूटिव ने बताया कि अलग-अलग एनबीएफसी और प्राइवेट बैंकों में डिफॉल्ट रेट अलग-अलग हैं, लेकिन ये बढ़ रहे हैं। मोबाइल फोन खरीदने के लिए दिए गए कुल लोन में से करीब 2.7-2.9 प्रतिशत हर साल डिफॉल्ट हो रहे हैं।

हर तीन में से एक स्मार्टफोन क्रेडिट पर खरीदा जा रहा है। ब्रांड चाहते हैं कि ग्राहक महंगे डिवाइस खरीदें। इसलिए वे आसान किस्तों और फाइनेंस के जरिए ग्राहकों को अपग्रेड करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब इस तरीके से दिक्कतें सामने आने लगी हैं। क्रेडिट ब्यूरो फाइनेंशियल ईयर 2025 में कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन की ग्रोथ बहुत कम हो गई है। इसमें स्मार्टफोन के लिए दिए गए लोन भी शामिल हैं। एफवाय24 में इस तरह के लोन की वैल्यू में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन एफवाय25 में यह सिर्फ 3.3 प्रतिशत बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हुई है।

एआई से इनकम बढ़ाने के लिए यहां क्लिक करें

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 180 दिनों से ज्यादा समय से डिफॉल्ट चल रहे लोन सबसे ज्यादा हैं। एफवाय24 में ये 1.9 प्रतिशत थे, जो एफवाय25 में बढ़कर 2.1 प्रतिशत हो गए हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 10,000 रुपये से कम के लोन में डिफॉल्ट ज्यादा हो रहा है। 31 से 90 दिनों की देरी वाले ऐसे लोन में 2.15 प्रतिशत डिफॉल्ट देखा गया है। वहीं, 91 से 180 दिनों की देरी वाले 10,000 रुपये तक के लोन में 2.16 प्रतिशत डिफॉल्ट है। इसके मुकाबले 50,000 रुपये से ज्यादा के लोन में डिफॉल्ट कम है। 31 से 90 दिनों की देरी के लिए यह 1.35 प्रतिशत है और 91 से 180 दिनों की देरी के लिए 1.16 प्रतिशत है।

रिटेलर्स की समस्या

एक और इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने बताया कि जब ब्रांड नो-कॉस्ट श्वस्थ्ह देते हैं, तो फाइनेंस का खर्च वे खुद उठाते हैं। यह खर्च वे प्रोडक्ट की कीमत में ही जोड़ देते हैं। उन्होंने कि ब्याज कवर करने के लिए ब्रांड का खर्च आठ महीने की ईएमआई के लिए 6 प्रतिशत से लेकर कुल नो-कॉस्ट ईएमआई स्कीम के लिए 8 प्रतिशत तक हो सकता है। अगर कोई नबीएफसीजीरो इंटरेस्ट, जीरो डाउन पेमेंट और कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं लेती है, तो ब्रांड को प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 11 प्रतिशत खर्च करना पड़ता है।

सबसे ज्यादा डिफॉल्ट

आमतौर पर कुल कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन का लगभग एक चौथाई हिस्सा स्मार्टफोन खरीदने के लिए होता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ज्यादातर लोन 10,000 रुपये से 25,000 रुपये के बीच होते हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे लोग 25,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के फोन भी किस्तों पर ज्यादा ले रहे हैं। छ्त्रह्लस्न की जून 2025 में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन का कुल बकाया एफवाय24 में 32.7 प्रतिशत बढ़ा था। लेकिन एफवाय25 में यह घटकर 14.5 प्रतिशत रह गया है। डिफॉल्ट होने वाले लोन की संख्या भी बढ़ी है। 31 से 90 दिनों तक की देरी वाले लोन एफवाय24 में 1.2 प्रतिशत थे, जो एफवाय25 में बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गए हैं। डिफॉल्ट होने पर रिटेलर्स पर भी दबाव डाल रही हैं। दिल्ली के एक रिटेलर ने बताया कि अगर कोई ग्राहक भुगतान नहीं कर पाता है, तो नबीएफसी रिटेलर के ऑपरेशनल कोड को ब्लॉक करने की धमकी दे सकती हैं। कभी-कभी हम डिफॉल्ट करने वाले ग्राहकों की तरफ से शुरुआती न्यूनतम भुगतान भी कर देते हैं, ताकि बिजनेस खोने का खतरा न हो।

सोना बेचो नहीं, बस गिरवी रखो... भारतीयों में बन रहा ये ट्रेंड

यह जुलाई तक 122 प्रतिशत बढ़कर 2.94 लाख करोड़ का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में हाल के कुछ समय में बंपर तेजी आई है। इसका असर गोल्ड लोन मार्केट पर भी पड़ा है। भारत का गोल्ड लोन मार्केट रिकॉर्डतोड़ बढ़ोतरी देख रहा है। यह जुलाई 2025 तक 122 प्रतिशत बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इन्वेस्टयादन्या के संस्थापक परिमल अडे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर कई इनसाइट शेयर किए। उन्होंने बताया कि भारतीय ऊंची सोने की कीमतों और आसान शॉर्ट-टर्म क्रेडिट का फायदा उठा रहे हैं। वे सोना बेचने के बजाय उसे गिरवी रख रहे हैं। यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ता रिटेल लोन सेगमेंट बन गया है।

अडे ने अपनी पोस्ट में बताया कि भारतीय सोना बेचने के बजाय उसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा, जब सोने की कीमतें चमकती हैं तो भारतीय बेचते नहीं हैं - वे लाभ उठाते हैं। गोल्ड लोन परिवार के सोने से भावनात्मक संबंध तोड़े बिना लिक्विडिटी प्रदान करते हैं। इस उछाल के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, सोने की बढ़ती कीमतें। इससे गिरवी रखे गए सोने का मूल्य बढ़ गया है। दूसरा, आरबीआई के आसान क्रेडिट नियम। इससे बैंकों और एनबीएफसी को सोने के बदले ज्यादा फ्लेक्सिबल तरीके से लोन देने की अनुमति मिली है। इस वजह से ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के उधारकर्ताओं में शॉर्ट-टर्म लिक्विडिटी की भूख बढ़ी है। यह पैसा व्यापार की जरूरतों, आपात स्थितियों या व्यक्तिगत खर्चों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अडे ने प्रमुख बैंकों की गोल्ड लोन दरों की तुलना भी साझा की है।

उदाहरण देते हुए अडे ने बताया कि पीएनबी से एक साल के लिए 1 लाख रुपये के कर्ज पर ईएमआई लगभग 8,700 रुपये प्रति माह से शुरू हो सकती है।

बड़े बदलाव का संकेत है यह ट्रेंड

गोल्ड लोन भारत के अनौपचारिक कर्ज बाजारों में लंबे समय से लोकप्रिय रहे हैं। लेकिन, हालिया उछाल संस्थागत उधार की ओर एक मुख्यधारा के बदलाव का संकेत देता है। वित्तीय विशेषज्ञ इसे बढ़ती वित्तीय समावेशन और निष्क्रिय संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल का संकेत मानते हैं। अडे ने कहा, कभी-कभी, यह अपना सोना बेचो नहीं होता है - यह अपने सोने को अपने लिए काम कराओ होता है।

दिवाली का असर... मलयेशिया-सिंगापुर से महंगी लखनऊ

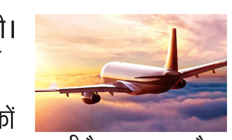

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली के करीब आते ही विमानन कंपनियों ने ग्राहकों की जेब काटनी शुरू कर दी है। आलम यह है कि उत्तर भारत के प्रमुख शहरों में दिल्ली और मुंबई से यात्रा करने के लिए 30,000 रुपये तक किराया लिया जा रहा है। जबकि थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर और हांगकांग के लिए महज 17,000 रुपये में ही आप जा सकते हैं। विमानन कंपनियों की इस लूट से ग्राहकों को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ रही है। विभिन्न ट्रैवल वेबसाइटों से चेक करने पर पता चला कि 18 अक्तूबर को दिल्ली से लखनऊ का किराया 13,618 से 18,738 रुपये है। जबकि 9 अक्तूबर को यही किराया 4,200 रुपये है। पटना के लिए 18 अक्तूबर को 15,248 से 26,072 रुपये किराया है, जो 9 अक्तूबर को 4,900 रुपये है। मुंबई से लखनऊ का 18 अक्तूबर का किराया 17,401 से 29,466 रुपये है जो 9 अक्तूबर को 7,202 रुपये है। बंगलूरू से लखनऊ का किराया इसी दौरान 16,429 से 23,656 रुपये है। आम दिनों में यह किराया 7,288 रुपये होता है। इसी तरह मुंबई से अहमदाबाद का किराया 18 अक्तूबर को 5,078 रुपये से 13,936 रुपये तक हो जाता है। सामान्य दिनों में यह 2,500 से 3,500 रुपये तक होता है। भोपाल के लिए 18 तारीख को 14,500 रुपये से 18,048 रुपये चुकाने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6,099 रुपये होता है। मुंबई से जयपुर के लिए दिवाली के समय आपको 18,352 से 26,038 रुपये देने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6 से 7 हजार रुपये होता है।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गिरावट, 4 प्रतिशत लुढ़का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सोमवार को 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट एडिशनल एडस्टेड ग्रॉस रेवन्यू केस की सुनवाई से जुड़ी खबर की वजह से देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले में 13 अक्टूबर को सुनवाई होगी। बीएसई में वोडाफोन आइडिया के शेयर 8.93 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8.35 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। बता दें, आज सुप्रीम कोर्ट में एजीआर रद्द करने वाली वोडाफोन आइडिया का याचिका पर सुनवाई होगी। वोडाफोन आइडिया ने 2017-17 तक के एजीआर को रद्द करने की मांग की है। 26 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने वोडाफोन आइडिया एजीआर केस पर सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की तारीख को तय किया था। पिछली सुनुवाई पर सॉलिस्टर जनरल तुशार मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय से इस याचिका का जवाब देने के लिए समय मांगा था। तब टेलीकॉम कंपनी ने अतिरिक्त समय मांगने पर विरोध नहीं किया था। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम ने वोडाफोन आइडिया से 9450 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एजीआर की डिमांड की है।

टाटा ग्रुप का आईपीओ, साल का सबसे बड़े इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी।
टाटा ग्रुप की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी टाटा कैपिटल का आईपीओ आज यानी 6 अक्टूबर से खुल जाएगा। निवेशक 8 अक्टूबर तक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ कुल 15,511 करोड़ रुपये का है। इसमें शेयरों की कीमत 310 रुपये से 326 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। इस आईपीओ में 6,846 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही, मौजूदा शेयरधारक 8,665 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे, जिसे ऑफर फॉर सेल (ह्रस्नस्) कहते हैं। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।

जीएमपी सुस्त

टाटा कैपिटल के आईपीओ को ग्रे मार्केट में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके बाद भी एक्सपर्ट की नजर में यह आईपीओ मजबूत बना हुआ है। अभी इसका जीएमपी 2.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 7.50 रुपये है। यानी इसके शेयर 333.50 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ के साथ टाटा कैपिटल भारत के शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी नबीएफसी लिस्टिंग में से एक बन जाएगी। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी विविध नबीएफसी है। 30 जून, 2025 तक, कंपनी का कुल सकल ऋष्ण 2.33 लाख करोड़ रुपये था। आनंद राठी के विश्लेषकों ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब- लॉन्ग टर्म रेटिंग दी है।

कंपनी है प्रॉफिट में

वित्तीय वर्ष 2023 से 2025 के बीच कंपनी के ऋण पोर्टफोलियो में 37.3 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी हुई। खुदरा और एसएमई लोन में अच्छी वृद्धि के कारण यह संभव हुआ। वित्तीय वर्ष 2025 में, कंपनी ने 3,665 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू 28,313 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 56 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का शुद्ध ब्याज मार्जिन (5.2 प्रतिशत था। सकल और शुद्ध स्टेज 3 ऋण अनुपात क्रमशः 2.1 प्रतिशत और 1 प्रतिशत थे।

उन्होंने कहा कि टाटा कैपिटल टाटा ग्रुप की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी है। इसके पास ऋष्ण उत्पादों का सबसे व्यापक पोर्टफोलियो है। साथ ही, इसका वितरण नेटवर्क भी मजबूत है, जिसमें भौतिक शाखाएं और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों शामिल हैं।

अमीरों की लिस्ट में उथल-पुथल, अडानी, अंबानी और वॉरेन बफे का घटा रुतबा

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल हुई है। अंबानी, अडानी और वॉरेन बफे का रुतबा घटा है। वहीं, एलन मस्क, लैरी उलिसन, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन और जेनसेन हुआंग ने दौलत गंवाई है। बीते हफ्ते शुक्रवार को एलन मस्क से लेकर जेनसेन हुआंग तक दिग्गज अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजा लिस्ट के मुताबिक एलन मस्क की संपत्ति शुक्रवार को 4.41 अरब डॉलर घटकर 448 अरब डॉलर रह गई है। लैरी एलिसन ने 2.92 अरब डॉलर गंवाया और उनका नेटवर्थ 345 अरब डॉलर पर आ गया है। मार्क जुकरबर्ग 250 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर हैं और इनकी संपत्ति में 5.65 अरब डॉलर की सेंध लगी है। जेफ बेजोस को 2.51 अरब डॉलर का झटका लगा है। अब इनके पास 243 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। लैरी पेज 99.5 मिलियन डॉलर गंवाए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 216 अरब डॉलर रह गई है। जबकि, सर्गी ब्रिन 90.3 मिलियन डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 202 अरब डॉलर है। जेनसेन हुआंग, जो दुनिया के 10वें अमीर व्यक्ति हैं, ने 1.41 अरब डॉलर गंवाए हैं। अब इनकी संपत्ति 163 अरब डॉलर है। वॉरेन बफे दुनिया के टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अब बफे 11वेंनंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ 151 अरब डॉलर है। मुकेश अंबानी एक पायदान नीचे लुढ़क कर 18वें से 19वें स्थान पर आ गए हैं।

स्विट्जरलैंड में भारतीयों की ऐसी बेइज्जती: देख कर डॉक्टर का दिल रो पड़ा

वह परिवार के साथ वहां छुट्टी मनाने गया था

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय अपनी हरकतों की वजह से विदेश में अक्सर चर्चा में रहते हैं। भारत का एक डॉक्टर यूरोपीय देश स्विटजरलैंड गया था, जहां की राजधानी बर्न है और वहां की मुद्रा स्विस फ्रैंक है। वह परिवार के साथ वहां छुट्टी मनाने गया था। डॉक्टर जिस होटल में ठहरा था, वहां कमरे में दरवाजे के पीछे एक नोटिस लगा देखा। यह नोटिस खास कर भारतीय पर्यटकों को संबोधित था। इसमें जो कुछ लिखा था, उसे पढ़ कर डॉक्टर चिंतित हो गया। फिर उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका जिक्र किया। उनका एक्स पोस्ट खूब पढ़ा जा रहा है और यूजर्स इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

क्या था पोस्ट

स्विटजरलैंड में एक होटल में रुकने का अनुभव बताते हुए एक डॉक्टर का पोस्ट ङ्ग पर पोस्ट किया है। उन्होंने बताया कि कैसे होटल में लगे एक नोटिस में खास तौर पर भारतीय पर्यटकों को संबोधित किया गया था। इस नोटिस में उन्हें बुफे का खाना अपने पर्स में न रखने की सलाह दी गई थी। डॉक्टर अर्शित धामनस्कर ने अपने पोस्ट में कहा कि इस संदेश ने उन्हें दुखी कर दिया। उन्हें दुख इसकी सामग्री से नहीं, बल्कि जिस तरह से इसे लिखा गया था, उससे हुआ।

क्या लिखा डॉक्टर ने

इस घटना को याद करते हुए, डॉक्टर धामनस्कर ने लिखा, कुछ साल पहले, मैं अपने परिवार के साथ स्विट्जरलैंड में था। होटल के कमरे के दरवाजे के पीछे एक लंबा संदेश था, जिसे संक्षेप में ऐसे समझा जा सकता है- बुफे की चीज़ें अपने पर्स में पैक न करें। अगर आप चाहते हैं, तो हम आपको अलग से पैक किए गए खाने के सामान दे सकते हैं। डॉक्टर ने आगे कहा कि होटल के बुफे को अक्सर अनलिमिटेड बताया जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे सचमुच ले लिया जाए। उन्होंने लिखा, यह अनलिमिटेड है, अनलिमिटेड नहीं कि आप इसे अपने बैग में भरकर जीवन भर के लिए मुफ्त खाना ले लें। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह इसके पीछे के तर्क को समझते थे।

चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों पर सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और दक्षिण अमेरिका के दो देशों चिली और पेरू के बीच अगले दौर की बातचीत क्रमश- अक्तूबर और नवंबर में होगी। सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्तूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है। भारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते

(सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाओं, निवेश बढ़ाने और सहयोग करने, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की एक व्यापक शृंखला को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार मामूली है। 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा है। चिली से सबसे बड़े आयात लगभग 1.58 अरब डॉलर के खनिज हैं। चिली से आयातित अन्य उत्पादों में तांबा और रसायन भी शामिल हैं। चिली एलएसी (लैटिन अमेरिकी देशों) क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

0 से 4.44 करोड़... कॉर्पोरेट करियर छोड़ यहां लगा दिया दिमाग

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी है दीपक सभरवाल की। वह दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने बेहद सफल और आकर्षक कॉर्पोरेट करियर छोड़कर ऑर्गेनिक फार्मिंग को अपनाया। उनका एग्रीकल्चर का कोई बैकग्राउंड नहीं था। यानी इसमें उनकी शून्य से शुरुआत हुई। दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम,आईसीएमए और एमबीए की डिग्री वाले दीपक ने टाटा, पेप्सी और जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) जैसी दिग्गज कंपनियों में दो दशकों से ज्यादा समय तक काम किया। लेकिन, नियति उन्हें कॉरपोरेट मीटिंग्स और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) से दूर राजस्थान के पुष्कर में अरावली की पहाड़ियों के बीच ले गई। वहां उनकी कुछ खेती थी। आज वह अर्थी टेल्स ऑर्गेनकि के संस्थापक और सीईओ हैं। यह देश में केमिकल मुक्त खेती और प्रोसेसिंग के लिए काम कर रही है। आइए, यहां दीपक सभरवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। दीपक के इस जुनून को स्थायी मिशन में बदलने के पीछे एक गहरा भावनात्मक और नैतिक झटका था। पुष्कर के खेत पर काम करते समय उन्होंने एक कीटनाशक के डिब्बे पर बड़े अक्षरों में जहर लिखा देखा। उन्हें एहसास हुआ कि वह मिट्टी में जहर मिला रहे थे। इस जहर में उगाई गई उपज अंत में किसी के घर पहुंच रही थी। इसी बीच, उनकी मां को कैंसर का पता चला। इससे दीपक पूरी तरह टूट गए। इन दोनों घटनाओं ने उनके मन में भोजन और स्वास्थ्य के बीच के बिगड़े हुए संबंध को स्पष्ट कर दिया। इसी अनुभव ने उन्हें 2017 में 20 साल के कॉर्पोरेट करियर को छोड़ने और दिसंबर 2018 में अपनी कंपनी की नींव रखने के लिए प्रेरित किया।

वो टर्निंग पॉइंट जिसने बदल दी जिंदगी

लाइफ का टर्निंग पॉइंट

दीपक सभरवाल का कॉर्पोरेट जगत को छोड़ने का फैसला अचानक नहीं था। अलबत्ता, यह एक सहज आकर्षण का नतीजा था। 2012 में जीई में काम करते हुए उनका ध्यान पुष्कर, राजस्थान में अरावली रेंज की तलहटी में स्थित अपनी हरी-भरी जमीन की ओर गया। इस जगह से उन्हें गहरा लगाव हो गया और उन्होंने वहां कुछ करने का फैसला किया। यह उनकी लाइफ का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अगले दो साल तक वह अपनी प प्रतिशती सोनल के साथ हर वीकेंड दिल्ली से पुष्कर तक 420 किलोमीटर की लंबी बस यात्रा करते थे।

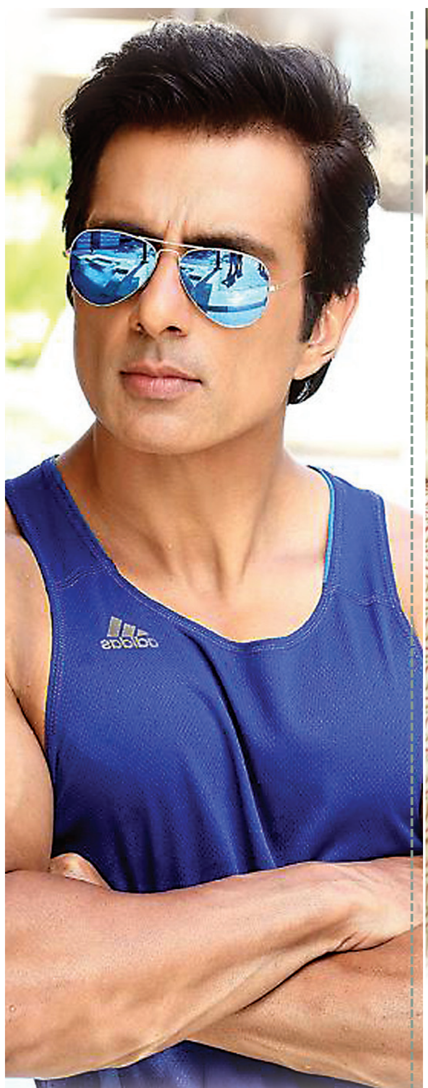

हजार करोड़ की फिल्म का हिस्सा होना मायने नहीं रखता...

अभिनेता सोनू सूद ने अपने काम और करियर को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिर्फ एक हजार करोड़ कमाने वाली फिल्म का हिस्सा होने पर ही आप असली हीरो नहीं हैं। अगर आप किसी की जान बचा रहे हैं, तो भी आप असली हीरो हैं।

किसी अनजान चेहरे पर मुस्कान लाना है असली सफलता

सोनू सूद ने मीडिया से बात करते हुए करियर और अपने काम को लेकर बात की। इस दौरान एक्टर ने कहा कि करियर के लिहाज से आप जो भी कमाते हैं, समाज को वापस देना बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि जब आप किसी अनजान चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो असली सफलता यही होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप 1000 करोड़ रुपये की फिल्म का हिस्सा हैं या कुछ और कर रहे हैं। अगर आप किसी की जिंदगी बदल सकते हैं, किसी की जान बचा सकते हैं, तो आप एक सच्चे हीरो हैं।

सोनू सूद अक्सर सामाजिक कार्यों में लगे रहते हैं। कोविड के दौरान उन्होंने कई लोगों की मदद की थी। इस दौरान उनके एनजीओ ने कई लोगों को उनके घर पहुंचाने में भी सहयोग किया था। इसके अलावा हाल ही में जब पंजाब में बाढ़ आई थी, तब भी सोनू सूद पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए थे। इसके अलावा भी अगर कोई उन्हें अपनी समस्या बताता है, तो वो उसकी मदद का प्रयास करते हैं।

किसानों पर एक फिल्म बना रहे हैं सोनू

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनू सूद आखिरी बार इसी साल आई फिल्म फतेह में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। अब सोनू किसानों पर एक फिल्म बना रहे हैं। इसको लेकर उन्होंने कुछ दिन पहले जानकारी दी थी।

चांदनी बार सीक्वल कास्टिंग

तृप्ति, शरवरी और अनन्या मानी जा रही हैं टॉप कंटेंडर्स

फिल्ममेकर मधुर भंडारकर की चांदनी बार, जो 2001 में रिलीज़ हुई थी, ने हाल ही में अपनी 24वीं वर्षगाँठ मनाई। इस मौके पर इसके सीक्वल का ऐलान किया गया है। समाज की कटु सच्चाइयों और मुंबई के डांस बार की ज़िंदगी को बिना किसी लाग-लपेट के दिखाने वाली इस क्लासिक फिल्म ने तब्बू को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था और भारतीय सिनेमा को एक नया आयाम दिया था। अब चांदनी बार री-ओपन्स, जिसे संदीप सिंह प्रोड्यूस करेंगे और अजय बहल डायरेक्ट करेंगे, एक बार फिर उसी संवेदनशीलता के साथ शहर की कड़वी हकीकत को सामने लाने का वादा कर रही है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस समय फिल्म की लीड कास्टिंग को लेकर है। यह किरदार, जिसे तब्बू ने आइकॉनिक मुमताज़ के रूप में निभाया था, अब किसे मिलेगा, यही सबसे बड़ा सवाल है। बताया जा रहा है कि तीन युवा और टैलेंटेड अभिनेत्रियाँ रेस में हैं, जिसमें शरवरी वाघ, अनन्या पांडे और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। इंडस्ट्री में बहस छिड़ी हुई है कि इस इमोशन-ड्रिवन रोल के लिए सही चेहरा कौन होगा। क्या यह गहन किरदार निभाने की क्षमता रखने वाली शरवरी वाघ को मिलेगा? या फिर मेकर्स एक फ्रेश और मॉडर्न अप्रोच के साथ अनन्या पांडे को चुनेंगे? वहीं, हाल ही में अपनी लोकप्रियता और दमदार अभिनय से पहचान बनाने वालीं तृप्ति डिमरी भी एक मज़बूत दावेदार मानी जा रही हैं। यह कास्टिंग फिल्म की सफलता की कुँजी साबित हो सकती है, क्योंकि चुनी गई अभिनेत्री को न केवल ओरिजिनल फिल्म की विरासत को सम्मान देना होगा, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए कहानी को नए तरीके से गढ़ना भी होगा।

फिल्म की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी और साल के अंत तक रिलीज़ होने की संभावना है। ऐसे में, फैन्स और इंडस्ट्री की नज़रें इसी बात पर टिकी हैं कि चांदनी बार की यह मज़बूत विरासत किस नए चेहरे को सौंपी जाएगी।

फरहान अख्तर के साथ 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी

एक्टर फरहान अख्तर के साथ धोखाधड़ी हुई है। मुंबई पुलिस ने उनके ड्राइवर नरेश सिंह और एक अन्य व्यक्ति अरुण सिंह के खिलाफ 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बिना जानकारी के एक्टर के कार्ड का इस्तेमाल कर पैसे की गड़बड़ी की। मुंबई पुलिस के मुताबिक, यह शिकायत एक्टर की मां हनी ईरानी की मैनेजर दिया भाटिया ने दर्ज कराई है। धोखाधड़ी तब सामने आई जब उन्होंने पेट्रोल के रिकॉर्ड में गड़बड़ी पाई। आरोप है कि कार की टंकी की क्षमता केवल 35 लीटर थी, लेकिन रिकॉर्ड में 62 लीटर पेट्रोल-डीजल का बिल दिखाया गया। साथ ही पेट्रोल उस गाड़ी के लिए लिया गया था, जिसे सात साल पहले बेच दिया गया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने ड्राइवर नरेश सिंह और बांद्रा झील के पास स्थित पेट्रोल पंप के एक कर्मचारी अरुण सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस पूछताछ में नरेश सिंह ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया और बताया कि फरहान के नाम से जारी कार्ड उसे 2022 में एक्टर के पूर्व ड्राइवर के जरिए मिला था। वह पेट्रोल पंप पर बिना पेट्रोल डाले ही कैश लेता था और कमीशन के तौर पर पेट्रोल पंप कर्मचारी को हिस्सा देता था। रोजाना लगभग 1000 से 1500 रुपए की यह रकम होती थी।

120 बहादुर में नजर आएंगे एक्टर

फरहान अख्तर जल्द ही फिल्म 120 बहादुर में नजर आएंगे। इसका टीजर भी जारी हो चुका है। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होगी और यह 1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित है।

मलाइका अरोड़ा के साथ नया शो लेकर आ रहे करण जौहर

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब एक नया शो लेकर आ रहे हैं। इस बार इस शो में उनके साथ अभिनेत्री व मॉडल मलाइका अरोड़ा, कॉस्ट्यूम डिजाइन मनीष मल्होत्रा भी नजर आएंगे। यह शो फैशन से संबंधित है, जहां फैशन स्टार्टअप शुरू करने वाले एंटरप्रेन्योर अपने आइडिया लेकर शो में आएंगे। जानिए कब से और कहां देख सकेंगे ये शो?

20 अक्तूबर से आएगा शो

करण जौहर, मलाइका अरोड़ा और मनीष मल्होत्रा फैशन से जुड़ा नया शो 'पिच टू गेट रिच' लेकर आ रहे हैं। शो का फॉर्मेट शॉर्क टैंक जैसा ही है। बस यहां सिर्फ फैशन स्टार्टअप से जुड़े लोग अपने आइडिया लेकर आ सकते हैं। वो पैनल को अपने आइडिया पिच करेंगे यानी सुनाएंगे और अपने स्टार्टअप के बारे में बताएंगे। जिसके बाद ये जज और गेस्ट उसमें पैसा लगाएंगे। शो के ट्रेलर को शेयर करते हुए करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जब फैशन के संस्थापक अमीर बनने के लिए पिच करते हैं, तो कचिंग-कचिंग तो लाजमी है। हॉटस्टार स्पेशल्स, 'पिच टू गेट रिच' 20 अक्तूबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करगा।'

शो में नजर आएंगे कई सितारे

शो के ट्रेलर में करण, मलाइका और मनीष मल्होत्रा के अलावा भी कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आ रहे हैं। इनमें सारा अली खान, सैफ अली खान, अक्षय कुमार और अनन्या पांडे जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। इस शो में फैशन से जुड़े कपड़ों से लेकर जूते-चप्पल, सैंडल, पर्स और हैंड बैग्स भी शामिल हैं।

सिनेमाघरों में बनी हुई है करण की 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी'

करण जौहर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा चैप्टर 1' के सामने भी एक सधी शुरुआत की है।

कृति सेनन ने पूरी की कॉकटेल-2 की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन गुरुवार से ही सोशल मीडिया पर छाई हैं, क्योंकि एक्ट्रेस की लेटेस्ट फिल्म तेरे इश्क में का दमदार टीजर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। टीजर में प्यार, इमोशन और एक्शन तीनों देखने को मिल रहे हैं, लेकिन अब एक्ट्रेस ने एक और फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और फिल्म के रैप-अप होने की जानकारी फैंस के साथ शेयर की है। कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। एक्ट्रेस ने फिल्म कॉकटेल-2 के इटली शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है और टीम के साथ इटली की फोटोज पोस्ट की हैं। फैंस भी एक्ट्रेस को आगामी फिल्म के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कि कृति की धनुष के साथ आ रही फिल्म तेरे इश्क में में एक्ट्रेस ने मुक्ति नाम की लड़की का रोल प्ले किया है। फिल्म तेरे इश्क में को सोशल मीडिया पर खूब सराहा जा रहा है। हालांकि अभी तक फिल्म का ट्रेलर रिलीज नहीं हुआ है, लेकिन फैंस बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर और इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

कांतारा चैप्टर 1 फिल्म में नई हूं, पर ऋषभ शेट्टी ने मेरे ऊपर कोई दबाव नहीं डाला

रुक्मिणी वसंत साउथ में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में हैं। कोविड में आई कांतारा की सुपर सक्सेज के बाद अब इस फिल्म में रुक्मिणी एक न्यू एंट्री हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित ये एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी के कई पन्नों को खोल रही हैं।

आप एक ऐसे वीर कर्नल की बेटी हैं, जिन्हें 2007 में इंडो-पाक के उरी अटैक में शहादत प्राप्त हुई थी, वो दौर आपकी जिंदगी के लिए कैसा था?

वो समय काफी मुश्किल था। गर्व तो बहुत होता है, क्योंकि मेरे पिताजी को अशोक चक्र मिला था। हमारी सरकार और समाज ने उस शहादत को बहुत मान-सम्मान दिया और सभी ने हमारा बहुत साथ दिया, मगर बेटी के रूप में पिता को खोने का दुख बहुत गहरा था। उस वक्त मेरी मॉम मेरी और छोटी बहन के लिए एक आधार स्तंभ साबित हुईं। उन्होंने हमें हर तरह से प्रोटेक्ट किया। उन्होंने अपने असीम दुख को हथियार बनाया और युद्ध में शहादत को प्राप्त हो चुके वीरों की पत्नियों के लिए एक एनजीओ वीर रत्न की स्थापना की। मेरे पिताजी बटालियन के कमांडिंग अफसर थे, तो इतनी सीनियर पोजीशन में कर्नल टेरर अटैक पर मैदाने-जंग में नहीं उतरते। मगर पिताजी गए, तो जब वे शहीद हुए, तो मीडिया में काफी चर्चा हुई थी। उस शोक के समय में मेरी मां के मन में समाज सेवा की जो भावना थी, उसने बहुत ताकत और साहस दिया।

आज आप स्वयं एक आत्मनिर्भर और मजबूत लड़की बन चुकी हैं, अपनी मम्मी के लिए ऐसा क्या कर पाती हैं, जिससे उन्हें खुशी मिले?

मेरी मम्मी को मटेरियलिस्टिक चीजें तो पसंद आती हैं, मगर इतनी ज्यादा भी नहीं कि वे बहुत खुश हो जाएं। वो तो कभी किसी चीज की मांग भी नहीं करतीं। मगर मुझे एक बात पता है कि मेरी मम्मी को उनके साथ बिताया हुआ वक्त सबसे ज्यादा सुकून और खुशी देता है, तो मैं और मेरी बहन जब भी मौका मिलता है, उन्हें वक्त देते हैं। आज कल वे अपनी मम्मी के साथ-साथ मेरी छोटी बहन की देखभाल में काफी व्यस्त हैं, तो मैं उन्हें अपनी शूटिंग पर बुला लेती हूं और फिर उनको सोने, खाने, पीने और मसाज आदि के लिए कहती हूं, जिससे मैं उन्हें पैंपर कर सकूं।

आपको अपने आस-पास लड़कियों को लेकर सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

मुझे जो सबसे ज्यादा बात परेशान करती है, वो है कि लड़कियों को एक समान मौके नहीं मिलते। सबसे पहले तो लड़कियां शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित रह जाती हैं, वो बहुत बुरा लगता है, फिर दहेज को लेकर लड़कियों के साथ होने वाली हिंसा और प्रताड़ना भी बहुत विचलित करती है।

कांतारा चैप्टर 1 में न्यू एंट्री के रूप में कितना प्रेशर महसूस कर रही हैं?

एक कलाकार के रूप में हम बॉक्स ऑफिस का प्रेशर तो महसूस नहीं करते मगर अपनी भूमिका में सशक्त होने का दबाव जरूर रहता है। मैं इस टीम की नई एंट्री हूं, तो शुरुआत में प्रेशर था कि यदि कुछ भी गड़बड़ होता है, तो क्या वो मेरी वजह से माना जाएगा? तो मुझे वो बहुत डर लग रहा था, मगर हमारी टीम में रिषभ (हीरो-निर्देशक रिषभ शेट्टी) सर समेत सारी कास्ट और क्रू में से किसी ने भी मुझ पर वो दबाव नहीं डाला कि फर्स्ट पार्ट को इतनी ख्याति मिली, तो इस पार्ट को मिलनी चाहिए। टीम ने इस फिल्म को एक इंडिपेंडेंट फिल्म के रूप में ही ट्रीट किया।

एक अभिनेत्री के रूप में आप शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति से कब गुजरीं?

कई बार, इसी फिल्म में। मैं इस फिल्म में एक प्रिंसेज वॉरियर की भूमिका में हूं, तो फिल्म में एक्शन बहुत था और मैं कई बार चोटिल हुई। एक बार तो एक एक्शन सीन में मेरा नाखून ही उखड़ गया था, जो बहुत ही दर्दनाक था। मगर शूटिंग तो करनी ही थी।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ क्लीन स्वीप किया

तीसरा टी-20 मुकाबला 6 विकेट से जीता, सैफ हसन ने नाबाद अर्धशतक लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को टी-20 सीरीज में 3-0 से हरा दिया। शारजाह में रविवार को खेले गए तीसरे मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। अफगानिस्तान टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बना सकी। 144 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम ने 18 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। बांग्लादेश के लिए नाबाद अर्धशतक लगाने वाले सैफ हसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अफगान के बैटर्स बड़ी पारी नहीं खेल सके

अफगानिस्तान के लिए दरवेश अब्दुल रसूली ने 29 गेंद पर 32 रन बनाए। वे टॉप स्कोरर रहे। सेदिकुल्लाह अटल ने 28 और मुजीब उर रहमान ने 23 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद सैफूद्दीन ने 3 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए। नसूम अहमद और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट लिए। शोरिफूल इस्लाम और रिशाद हुसैन को 1-1 विकेट मिला।

सैफ हसन प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए- बांग्लादेश के लिए सैफ हसन ने नाबाद अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 गेंद पर 7 छक्के और 2 चौके की मदद से 64 रन बनाए। तंजीद हसन ने 33 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट लिए। अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 3 ओवर में 12 रन देकर 1 विकेट लिए। राशिद खान ने 4 ओवर में 13 रन दिए लेकिन विकेट नहीं ले सके।

पहले एशिया कप, अब वर्ल्ड कप संडे बना पाकिस्तानियों के लिए बैड डे

टीम इंडिया ने चार बार सिखाया सबक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वूमेन्स ओडीआई में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है. भारतीय टीम की महिला वर्ल्ड कप 2025 में ये लगातार दूसरी जीत रही. अब भारतीय टीम 9 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका का सामना करने जा रही है.

भारत पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को क्रिकेट के मैदान पर भी लगातार परास्त कर रहा है. अब आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 88 रनों से धो दिया. 5 अक्टूबर (रविवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के सामने 248 रनों का टारगेट सेट किया था. ये टारगेट पाकिस्तानियों के लिए पहाड़ सरीखा साबित हुआ. पाकिस्तान की पूरी टीम 43 ओवरों में 159 रनों पर ही ढेर हो गई. देखा जाए तो भारत ने बैक टू बैक चार रविवार (संडे) को पाकिस्तानी टीम के खिलाफ मुकाबले जीते हैं. पाकिस्तान के लिए हर रविवार किसी दुःस्वप्न से कम नहीं रहा है. 14 सितंबर, 21 सितंबर और 28 सितंबर- इन तीनों तारीखों को भारत ने मेन्स एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को पटखनी दी. अब, 5 अक्टूबर को भारतीय टीम ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात दिया. यानी भारत ने लगातार चौथे रविवार जीत का परचम लहराया है. 14 सितंबर को भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप 2025 के ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से परास्त किया. फिर 21 सितंबर को पाकिस्तानी टीम भारत के हाथों सुपर-चार मुकाबले में 6 विकेट से पिटी. इसके बाद 28 सितंबर को एशिया कप के खिताबी मुकाबले में भी पाकिस्तान पर भारत की जीत की मुहर लगी. भारत ने पाकिस्तान को 2 गेंद बाकी रहते 5 विकेट से हराकर एशिया कप टूर्नोमेंट कुल 9वीं बार जीता.

रोहित-विराट को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा...

● ROKO के वनडे फ्यूचर पर इस क्रिकेटर की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान 4 अक्टूबर को किया गया. टी20 टीम में तो ज्यादा फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन वनडे टीम बदली-बदली नजर आ रही है. सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीन ली गई है. रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है. इसके अलावा श्रेयस अय्यर को वनडे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है.वैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली 15 सदस्यीय ओडीआई स्क्वॉड का हिस्सा हैं. रोहित-कोहली आखिरी बार इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खेले थे. उसके बाद से ये दोनों प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं. टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि अगर रोहित और विराट 2027 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार क्रिकेट खेलना होगा. इरफान का मानना है कि सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि मैच फिटनेस बनाए रखना जरूरी है.

न्यू बॉल स्टार क्रांति गौड़

जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच में रचा इतिहास

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर शिकस्त दी। कोलंबो में रविवार को खेले गए मुकाबले में क्रांति गौड़ मैच की नायिका रहीं। उन्होंने 3 विकेट लेने के अलावा बल्ले से 8 रन का योगदान दिया। आर प्रेमदासा स्टेडियम में क्रांति गौड़ ने 10 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 47 डॉट बॉल फेंकी। यह 2020 के बाद से महिला वनडे मैच में किसी भारतीय तेज गेंदबाज की ओर से फेंकी गई सबसे ज्यादा डॉट बॉल रहीं। उनके अलावा, रेणुका सिंह ने 45 डॉट गेंदें डालीं। रेणुका ने इस मैच में 10 ओवर फेंके, जिसमें 29 रन दिए। हालांकि, वह कोई विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इन दोनों ही गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ इस हाई-वोल्टेज मैच में मिलकर 92 डॉट बॉल फेंकी। यह साल 2020 के बाद किसी भी वनडे में भारत की महिला ओपनिंग गेंदबाजों की ओर से संयुक्त रूप से सर्वाधिक डॉट बॉल फेंकने का भी रिकॉर्ड है। साल 2021 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ मे झूलन गोस्वामी और राजेश्वरी गायकवाड़ की जोड़ी ने भी इतनी ही डॉट गेंदें फेंकी थीं।

यह 22 वर्षीय क्रांति गौड़ के वनडे करियर का नौवां मैच था। उन्होंने 11 मई 2025 को श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के इसी मैदान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था।

भले ही अपने डेब्यू मैच में क्रांति 5 ओवरों में 22 रन देने के बावजूद कोई विकेट नहीं ले सकीं, लेकिन उन्होंने अगले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 2 विकेट चटकाए।

22 जुलाई को क्रांति गौड़ अपने करियर का चौथा वनडे मैच खेल रही थीं, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 52 रन देकर 6 विकेट झटके। इंग्लैंड के विरुद्ध उसकी ही सरजमीं पर क्रांति ने तीन मुकाबलों की इस सीरीज में कुल 9 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड दौरे पर इस शानदार प्रदर्शन ने ही क्रांति गौड़ के लिए विश्व कप के रास्ते खोल दिए थे। अपने पहले ही विश्व कप मैच में श्रीलंका के विरुद्ध 41 रन देकर 1 विकेट हासिल करने वाली क्रांति गौड़ ने अगले ही मैच में नई गेंद से पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। जब क्रांति कोलंबो के मैदान पर अपना जलवा दिखा रही थीं, तो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के घुवारा गांव में लगी एक विशाल एलईडी स्क्रीन पर उनके पड़ोसी इस मैच को देख रहे थे।

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। लंका प्रीमियर लीग के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा। इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी। शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

पहला वर्ल्ड कप जीतने वाले क्रिकेटर बर्नार्ड जूलियन ने दुनिया को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। 1975 की विश्व चैंपियन टीम का अहम हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बर्नार्ड जूलियन ने 24 टेस्ट और 12 वनडे मुकाबलों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने जूलियन को 1975 की चैंपियन टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य बताया था, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत के साथ 10 विकेट हासिल किए।

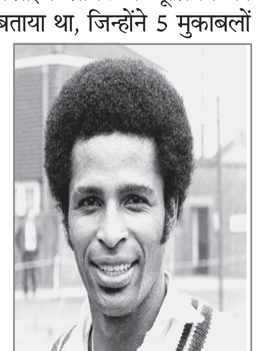

बर्नार्ड जूलियन ने उस विश्व कप श्रीलंका के विरुद्ध 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 विकेट अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में जूलियन ने 12 ओवरों में 27 रन देकर 4 विकेट निकाले थे।

खिताबी मुकाबले में जूलियन ने एक आक्रामक ऑलराउंडर के रूप में अपनी चमक बिखेरी। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध फाइनल मैच में उन्होंने 37 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए थे। हालांकि, गेंद से कोई सफलता हासिल नहीं कर सके। त्रिनिदाद और टोबैगो गार्जियन ने क्लाइव लॉयड के हवाले से लिखा, जूलियन हमेशा 100 प्रतिशत से ज्यादा देते थे। वह कभी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटते थे। मैं हमेशा बल्ले और गेंद, दोनों से उन पर भरोसा कर सकता था। उन्होंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

सानिया के बाद अब सना!

शोएब मलिक की तीसरी शादी भी खतरे में, फिर सुर्खियों में लव लाइफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान शोएब मलिक एक बार फिर अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सानिया मिर्जा से तलाक के बाद, 2024 में एक्ट्रेस सना जावेद से शादी कर सबको चौंकाने वाले मलिक अब ह्द्बश्च्श्ह्ह्द्गस्न्द्य4 तीसरी बार अलगाव की कगार पर हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शोएब और सना के रिश्ते में दरार आ चुकी है और दोनों जल्द ही अपने अलग होने की घोषणा कर सकते हैं।

सना जावेद से दूरियों की चर्चा तेज- रिपोर्ट्स के अनुसार, शोएब मलिक और सना जावेद के बीच कई महीनों से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। दोनों को हाल के कार्यक्रमों में साथ नहीं देखा गया है। एक वायरल वीडियो में दोनों के बीच दूरी साफ़ झलक रही थी, सना कैमरे से मुंह फेरती नजर आई, जबकि शोएब फैंस को ऑटोग्राफ दे रहे थे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ दूरी वाला वीडियो

वायरल क्लिप ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। वीडियो में सना और शोएब के बीच कोई बातचीत नहीं होती, जिससे अलगाव की अटकलें तेज़ हो गई। कुछ फैंस इसे सामान्य वैवाहिक बहस बता रहे हैं, जबकि कई लोगों का मानना है कि यह उनके रिश्ते में गहराई तक आई दरार का संकेत है।

सानिया मिर्जा के बाद तीसरा रिश्ता भी संकट में

शोएब मलिक ने 2024 की शुरुआत में सना जावेद से शादी की थी, जो उनकी दूसरी पत्नी सानिया मिर्ज़ा से तलाक के कुछ ही समय बाद हुई थी। अब अगर तलाक की खबरें सच साबित होती हैं, तो यह उनका तीसरा असफल रिश्ता होगा। मलिक ने सानिया के साथ 14 साल बिताए थे, जबकि सना से उनका रिश्ता एक साल भी नहीं टिक पाया।

क्रिकेट करियर पर एक नजर- 43 वर्षीय शोएब मलिक ने पाकिस्तान के लिए 35 टेस्ट, 287 वनडे और 124 टी20 मैच खेले हैं।

1 दिसंबर से लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत

भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी । लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा संस्करण 1 से 23 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऐसे में फैंस इस टी20 लीग से जबरदस्त रोमांच की उम्मीद कर रहे हैं। पहली बार लंका प्रीमियर लीग में भारतीय क्रिकेटर हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों के जुड़ने से इस लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा। लंका प्रीमियर लीग के इस संस्करण में कुल 24 मैच खेले जाएंगे। इस दौरान 20 लीग मैच और 4 नॉकआउट मुकाबले होंगे। यह सभी मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं। इस टूर्नामेंट में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेने जा रही हैं। लीग चरण के दौरान सभी फ्रेंचाइजी दो बार आमने-सामने होंगी। राउंड-रॉबिन चरण के बाद, शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। पहला प्लेऑफ मैच यानी क्वालीफायर 1 शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले में भिड़ेंगी। एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम से क्वालीफायर 2 में भिड़ेगी। क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में अपना स्थान बनाएगी, जहां उसका सामना क्वालीफायर 1 की विजेता टीम से होगा। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा, इस संस्करण का समय सावधानीपूर्वक चुना गया है, ताकि खिलाड़ियों को वैश्विक क्रिकेट वर्ष की शुरुआत में अधिकतम अनुभव और उच्च-गुणवत्ता वाला मैच अभ्यास मिल सके।

आर्कटिक ओपन में लक्ष्य और किदांबी पर होंगी नजरें, भारतीय खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

वंता, एजेंसी। इस सत्र में लक्ष्य सिर्फ हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे जहां वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत पूरे सत्र में निरंतरता की कमी से जूझते रहे हैं।

लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की नजरें मंगलवार से शुरू हो

रहे आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करने की होगी। इन दोनों भारतीय खिलाड़ियों के पास यहां मौजूदा सत्र में अपना पहला खिताब जीतने का अच्छा अवसर रहेगा। लक्ष्य को पहले दौर में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। वहीं, श्रीकांत अपने अभियान की शुरुआत रासमुस गेम्के के खिलाफ करेंगे।

हांगकांग ओपन के उपविजेता रहे हैं लक्ष्य- इस सत्र में लक्ष्य सिर्फ हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे जहां वह उपविजेता रहे थे।

नाकामुरा ने गुकेश के राजा के मोहरे को दर्शकों के बीच क्यों फेंका?

चौंकाने वाली वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। नाकामुरा के राजा के मोहरे को दर्शकों के बीच फेंकने की हरकत ने शतरंज प्रेमियों और पूर्व चैंपियनों के बीच तीखी प्रतिक्रिया पैदा की। यह घटना यह भी

दर्शाती है कि आधुनिक शतरंज में पेशेवर और मनोरंजक दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। नाकामुरा ने इवेंट को अपनी दृष्टि से यादगार बताया, वहीं आलोचक इसे खेल की गरिमा के खिलाफ मानते हैं।टेक्सास के आर्लिंगटन में आयोजित चेकमेट-भारत बनाम अमेरिका प्रदर्शनी इवेंट में रविवार को एक विवादास्पद घटना घटी। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराने के बाद उनके राजा के मोहरे को दर्शकों की ओर फेंक दिया। इस निंदनीय कदम ने सोशल मीडिया पर चर्चा और आलोचना का तूफान खड़ा कर दिया। बहुत से लोगों ने कहा कि शतरंज जैसे खेल में इस तरह की विवादित हरकतों की कोई जगह नहीं है।

दिल्ली के अस्पताल का मामला, 3 महीने में 90 वाहन चोरी

सरकारी अस्पताल बना चोरों का अड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्वी दिल्ली का जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल, जो अपनी व्यस्तता और मरीजों की भीड़ के लिए जाना जाता है, अब एक नई वजह से सुर्खियों में है। लेकिन यह वजह कोई गर्व की बात नहीं, बल्कि शर्मिंदगी का सबब है। अस्पताल की पार्किंग अब चोरों का पसंदीदा ठिकाना बन चुकी है। जुलाई से सितंबर के बीच कम से कम 90 वाहन इस अस्पताल परिसर से चोरी हो चुके हैं। यह खुलासा पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने किया है।

जेपीसी अस्पताल में चार प्रवेश द्वार, 20 से ज्यादा सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे होने के बावजूद चोरों के हौसले बुलंद हैं। डॉक्टर, कर्मचारी और मरीज सभी डर के साये में जी रहे हैं। एक सुरक्षा गार्ड ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हम हर आने-जाने वाले की जांच नहीं कर सकते। ये चोर कोई मामूली लोग नहीं, इनके पास कटर और इग्निशन टूल्स हैं। ये सब किसी संगठित गिरोह का काम लगता है।

चोरी का शिकार ज्यादातर दोपहिया वाहन यानी स्कूटर, मोटरसाइकिल और कुछ साइकिलें हैं। इन चोरियों ने अस्पताल के रोजमर्रा के कामकाज को हिलाकर रख दिया है। पीड़ितों में डॉक्टर, नर्स, कर्मचारी और मरीजों के परिजन शामिल हैं। कई लोगों ने न सिर्फ अपने वाहन खोए, बल्कि उनके साथ जरूरी मेडिकल और व्यक्तिगत दस्तावेज भी गायब हो गए।

एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने बताया कि कैसे उनकी नई-नवेली स्कूटर, जो उन्होंने कुछ महीने पहले ही खरीदी थी, अगस्त में ओपीडी गेट के पास से गायब हो गई। उन्होंने बताया, मैं ड्यूटी खत्म करके लौटा तो स्कूटर गायब थी। गार्ड्स ने कहा, उन्हें कुछ नहीं पता। अस्पताल जैसे सुरक्षित जगह पर ऐसा होगा, सोचा भी नहीं था।

गाजियाबाद के राजेश कुमार की कहानी और भी दर्दनाक है। जुलाई में अपने घायल बेटे को भर्ती करने आए राजेश ने रात में अपनी बाइक पार्किंग में खड़ी की। सुबह तक बाइक गायब थी। उन्होंने कहा, बाइक के पीछे के डिब्बे में मेरे सारे मूल और मेडिकल दस्तावेज थे। सब चोरी हो गया।

सीलमपुर के एक किडनी मरीज मोहम्मद शादाब की भी ऐसी ही कहानी है। शादाब ने निराशा भरे लहजे में कहा, मैं सरकारी अस्पताल इसलिए आया क्योंकि प्राइवेट का खर्चा नहीं उठा सकता था। लेकिन यहां मेरी इकलौती बाइक चोरी हो गई। पुलिस आई, शिकायत ली और फिर कोई खबर नहीं।

डर के साये में कर्मचारी

चोरियों की बाढ़ ऐसी है कि कई डॉक्टर और कर्मचारी अब अपनी गाड़ियां लाना ही बंद कर चुके हैं। एक सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने बताया, पिछले तीन हफ्तों से मैं मोटरसाइकिल छोड़ मेट्रो से आता हूं और स्टेशन से पैदल चलकर। लेकिन ये लंबे समय तक मुमकिन नहीं, खासकर रात की इमरजेंसी कॉल्स के लिए। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, अस्पताल में रोजाना मरीज, उनके परिजन और कर्मचारी समेत 3,000 लोग आते हैं। लेकिन पार्किंग की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। अब केवल एक ही गेट आम लोगों के लिए खुला है, जिससे गाड़ियों की भीड़ प्रवेश द्वारों के पास फैल जाती है। इससे निगरानी लगभग असंभव हो गई है। ओपीडी के पास का गार्ड रूम अब शिकायतों और चोरी की रिपोर्टों से भरा पड़ा है। पास के शास्त्री पार्क पुलिस स्टेशन में कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं। लेकिन डीसीपी (उत्तर-पूर्व) आशीष मिश्रा ने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अस्पताल प्रशासन इस समस्या को मानता तो है, लेकिन उनके पास कोई ठोस समाधान नहीं।

संक्षिप्त समाचार

पेशी के लिए ले जाना है.. जेल से कैदी को भगाने का था प्लान, दो पुलिस वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। लिस लाइन में तैनात दो सिपाही पेशी के नाम पर बंदी को भगाने के इरादे से निजी कार लेकर डासना जेल पहुंच गए। शक होने पर जेल प्रशासन ने पुलिस अधिकारियों को सूचना दी तो जांच में पुलिसकर्मियों की पोल खुल गई। इसके बाद केस दर्ज करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय जांच भी बैठाई गई है। जानकारी के मुताबिक जिला कारागार डासना से शनिवार को छह बंदियों को गौतमबुद्धनगर कोर्ट में पेशी पर जाना था। इसके लिए जेल प्रशासन द्वारा फोर्स की मांग करते हुए पुलिस लाइन के गणना कार्यालय में पत्र भेजा गया, लेकिन लाइन में पर्याप्त स्टाफ न होने के चलते आरआई द्वितीय ने फोर्स भेजने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद गणना कार्यालय में तैनात मुंशी सिपाही सचिन कुमार और राहुल कुमार अपनी योजना के मुताबिक जेल से भेजे गए प्रपत्र की कार्बन कॉपी लेकर निजी कार से जिला कारागार पहुंच गए। वहां दोनों ने प्रपत्र को दिखाते हुए एक बंदी बिजेंद्र को कोर्ट ले जाने की बात कही। जेल प्रशासन ने सभी छह बंदियों को तलबी पर ले जाने की बात कही तो वह सिर्फ बिजेंद्र को ही ले जाने की बात पर अड़ गए। इस पर जेल प्रशासन को शक हुआ और जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ को अवगत कराया। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को डासना जेल और पुलिस लाइन भेजा तो दोनों सिपाहियों की पोल खुल गई, जिसके बाद शनिवार रात उन्हें हिरासत में ले लिया गया। जांच में सामने आया कि सिपाही सचिन कुमार और राहुल कुमार गैर कानूनी तरीके से बंदी को लेने डासना जेल पहुंचे थे। जबकि पुलिस लाइन के आरआई द्वारा इस काम के लिए न तो सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई थी और न ही उन्हें इस काम के लिए कोई सरकारी वाहन मुहैया कराया गया था। आरोपी सिपाही गणना कार्यालय में तैनाती का फायदा उठाकर जेल से भेजे गए प्रपत्र की कार्बन कॉपी ले गए थे। मामले की जांच के बाद अधिकारियों ने दोनों सिपाहियों को निलंबित कर दिया। साथ ही आरआई द्वितीय चंद्रभान सिंह की शिकायत पर दोनों के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने शनिवार देर रात दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार भी कर लिया।

बारापुला से आश्रम तक.. दिल्ली की 9 सड़कों का होगा कायाकल्प, खास प्रोजेक्ट शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्लीकी सड़कों को चमकाने और यात्रियों को राहत देने के लिए पीडब्ल्यूडी ने कमर कस ली है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व दिल्ली की नौ प्रमुख सड़कों को नया जीवन देने के लिए 61.5 करोड़ रुपये की भारी-भरकम परियोजना शुरू हो रही है। इसमें बारापुला फेज-2 के ऊंचे गलियारे से लेकर आश्रम चौक को जोड़ने वाली व्यस्त सड़कें शामिल हैं। तो चलिए, जानते हैं कि इस बार क्या खास होने वाला है। दिल्ली की सड़कों पर गड्ढे, दरारें और ट्रैफिक जाम की समस्या से हर कोई परेशान है। पीडब्ल्यूडी ने इस दर्द को समझते हुए इन सड़कों को मजबूत करने और दोबारा रीकार्पेट करने का प्लान बनाया है। अगले आठ महीनों में ये सड़कें नई चमक के साथ तैयार होंगी। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए बोलियां मंगाई जा चुकी हैं और 18 अक्टूबर तक ठेकेदारों का चयन हो जाएगा। इसके अलावा, कैप्टन गौर मार्ग (2.15 किमी, लागत 8.82 करोड़), मदर डेयरी रोड (0.25 किमी), और धर्मवीर मान मार्ग (0.45 किमी) भी इस सूची में शामिल हैं। ये सड़कें न सिर्फ दिल्लीवालों के लिए, बल्कि नोएडा और अंतरराज्यीय ट्रैफिक के लिए भी बेहद अहम हैं। 2018 में खुला बारापुला फेज-2 का 2 किमी लंबा ऊंचा गलियारा सराय काले खां से दक्षिण दिल्ली को जोड़ता है। लेकिन समय के साथ इसकी सतह पर गड्ढे और दरारें उभर आई हैं। पीडब्ल्यूडी अब इसे ठीक करने के लिए कोल्ड मिलिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा। पुरानी सतह को हटाकर नई डामर परत बिछाई जाएगी, ताकि यात्रा फिर से सुगम हो सके। रात में होगा काम, ट्रैफिक पर कम असर पीडब्ल्यूडी ने साफ किया है कि सड़कों की मरम्मत का काम चरणबद्ध तरीके से होगा।

सोशल मीडिया पर जश्न मनाना गुनाह नहीं... हाईकोर्ट ने दी आरोपी को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। जमानत मिलने के बाद सोशल मीडिया पर उत्सव का माहौल बनाना अब अपने आप में जमानत रद्द करने का कारण नहीं होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में साफ किया है कि जब तक सोशल मीडिया पोस्ट या वीडियो में शिकायतकर्ता के खिलाफ स्पष्ट धमकी या डराने की मंशा न दिखे, तब तक ये जमानत रद्द करने का आधार नहीं बन सकते।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज रविंदर दुदेजा ने एक याचिका को खारिज करते हुए यह बात कही। ये याचिका जफीर आलम नाम के शिकायतकर्ता ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने नरेला इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में आरोपी मनीष की जमानत रद्द करने की मांग की थी। मनीष पर आईपीसी की धारा 436, 457, 380 और 34 के तहत केस दर्ज है। शिकायतकर्ता का आरोप था कि मनीष और उसके साथियों ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया। उन्होंने दावा किया कि मनीष ने सोशल मीडिया पर अप्रत्यक्ष धमकियां दीं, हथियार लहराए और मोहल्ले में डर का माहौल बनाया। इतना ही नहीं, 12 जून 2025 को एक सह-आरोपी को शिकायतकर्ता के घर के बाहर भी देखा गया था। लेकिन कोर्ट ने इन दावों को ठोस सबूतों के अभाव में खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जमानत मिलने की खुशी में वीडियो या स्टेटस डालना अपने आप में कोई अपराध नहीं है। जज ने साफ किया, कुछ स्क्रीनशॉट्स पेश किए गए हैं, लेकिन उनसे ये साबित नहीं होता कि ये पोस्ट शिकायतकर्ता को डराने के इरादे से डाले गए थे। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि जमानत रद्द करने के लिए बेहद ठोस और पुख्ता परिस्थितियां जरूरी हैं, जैसे कि न्याय प्रक्रिया में दखल या आजादी का दुरुपयोग।

बारिश के बाद मलेरिया बन रहा दिल्ली के लिए विलेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसून के बादल छंटने के साथ ही शहर एक बार फिर एक जानी-पहचानी मौसमी समस्या से जूझ रहा है,यानी मच्छर जनित बीमारियों में बढ़ोतरी। नगर निगम के आंकड़ों से पता चलता है कि मलेरिया संक्रमण कम से कम छह वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है,जबकि डेंगू और चिकनगुनिया भी शहर के सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ को लगातार बढ़ा रहे हैं। दिल्ली नगर निगम की 29 सितंबर की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक दिल्ली में 371 मलेरिया के मामले दर्ज किए गए हैं, जो 2019 के बाद

हर साल की इसी अवधि के आंकड़ों से ज्यादा हैं। पिछले साल इसी अवधि तक शहर में 363 मलेरिया के मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2023 में 237, 2022 में 68, और 2021 में 66 मामले दर्ज किए गए थे। भले ही डेंगू के मामलों की संख्या (759) पिछले साल के 1,229 से कम है,अधिकारियों का कहना है कि शहर में हर हफ्ते दर्जनों नए संक्रमण सामने आ रहे हैं। 2023 में इसी अवधि में दिल्ली में 1,229 मामले दर्ज हुए थे,जो कहीं ज़्यादा थे। इस साल चिकनगुनिया के मामले 61 हैं,जबकि पिछले साल यह संख्या 43 थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस साल अब तक मच्छर जनित बीमारियों से किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वास्तविक मामलों की संख्या बहुत अधिक हो सकती है क्योंकि बड़ी संख्या में मामले लापता या अधूरे हैं, जिन्हें कुल गिनती में जोड़ा नहीं जाता है। रपष्ठ की रिपोर्ट से पता चलता है कि पुष्टि किए गए मामलों के अलावा,95 मलेरिया और 223 डेंगू संक्रमण उन मरीजों में पाए गए। जिन्होंने हाल ही में दिल्ली के बाहर से यात्रा की थी। इसके अलावा 104 मलेरिया और 626 डेंगू के मामलों में पते अधूरे थे,जबकि पते का सत्यापन करने के बावजूद 76 मलेरिया और 195 डेंगू के मरीजों का पता नहीं चल सका। एक वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि पता न चल सकने वाले मानले एक बड़ी समस्या बने हुए हैं क्योंकि मच्छर-विरोधी अभियान प्रजनन हॉटस्पॉट की पहचान करने के लिए सटीक स्थान डेटा पर निर्भर करते हैं।

माउंट एवरेस्ट पर आया बर्फीला तूफान

ल्हासा, एजेंसी।
माउंट एवरेस्ट इलाके में भयंकर बर्फीले तूफान की वजह से कम से कम 1 हजार लोग फंस गए हैं। रविवार को उन्हें बचाने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया गया है। करीब 4,900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में बर्फबारी के कारण रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें हटाने के लिए सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों और बचाव दल को तैनात किया गया है।

बीबीसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि कुछ पर्यटकों को पहले ही बचा लिया गया है।बर्फबारी का यह दौर शुक्रवार शाम से शुरू हुआ और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में और तेज हो गया। यह इलाका पर्वतारोहियों के बीच काफी लोकप्रिय है।जानकारी के मुताबिक करीब 350 ट्रेकर सुरक्षित कुदांग पहुंच गए हैं। वहीं 200 लोगों के साथ संपर्क स्थापित हो गया है।

चीन की मीडिया ने कुछ वीडियो जारी की हैं जिनमें देखा जा सकता है कि घुटनों तक जमी बर्फ में रास्ता बनाकर ट्रेकर किसी तरह आगे बढ़ रहे हैं। बता दें कि अक्टूबर के महीने में इस तरह के बर्फीले तूफान की किसी को उम्मीद नहीं थी। रॉयटर्स ने एक ट्रेकर के हवाले से बताया, यहां बहुत ज्यादा ठंड है और हाइपोथर्मिया का खतरा है। गाइड्स का भी कहना है कि इस महीने में कभी ऐसा मौसम नहीं होता था।

माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है, और इसे चीन में माउंट कोमोलांगमा कहा जाता है। अक्टूबर के महीने में यहां सबसे ज्यादा पर्यटक और ट्रेकर पहुंचते हैं क्योंकि इस दौरान आम तौर पर आसमान साफ रहता है और मॉनसून भी लौट जाता है। चीन में आठ दिन के नेशनल डे दौरान छुट्टियों के चलते इस बार ट्रेकर की संख्या काफी बढ़ गई थी। बता दें कि हिमालयी क्षेत्रों में बारिश भी तबाही मचा रह है। नेपाल में ही बाढ़ और भूस्खलन में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

नेपाल में भी प्राकृतिक आपदा

एवरेस्ट के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, जिससे अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। इस बीच टाइफून माटमो, जो 2025 के प्रशांत क्षेत्र का 21वां नामित तूफान है, रविवार को दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के ज़हानजियांग शहर में तट पर पहुंचा। स्थानीय सरकारों ने 347,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया। माटमो की अधिकतम गति 151 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई।

● पुलिस ने जारी की तस्वीरें, पहले भी हुई ऐसी घटनाएं

2 नकाबपोश युवकों ने मस्जिद में लगाई आग, पुलिस ने फोटो जारी कर लोगों से की ये अपील

लंदन , एजेंसी।
यूरोप में हेट क्राइम का मुद्दा लगातार बढ़ रहा है। इंग्लैंड के दक्षिणी हिस्से में 2 नकाबपोश युवकों ने मस्जिद को आग के हवाले कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, इस घटना में मस्जिद का ढांचा तहस-नहस हो गया है।

मस्जिद में लगाई आग

यह घटना शनिवार की है। इंग्लैंड के पीसहेवन में युवकों ने मस्जिद के एंट्री गेट पर ही आग लगाई थी। इससे बाहर खड़ी कई गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं। पुलिस ने अब दोनों आरोपियों की फोटो जारी करते हुए लोगों से मदद मांगी है। मस्जिद में आग की पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, आरोपियों ने चेहरा ढक रखा था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए उनकी फोटो जारी की है। जांच अधिकारी गविन पैच के अनुसार, इस हमले के बाद लोगों में डर का माहौल है। कई लोग खुद को कम सुरक्षित महससू कर रहे हैं।

गविन पैच ने कहा- इस आगजनी में कई लोगों की जान खतरे में आ गई थी। घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान के लिए हम कई लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब इंग्लैंड में हेट क्राइम का मामला सामने आया है। उससे पहले भी मेनचेस्टर में हुए हमले में 2 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल थे। इस घटना के तार भी कट्टरपंथी गतिविधियों से जुड़े थे।

नशे में धुत्त महिला ने फ्लाइट में सरेआम कर डाली शर्मनाक हरकत

बोली- अगर मैं तुम्हें... एयर होस्टेस शर्म से हुई पानी-पानी

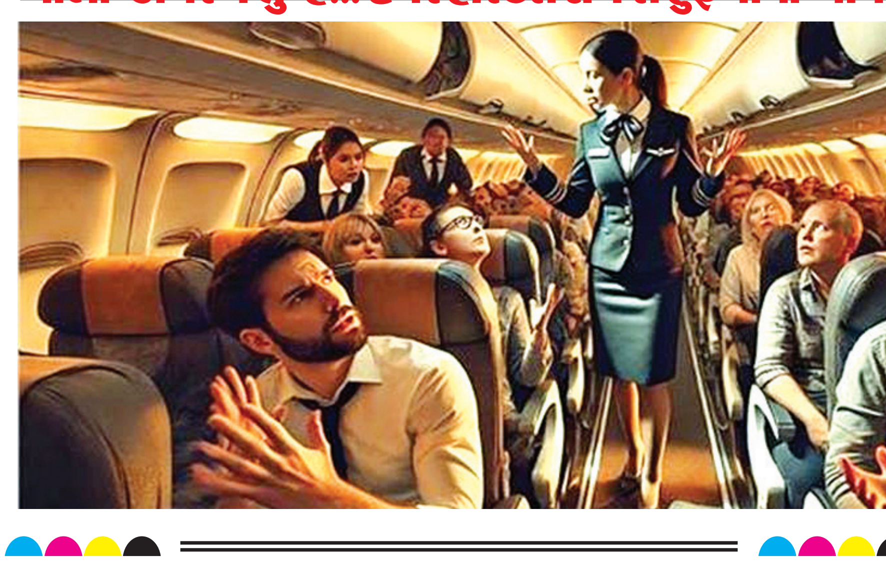

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सॉल्ट लेक सिटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को उस समय हंगामा मच गया जब एक महिला यात्री ने डेल्टा एयरलाइंस की एक एयरहोस्टेस के साथ अभद्र हरकत की और उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी महिला जिसका नाम कोडी सिएरा मेरी ब्राइन है, को यौन शोषण, हमला और सार्वजनिक नशे के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है।

क्या हुआ था फ्लाइट के अंदर?: ब्राइन डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट से सॉल्ट लेक सिटी से पोर्टलैंड जा रही थी। यह घटना तब शुरू हुई जब बाकी यात्री अपनी सीटों पर जा रहे थे तब ब्राइन जानबूझकर बीच गलियारे में खड़ी रही और क्रू मेंबर्स के बार-बार कहने के बावजूद हटने से मना कर दिया। जब वह अंततः हटी तो उसने अपने कंधे से एक कर्मचारी को धक्का मारा जिससे वह पीछे गिर गई। इस दौरान नशे में धुत महिला यात्री ने एयर होस्टेस की शर्ट में हाथ डालकर अभद्र हरकत की और धमकी भी दी। फ्लाइट के पायलट ने तुरंत उसे विमान से बाहर निकालने का आदेश दिया।

जब स्टाफ ब्राइन को विमान से बाहर ले जा रहा था तब उसने और हिंसक व्यवहार किया उसने सुरक्षित क्षेत्र में घुसने की कोशिश की। रोके जाने पर उसने एक महिला कर्मचारी के गले और बाल पकड़कर खींच लिए। इसके बाद उसने फिर उसी महिला पर हमला किया और अनुचित तरीके से छुआ। उसने स्टाफ को धमकी देते हुए कहा, अगर मैं तुम्हें अकेले पा गई तो देख लेना...। इतना कहने के बाद ब्राइन एयरपोर्ट से भागने की कोशिश करने लगी और दूसरे एयरलाइन का टिकट खरीद रही थी तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी के वक्त वह हथकड़ी लगवाने से मना कर रही थी और उसे काबू करने के लिए दो अधिकारियों को लगना पड़ा।

पुलिस और एयरलाइन का बयान

पुलिस पूछताछ में ब्राइन ने सभी आरोप मानने से इनकार कर दिया लेकिन यह स्वीकार किया कि वह सुबह से ही शराब पी रही थी। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक वह ठीक से बोल नहीं पा रही थी, लड़खड़ा रही थी और उसके मुंह से शराब की तेज़ गंध आ रही थी। एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि उनके लिए यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सबसे अहम है और हिंसक व्यवहार के लिए उनकी ज़ीरो टॉलरेंस की नीति है। पुलिस के अनुसार कोविड महामारी के बाद से एयरपोर्ट पर शराब से जुड़ी हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं और अब ऐसे मामलों में सख्त जुर्माना (37,000 डॉलर तक) लगाया जा सकता है। कोडी सिएरा मेरी ब्राइन को फिलहाल सॉल्ट लेक काउंटी मेट्रो जेल में रखा गया है और जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा

संक्षिप्त समाचार

बीएसएनएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने हड़ताल को सफल बनाने हेतु संकल्प सभा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएनएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने सोमवार को एसएमएस 2 सीसीसी विभाग के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के सामने संकल्प सभा का आयोजन किया। उक्त सभा में विभाग के कर्मचारियों ने आगामी 10 अक्टूबर को विभाग में ऐतिहासिक हड़ताल में सहभागी बनने का संकल्प लिया। सेल तथा बीएसएल प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों के साथ लगातार किए जा रहे भेदभाव पर सभी ने गहरा रोष प्रकट किया। वेज रीविजन में भेदभाव, एरियर भुगतान में भेदभाव, बोनस फॉर्मूला में भेदभाव और सेल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे गलत प्रयासों की तीव्र निंदा किया गया। गौरतलब है कि सेल प्रबंधन द्वारा अवैध बोनस फॉर्मूला के आधार पर लगातार तीसरे साल कर्मियों के खाते में बोनस राशी भेज दी गई है। जिसके कारण बोकारो स्टील प्लांट के कर्मियों में काफी रोष है। इस पर कर्मियों ने ही यूनियन के सामने हड़ताल बुलाने का माँग किया था। जिसके आलोक में यूनियन ने आगामी शुक्रवार को हड़ताल बुलाया है। यूनियन ने हड़ताल के लिए 30 सूत्री मांग रखी है। संकल्प सभा को संघ के अध्यक्ष हरिओम, उपाध्यक्ष मो० मुस्ताक आलम,महासचिव दिलीप, तथा वरिष्ठ सदस्य अर्जुन महतो ने संबोधित किया।

अधिशासी निदेशक ने सुरक्षा और वेलफेयर में सुधार लाने का दिया आश्वासन : प्रेम कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल, संघ के महामंत्री प्रेम कुमार के नेतृत्व में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक, संकार्य से मुलाकात की। संघ के महामंत्री ने कहा कि प्लांट अब असुरक्षित हो गया है। दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है। जिसका मुख्य कारण अकुशल ठेका श्रमिकों से कुशल कामगारो का काम करवाना है। प्लांट की मरम्मती गुणवत्ता पूर्ण नहीं हो रही है। सिर्फ कोरम पूरा किया जा रहा है। अधूरी सुरक्षा सामग्री दिया जाता है। ,संघ ने प्लांट के सभी जोन मे रात्रि कैंटीन देनेकी मांग की है। सभी कैंटीनो मे साफ सफाई और गुणवत्ता पूर्ण खान पान की व्यवस्था किया जाय।, ओ एच एस मे रात्रि मे दवाई काउंटर खोला जाय, इ एन टी और लंग्स का डॉक्टर अविलम्ब दिया जाय,,सभी कर्मचारियों को कार पास यथाशीघ्र जारी किया जाय। अधिशासी निदेशक ने स्पष्ट कहा कि हम सब देख रहे है। थोड़ा समय लगेगा हम अवश्य पूर्ण करेंगे। संघ की ओर से कार्यकारी अध्यक्ष एन के सिंह, उपाध्यक्ष सत्यनारायण ठाकुर, संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र महतो, मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष राम कुमार श्रीवास्तव, संगठन मंत्री राकेश कुमार और कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिन्हा उपस्थित रहे।

विधायक ने योजनाओं के लिए भूमि आवंटन को सौंपा ज्ञापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्वेता सिंह ने सोमवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा से मुलाकात की और लंबित योजनाओं के लिए भूमि आवंटन को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। विधायक बोकारो ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं केवल भूमि की अनुपलब्धता के कारण लंबित हैं। उन्होंने उपायुक्त से कहा कि वह योजनाओं के लिए शीघ्र भूमि चिन्हांकन कर आवंटन की कार्रवाई शुरू करें, ताकि योजनाओं को धरातल पर उतारा जा सके।

इन योजनाओं के लिए मांगी भूमि

ज्ञापन में विधायक ने सात प्रमुख योजनाओं के लिए भूमि आवंटन का अनुरोध किया हैं। जिसमें कला भवन (1 एकड़), इनडोर स्टेडियम (1 एकड़), अखाड़ा (35735 वर्गमीटर), स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (5 एकड़), छात्रावास (1 एकड़), साइंस सिटी एवं पर्यटन विकास हेतु रिसोर्ट शामिल हैं।

जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों ने दिखाया दम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अमृत पार्क सभागार में बोकारो जिला कुश्ती संघ के द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 145 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 95 प्रतिभागी विभिन्न वेट कैटगरी में चयनित हुए। ग्रीको रोमन कुश्ती एवं फ्री स्टाईल कुश्ती बालक एवं बालिका वर्ग के लिए था। दर्जनों बालिकाओं ने हिस्सा लिया जो सराहनीय है। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि बोकारो जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन , उद्घाटन कर्ता विशिष्ट अतिथि बोकारो जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, विशिष्ट अतिथि बोकारो विकास फोरम अध्यक्ष अनील सिंह, समाजसेवी उमेश कुमार, ने मंगल दीप प्रज्वलित कर किया। झारखंड राज्य कुश्ती संघ के द्वारा आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सभी विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक,रजत पदक, एवं कांस्य पदक प्रदान कर उनका हौसला अफजाई किया। सभी प्रतिभागियों को बोकारो जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मैच रेफरी एवं कोच के रूप में प्रमुख भूमिका में मृत्युंजय नाथ चौधरी, चींटू कुमार, विकास कुमार, एवं राजू कुमार थे।

विधानसभा याचिका समिति ने रामगढ़ में की समीक्षा बैठक

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तीन याचिका हमारे रामगढ़ जिले से था इसे लेकर विभिन्न पदाधिकारी के साथ एक समीक्षात्मक बैठक हुई और इसके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए" यह बातें आज रामगढ़ विधानसभा की विधायक ममता देवी ने झारखंड विधानसभा याचिका समिति की बैठक के बाद कहीं। झारखंड विधानसभा याचिका समिति की आज एक महत्वपूर्ण बैठक रामगढ़ परिसदन में संपन्न हुई। इस बैठक में रामगढ़ के डीडीसी, रामगढ़ विधानसभा विधायक ममता देवी, बगोदर विधानसभा के विधायक नागेंद्र महतो और मांडू के विधायक निर्मल महतो के साथ जिला प्रशासन के तमाम विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे। मौके पर रामगढ़ तथा मांडू के विधायकों ने अपने क्षेत्र में हो रहे हैं विकास कार्यों का जायजा लिया। साथ ही लंबित पड़े मामलों को यथाशीघ्र पूरा करने के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारी को आदेश दिया। बैठक समाप्त होने के बाद रामगढ़ विधायक ममता देवी ने बताया कि जो याचिकाएं जनता से होकर जाती हैं उसमें तीन याचिका हमारे रामगढ़ जिले से था।

स्व. शिबू सोरेन को समर्पित होगा लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ महोत्सव : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोमिया प्रखंड के ललपनिया में लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ महोत्सव को इस वर्ष और अधिक भव्यता एवं पारंपरिक गौरव के साथ मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित विभागों के साथ बैठक कर महोत्सव की रूपरेखा, प्रबंधन एवं आयोजन संबंधी दिशा-निर्देश दिए।

गोपनीय कार्यालय कक्ष में हुई बैठक

उपायुक्त की अध्यक्षता में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला पर्यटन पदाधिकारी हेमलता बुन, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, पीएमयू टीम एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को हुई। बैठक में महोत्सव की तैयारी के सभी प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। उपायुक्त ने कहा कि लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी है। इसलिए इसके आयोजन में पारंपरिकता और आधुनिक प्रबंधन का समन्वय जरूरी है।

09 अक्टूबर को ललपनिया में होगी विस्तृत बैठक

महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु आगामी 09 अक्टूबर को ललपनिया में एक विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विभिन्न विभागों, पूजा आयोजन समिति एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। महोत्सव के कार्यक्रम निर्धारण, सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन, प्रचार-प्रसार एवं आतिथ्य से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

दो दिवसीय समारोह गुरुजी की स्मृति को होगा समर्पित

यह दो दिवसीय (04 झ 05 नवंबर 2025) महोत्सव का आयोजन गुरूजी शिबू सोरेन की पावन स्मृति को समर्पित होगा। महोत्सव के दौरान विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिनमें आदिवासी ग्रामीण खेल प्रतियोगिता, प्रदर्शनी एवं स्टाल (स्थानीय उत्पादों), संथाल आदिवासी इतिहास की झलकियां, लाइव पेंटिंग कॉर्नर, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं साहित्यिक संगोष्ठी आदि शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, कला एवं परंपराओं के संरक्षण और प्रसार को प्रोत्साहन मिलेगा।

पारंपरिक विधि से होगा उद्घाटन और समापन

महोत्सव का उद्घाटन और समापन पूर्णतः पारंपरिक आदिवासी विधि से किया जाएगा। इस दौरान आदिवासी नृत्य, संगीत, पूजा-पाठ, ढ़ोल - नगारा और सामाजिक एकता के प्रतीकात्मक अनुष्ठान आयोजित होंगे। साथ ही, श्रद्धालुओं एवं विशिष्ट अतिथियों के स्वागत हेतु विशेष स्मृति चिह्न (मोमेंटो) डिजाइन करने को लेकर भी पीएमयू टीम को निर्देशित किया। मौके पर कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा झ निर्देश दिया।

मुकेश अग्रवाल होंगे रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास के बोर्ड सदस्यों की एक बैठक अध्यक्ष डिंपल कौर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश अग्रवाल को क्लब के आगामी सत्र 2026-2027 के लिए अध्यक्ष चुना गया। इस संबंध में रोटरी जिला 3250 को भी औपचारिक सूचना दे दी गई है। मुकेश अग्रवाल रोटरी क्लब से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। वे सत्र 2024-2025 में क्लब के सचिव पद की जिम्मेदारी भी सफलता पूर्वक निभा चुके हैं। वर्तमान में वे बोकारो चेंबर के सचिव भी है।

उनकी समर्पित कार्यशैली और सेवा भावना को देखते हुए उन्हें अध्यक्ष पद की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद , पूर्व अध्यक्षगण झ मनोज चौधरी, सिद्धार्थ पारख, पूजा बैद,नरेंद्र सिंह ,कमला तनेजा,विनय सिंह, कुमार अमरदीप एवं विनोद चोपड़ा, सचिव श्वेता रस्तोगी, डॉ परिंदा, डॉ श्रवण कुमार, चनप्रीत सिंह सहित अनेक सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं।

पोषक क्षेत्र का कोई भी बच्चा आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधा से नहीं हो वंचित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन बोकारो ने बाल विकास योजनाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चंदनकियारी प्रखंड के महाल पूर्वी पंचायत अंतर्गत सिंहटोला गांव में आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में विभागीय जिला व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने स्थानीय आवश्यकताओं का परीक्षण कर यह पाया कि सिंहटोला गांव में अब तक कोई आंगनबाड़ी केंद्र नहीं था, जिससे स्थानीय बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य

सेवाओं की उपलब्धता में कठिनाई हो रही थी। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि किसी भी पोषक क्षेत्र का बच्चा आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधा से वंचित नहीं रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्र के निर्माण कार्य को लेकर आमसभा करते हुए केंद्र निर्माण का प्रस्ताव जिला को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द इस सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र न केवल बच्चों के पोषण और शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह मातृ स्वास्थ्य, किशोरियों में एनीमिया नियंत्रण, टीकाकरण, और सामुदायिक जागरूकता की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैठक में अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ चंदनकियारी श्री रवि आनंद ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भूमि चिन्हित है, आम सभा के माध्यम से पारित करते हुए जिला को प्रस्ताव जल्द समर्पित किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच को लेकर आदिवासी संगठन की रैली

जामताड़ा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले की सीबीआइ जांच की मांग तथा आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में आदिवासी संगठन देशमाझी परगना वायसी तथा विभिन्न संगठनों ने जामताड़ा में आक्रोश महारैली निकाली। सैकड़ो की संख्या में आदिवासी महिला पुरुष डुगडुगी बजाते हुए मांगों से समर्थित तख्ती लेकर गांधी मैदान से रैली निकालकर पूरे शहर का भ्रमण किया और फिर सभी समाहरणालय पहुंचे। जहां पर राज्यपाल के नाम एक मांग पत्र सोपा। आदिवासी नेता मंगल सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रदेश में आदिवासी के ऊपर विभिन्न प्रकार के शोषण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लव जिहाद, अवैध जमीन कब्जा, शारीरिक शोषण तथा सूर्या हांसदा का फर्जी एनकाउंटर मामले का आदिवासी समाज विरोध करता है। डॉ श्याम देव हेंब्रम ने कहा कि सूर्या हादसा एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच की मांग तथा कुर्मी/कुरमी को एसटी का दर्जा देने की मांग को सरकार खारिज करें। नहीं तो हर जगह पर आंदोलन हो रहा है आगे चक्का जाम होगा और यहां से कोयला पत्थर बालू कुछ भी दूसरे राज्य में हम आदिवासी नहीं जाने देंगे। बहरहाल जनआक्रोश रैली के माध्यम से विभिन्न आदिवासी संगठन के लोगों ने जामताड़ा में अपना शक्ति प्रदर्शन किया और राज्य सरकार को सीधा संदेश देने का प्रयास किया कि अगर आदिवासियों की अधिकार का हनन हुआ तो वह लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वाहन चेकिंग के नाम पर कथित अवैध वसूली के विरोध में समाजसेवी मुर्तजा आलम धरने पर बैठे

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को विनोद बिहारी चौक पर धनबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा चल रहे वाहन चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहनों पर चालान किया गया। इसी बीच वासेपुर के समाजसेवी मुर्तजा आलम ने ट्रैफिक पुलिस की कथित अवैध वसूली के विरोध में चौंक पर बैठकर धरना दे दिया। धरने के साथ ही आम लोगों की भीड़ जमा हो गई। मुर्तजा आलम ने कहा, 'पुलिस अपना काम करे, हमें उससे कोई परेशानी नहीं है। लेकिन एक आँख में काजल और दूसरी आँख में सुरमा वाला रवैया स्वीकार नहीं होगा। जो रसूखदार हैं उन्हें छोड़कर गरीब आदमी के चालान काटे जा रहे हैं। ऐसा नियम नहीं चलेगा। आवाज उठाने पर मुझे जेल भी जाना होगा तो मैं जाऊंगा। घटना के बाद मौके पर उपस्थित लोगों ने भी अपनी नाराजगी जताई और ट्रैफिक पुलिस से समान व्यवहार की मांग की। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी से पूछताछ करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फिलहाल मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से निष्पक्ष जाँच और पारदर्शी कार्रवाई की मांग की है।

सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट चास के लिए अविलंब भूमि चिह्नित करें : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने नगर निगम चास एवं नगर परिषद फुसरों के विभिन्न विकास एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद फुसरो के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने शहरी विकास, स्वच्छता, पेयजलापूर्ति एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण दिशाझनिर्देश दिया।

सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु शीघ्र भूमि चिन्हित करें

उपायुक्त ने अंचलाधिकारी चास को निर्देश दिया कि चास नगर क्षेत्र में प्रस्तावित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए अविलंब भूमि चिन्हित करें। उन्होंने कहा कि इस दिशा में कार्यवाही में किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। पूर्व में, चिन्हित भूमि एसटीपी के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गरगा नदी में किसी भी परिस्थिति में शहर का गंदा पानी नहीं जाना चाहिए। उपायुक्त ने जोर दिया कि इस कार्य को एक मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए ताकि आने वाले समय में अन्य नगर निकाय/जिला भी इससे प्रेरणा ले सकें।

गरगा नदी का संरक्षण झ पर्यावरण प्राथमिकता

उपायुक्त ने कहा कि गरगा नदी शहर की जीवन रेखा है, इसका संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नदी में गंदे नालों के बहाव को तुरंत रोका जाए और नदी तट को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा कार्य करें कि लोग गरगा नदी को देखने आएं, यह हमारी पर्यावरणीय पहचान बने।

शहरी पेयजलापूर्ति योजना में तेजी लाने का दिया निर्देश

बैठक में उपायुक्त ने शहरी पेयजलापूर्ति योजना के क्रियान्वयन की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया और इसे शीघ्र गति से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने फेज टू झ फेज थ्री पेयजलापूर्ति की प्रगति कार्य की समीक्षा किया। उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर एवं बस स्टैंड निर्माण के लिए भी एक सप्ताह के भीतर उपयुक्त स्थान चिन्हित कर प्रस्ताव जिला को समर्पित करने को कहा ताकि शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके।

सफाई व्यवस्था में सुधार और निगरानी प्रणाली को मजबूत करें

उपायुक्त ने कहा कि नगर निगम चास एवं नगर परिषद फुसरों को सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी वरीय पदाधिकारी स्वयं फील्ड निरीक्षण करें और सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें। कहा कि निगम/परिषद के कर्मी कम से कम एक घंटा प्रतिदिन फील्ड में कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि सड़क किनारे या सार्वजनिक स्थलों पर कहीं भी गंदगी दिखाई नहीं दे।

गंदगी फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी

उपायुक्त ने साफ चेतावनी दी कि सड़क किनारे या दुकानों के सामने गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे दुकानदारों से जुमार्ना वसूलें और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई निगम/परिषद करें। शहर की स्वच्छता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूजा सामग्रियों (निर्वाण) के निस्तारण पर जोर

उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों और अधिकारियों दोनों को माइंडसेट बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नगर निगम और नगर परिषद सूखा और गीला कचरा पृथक रूप से एकत्र एवं निष्पादित करने की व्यवस्था पर काम कर रहा है। इसके साथ ही, वह घरों से निकलने वाले पूजा सामग्री (निर्वाण) के पर्यावरण अनुकूल निस्तारण के लिए भी विशेष व्यवस्था करें। उपायुक्त ने कहा कि अगरबत्ती निर्माण प्लांट जैसी पहल से न केवल पूजा सामग्री (निर्वाण) का सदुपयोग होगा बल्कि स्थानीय रोजगार भी सृजित होंगे।

जनहित के कार्यों में लाएं पारदर्शिता और परिणाम

बैठक के समापन पर उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी जनहित के कार्यों में पारदर्शिता, गति और परिणाम सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल सफाई नहीं, बल्कि ऐसा शहर बनाना है जो हर दृष्टि से पर्यावरणीय रूप से आदर्श हो। बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, नमामि गंगे के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, नगर निगम चास के अधिकारी, नगर परिषद फुसरों के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

सेल ने स्वदेशी स्टील से आईएनएस आन्द्रोत को दी मजबूती, भारत की समुद्री आत्मनिर्भरता को दे रहा है नई ताकत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निमार्ता और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आईएनएस आन्द्रोत के लिए विशेष ग्रेड स्टील की पूरी जरूरत की आपूर्ति की है, जिसे आज 6 अक्टूबर, 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह भारत की नौसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आईएनएस आन्द्रोत, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट श्रृंखला का दूसरा युद्धपोत है। इस श्रृंखला का पहला शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अनार्ला था, जिसे 18 जून 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। सेल ने उल्लेखनीय योगदान देते हुए, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट युद्धपोतों - जिसमें INS अनार्ला और INS आन्द्रोत शामिल हैं - के लिए आवश्यक सम्पूर्ण विशेष ग्रेड स्टील, जिसमें एचआर शीट्स और प्लेट्स शामिल हैं, की आपूर्ति की है। इस विशेष ग्रेड इस्पात की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों से की गई है। आईएनएस आन्द्रोत का कमीशन भारत की समुद्री क्षमताओं के विस्तार और 'आत्मनिर्भर भारत' की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सेल इस राष्ट्रीय प्रयास के लिए अपने सहयोग को फिर से दोहराते हुए, स्वदेशी स्टील उत्पादन के जरिये रणनीतिक रक्षा अवसंरचना को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बी एस एल के चिकित्सा और सुरक्षा विभाग में 08 पदाधिकारीयों ने दिया योगदान

आज दिनाँक 06 अक्टूबर को बी एस एल के चिकित्सा और सुरक्षा विभाग में पदस्थापित 08 पदाधिकारियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एक सप्ताह का लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा उपस्थित थीं. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री नीता बा ने सुरक्षा शपथ के बाद सभी पदाधिकारीयों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया और बदलते तकनीकी परिवेश के अनुसार पदाधिकारीयों को अपनी दक्षता को बढाने हेतु प्रेरित किया. धन्यवाद ज्ञापन देते हुए श्री एस. एन मिश्रा सहायक प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. कार्यक्रम के आयोजन तथा सफल सञ्चालन में नव प्रशिक्षु प्रकोष्ठ के कर्मचारियों का अहम योगदान रहा.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK